मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.4	23.4
डालटनगंज	31.8	25.1
धनबाद	28.5	25.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, मंगलवार 15 जुलाई 2025 ● श्रावण कृष्ण 05, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 98 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12 https://epaper.shubhamsandesh.net

ब्रीफ न्यूज

आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए शुभांशु

नयी दिल्ली। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, जिन्होंने 18 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताए, अब उनके धरती पर वापसी की यात्रा शुरू हो गई है. एक्सिओम-4 मिशन के तहत यह मिशन भारत समेत हंगरी व पोलैंड के लिए अंतरिक्ष में वापसी का प्रतीक है. शुभांशु शुक्ला व उनकी टीम ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार हैं व अंतरिक्ष स्टेशन से अनडॉकिंग शाम करीब 4:50 बजे हुआ. मंगलवार दोपहर 3:01 बजे आईएसटी पर कैलिफोर्निया के तट के पास समुद्र में स्प्लैशडाउन करेगा.

गजेंद्र सिंह को एसीबी कोर्ट से मिली बेल

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के विशेष जज योगेश सिंह की कोर्ट में शराब घोटाला केस के आरोपी गजेंद्र सिंह की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई. कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उनकी की याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें बेल दे दी है. बेल मिलने से गजेंद्र सिंह को बड़ी राहत मिली है. गजेंद्र सिंह झारखंड शराब घोटाला केस के प्रमुख आरोपियों में से एक हैं. उन्हें एसीबी ने 20 मई को गिरफ्तार किया था. उन्होंने 18 जून को बे की गुहार लगाते हुए याचिका दाखिल की थी.

अब ट्रेन की बोगियों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नयी दिल्ली। रेल मंत्रालय ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा फैसला ले लिया है. मंत्रालय ने अब ट्रेनों के कोच और इंजन में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है. इसके जरिए चप्पे चप्पे की जानकारी सरकार को मिलेगी. जानकारी के अनुसार देश के सभी 74 हजार ट्रेन के कोचों और 15 इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे. इसकी मंजूरी रेल मंत्री अशिविनी वैष्णव ने दे दी है, जहां प्रत्येक कोच में 4 डोम-टाइप सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे.

ईडी के सामने रॉबर्ट वाड्रा की हुई पेशी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा सोमवार को ईडी के सामने पेश हुए. उनसे ब्रिटिश हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की गई. वाड्रा का बयान पीएमएलए के तहत दर्ज किया गया. वाड्रा सुबह 11 बजे के बाद ईडी कार्यालय पहुंचे. उनके साथ प्रियंका गांधी भी थीं. रॉबर्ट को एजेंसी ने पिछले महीने ही बुलाया था, लेकिन उन्होंने अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध किया था.

मॉनसून सत्र में आएगा स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल

नयी दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल को संसद के आगामी मॉनसून सत्र में पेश किया जाएगा. यह बिल देश के खेल प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता लाने के मकसद से लाया जा रहा है. मंडाविया ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा नशा मुक्ति को लेकर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मीडिया को उक्त जानकारी दी.

झारखंड की खुशहाली

कृषि, बागवानी, मत्स्यपालन, देशज तकनीक और संसाधन से ही संभव

अयोध्या नाथ मिश्र

झारखंड को सम्यक विकास की लंबी दूरी तय करने में समय लगेगा! इसके लिए अधिक संसाधन, श्रम, प्रबंधन, ईमानदार समेकित प्रयास की जरूरत होगी. अब धन चाहे अपने संसाधन अर्थात स्व कर राजस्व,

गैर कर राजस्व, केंद्रीय करों में हिस्सा या अन्य स्रोतों से आए, ऋण या केंद्र सरकार की विशेष सहायता से प्राप्त हो, इसके बिना संभावना नहीं. स्व कर राजस्व सहित अन्य छोटे-मोटे संसाधन प्रशासनिक तंत्र अर्थात स्थापना व्यय के लिए ही पर्याप्त नहीं हो पाते. शिक्षा स्वास्थ्य विधि व्यवस्था एवं अन्य प्रबंधन आर्थिक बाजार बुद्धि के साथ-साथ मांग के आलोक में बढ़ेंगे ही. राज्य में नवसृजन की बात अलग है, पूर्व से रिक्त स्वीकृत एवं सृजित पदों पर नियुक्तियों से स्थापना मद में वृद्धि स्वाभाविक है. यदि राज्य की सभी चुनौतियों आवश्यकताओं का भौतिक आकलन किया जाए, तो वर्तमान में कम से कम सेवाओं में 15 से 20% पदों के सृजन की आवश्यकता तो होगी ही. इसलिए विभिन्न विभागों की बजटीय मांगों में वृद्धि सकारात्मक है. अगर 7:50 प्रतिशत का जीएसडीपी ग्रोथ मान कर चला जाए, तो भी बाजार और मूल्य को देखते हुए अधिक विनियोजन के लिए आर्थिक संसाधन अपेक्षित है. कम से कम राष्ट्रीय औसत का बजट तो चाहिए ही और उसे मौलिक होना चाहिए. इसलिए वर्तमान संदर्भ में सकल राजस्व में भारी वृद्धि की अपेक्षा की जाती है.

कला को आर्थिक समर्थन की जरूरत

अगर राज्य में आउटकम आधारित निवेश/बजटीय विनियोजन हो, तो आम जीवन में समृद्धि तुलनात्मक दृष्टि से अधिक सरल है. क्योंकि यहां का ग्रामीण परिक्षेत्र अधिक परिश्रमी मितव्ययी और रचनात्मक है. अतः वर्टिकल ग्रोथ की अधिक संभावना है. जिस राज्य की गरीब आदिवासी माताएं-बहनें प्रकृति आधारित लघु संसाधन यथा पत्ते का दोना, पत्तल चटाई, रस्सी, देशज दवाइयां बनाकर अपनी जीविका चलाती हैं, वे सम्यक आर्थिक समर्थन प्रशिक्षण मिलने पर अधिक आय कर सकती हैं! यहां के गांव में अनेक कला कौशल हैं. मृतिका कला, संपूर्ण हर्बल तकनीक, रेशम उत्पादन एवं प्रसंस्करण, महुआ, करंज, इमली, कटहल आंवला के बाई प्रोडक्ट के साथ वस्त्रोत्पादन, प्राचीन परंपरागत तकनीक कुंद पड़े हुए हैं. इनको संस्थागत आर्थिक समर्थन बाजार ग्रामीण मिले, तो देशज इकोनामी को कई गुना बढ़ा देंगे! मछली पालन और बागवानी से गांवों को छिटफुट लाभ मिल रहा है. पर अपेक्षा है बाजार लिंकेज और तकनीकी समर्थन की. हाल के दिनों में ग्रामीण इकोनामी एवं उपभोग में मंद गति वृद्धि रेखांकित हुई है. पर यह एक पड़ाव है, प्रगति नहीं. राज्य की आबादी के 10% न्यूनतम ग्रामीण आयकर्ता अर्थात गरीब महज 1422 रुपए मासिक खर्च करते हैं, जबकि 10% संपन्न का खर्च 4441 रुपए है. ग्रामीण और शहरी उपभोग सीमा में हाल के वर्षों में वृद्धि के फल स्वरुप ग्रामीण 2946 और शहरी 5393 रुपए मासिक खर्च कर रहे हैं. इसलिए राज्य के विकास के लिए संसाधन अभिवृद्धि, प्रति व्यक्ति आय, उपभोग में अनुपातिक बढ़ोतरी आवश्यक है.

जमा अनुपात में असमानता : राज्य में विकास का बड़ा समर्थक पहलू होता है साथ -जमा अनुपात. पर यहां तो वह 50% से ऊपर की ओर सरकता ही नहीं? तमिलनाडु, तेलंगाना, गुजरात, महाराष्ट्र जैसे विकसित राज्यों में इसका अनुपात 100% से ऊपर है. वहां सभी सेक्टर इसका लाभ उठाते हैं, पर झारखंड के बैंक किसान, मजदूर, लघु उद्यमी विभिन्न स्वावलंबी सहकार समूह को ऋण देने में कतराते हैं, प्रोत्साहन कौन कहे! उन्हें भय है कहीं राशि डूब ना जाए. पर इन्हीं बैंकों की साख नीति से देश अवगत है, अरबों रुपए डूब जाते हैं? साख जमा अनुपात का आशय यह नहीं होता कि झारखंड का मध्यवर्ग जमा करे 100 रुपए और गांव-गरीब-देशज परंपरागत उद्योग क्षेत्र में इसकी छाया भी न पहुंचे!

कृषि के साथ लघु उद्योगों को संरक्षण की जरूरत : यहां 65% आबादी की निर्भरता कृषि एवं संबद्ध सेवाओं यथा बागवानी मत्स्य पालन पशुपालन पर निर्भर है. दूसरी ओर लगभग 60% क्षेत्र में मौसमी उतार-चढ़ाव कृषि को आत्मनिर्भर बनने में बाधक है. इसका दूसरा बड़ा कारण है की सकल 29 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि में सिंचाई के अभाव के कारण संतुलित और सुनिश्चित कृषि उत्पादन नहीं हो जाता. सरकारी आंकड़ों के अनुसार 25% कृषि भूमि के सिंचाई के लायक जल संसाधन सृजित है. पर संसाधन सृजन और भौतिक सिंचाई में अंतर है. दस प्रतिशत भी सिंचाई नहीं होती सरकारी व्यवस्था से! इस प्रकार कृषि संबद्ध सेवाएं और बानिकी से जिसे प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है की राज्य की आर्थिक समृद्धि में मात्र 11.5% सहभागिता है. सिंचाई सुविधाओं की नितांत कमी भूमिगत जल की अपर्याप्तता वनों के संरक्षण में कमी, कृषि अवसंरचना तकनीक और वैज्ञानिकता का अभाव उत्पादन को प्रभावित करते हैं. यहां का मेहनतकश गरीब किसान बाजार और प्रसंस्करण ख की निहायत के कारण कमी उत्पाद खेतों में छोड़ देते हैं या कौड़ी के मोल लुटा देते हैं. कृषि उत्पादों के रखरखाव की व्यवस्था नहीं होना बाजार तक उत्पादन की पहुंच में कठिनाई कृषि उत्पादन विपणन में सहकार का अभाव एवं सरकार की सम्यक पहुंच की कमी खेती को बुरी तरह प्रभावित कर रही है. झारखंड में मत्स्य पालन तेजी से उभरता स्वावलंबन का बेहतर विकल्प है. परंपरागत रूप से इस कार्य में लगभग 1.75 लाख परिवार लगे हैं. 1000 से अधिक मत्स्यपालक सहयोग समितियां उत्पादन से जुड़ी है. झारखंड का "केज फिस कल्चर" देश में मशहूर है. राज्य के 436 छोटे-बड़े जलाशयों से कुल 3.63 लाख टन मछली उत्पादन हो रहा है. राज्य में जहां 70% लोग मछली खाते हैं, यहां एक वृहद बाजार है. सरकारी समर्थन से यहां के जलाशयों में 10000 से ऊपर मछलीकेज स्थापित है. यह ग्रामीण झारखंड की बेरोजगारी उन्मूलन में सहायक एक कम लागत से अधिक रोजगार देने वाला बड़ा क्षेत्र विकसित हो रहा है. पर इसके विपणन एवं परिष्करण के लिए तकनीक एवं आर्थिक समर्थन बहुत जरूरी हैं. शेष पेज 09 पर...

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र व राज्य सरकारों को कड़ा निर्देश

नफरती कंटेंट पर लगे लगाम अभिव्यक्ति की आजादी बनी रहे

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर फैल रहे हेट स्पीच (नफरती भाषणों) को लेकर सोमवार को चिंता जाहिर की है. कोर्ट ने कहा है कि इन दिनों अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर सब कुछ जायज ठहराने की कोशिश कर रही है. ये बिल्कुल खतरनाक है.

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज फ़्रांसिस विस्वनाथन की बेंच के द्वारा ये टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई करते हुए आई जो कि वजहात खान नाम के शख्स ने दायर की थी. सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि नफरती भरे भाषणों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, लेकिन ये भी सुनिश्चित करने की जरूरत होगी कि किसी की भी बोलने की आजादी को कुचला न जाए. बेंच ने कहा कि लोगों को अभिव्यक्ति

की स्वतंत्रता का मूल्य समझना चाहिए. राज्य को हर बार बीच में आकर कार्रवाई करनी पड़े, ये स्थिति नहीं होनी चाहिए. हेट स्पीच जैसे कंटेंट पर कुछ नियंत्रण ज़रूरी है. आम नागरिकों को भी ऐसे कंटेंट को शेयर करने, प्रमोट या लाइक करने से बचना चाहिए.

वजहात खान को कोर्ट से मिली राहत : वजहात खान के वकील ने कोर्ट में पुराने ट्वीट्स के लिए माफी मांगी. वकील ने कहा कि मेरी शिकायत ही मेरे लिए मुश्किल बनते जा रही है. मैंने इसके लिए माफी मांग ली है. लेकिन मैं बस यही चाहता हूं कि कोर्ट देखे कि एफआईआर वाकई उन्हीं ट्वीट्स से जुड़ी है या नहीं. कोर्ट ने कहा कि हर बार नया एफआईआर और जेल में डालने का क्या मतलब है? इससे कोई समाधान नहीं निलकलेगा.

कोर्ट की बड़ी टिप्पणी : न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि अब पोस्ट डिलीट करने का कोई मतलब नहीं है, एक बार जो इंटरनेट पर चीजें डल जाती हैं, वो हमेशा के लिए रहती हैं. अभिव्यक्ति की आजादी बहुत ही अहम मौलिक अधिकार है. लेकिन इसका दुरुपयोग करने से बस अदालतों में भीड़ बढ़ती है.

पिछली सुनवाई में क्या हुआ : 24 जून को हुई पिछली सुनवाई में, सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस एजी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने केंद्र सरकार और असम, दिल्ली, हरियाणा और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया था. यह नोटिस वजाहत खान की याचिका पर दिया गया था, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर को एक साथ जोड़ने की मांग की गई.

वजाहत खान पर क्या आरोप हैं : वजाहत खान पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट किए जो कथित तौर पर धार्मिक घृणा और साम्प्रदायिक तनाव को बढ़ावा देते हैं. उनके खिलाफ कई राज्यों में एफआईआर दर्ज हुई हैं. 9 जून को वजाहत खान को गिरफ्तार किया गया था. एक एफआईआर में वे पुलिस हिरासत में हैं और दूसरी एफआईआर में न्यायिक हिरासत में.

सावन माह की पहली सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथधाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

शुभम संदेश। देवघर

देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में सावन की पहली सोमवारी पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा. तड़के सुबह से ही लोग जलाभिषेक करते दिखे. कुछ श्रद्धालु तो सावन की पहली सोमवारी को जल चढ़ाने के लिए देर रात ही मंदिर पहुंच चुके थे. तड़के 04:12 बजे मंदिर के पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया. साथ ही रात्रि से कतारबद्ध श्रद्धालुओं की कतार चमारीडीह पुल तक पहुंच गयी थी. पूरा मंदिर 'बोल बम' के नारे से गूंज रहा है. जो लोग मंदिर से बाहर आ रहे हैं या मंदिर पहुंच रहे हैं, सभी भगवान भोलेनाथ की भक्ति में डूबे हुए नजर आ रहे हैं. ऐसा लग रहा है मानो मंदिर में प्रवेश करते ही सारी थकान, तकलीफ खत्म हो गई हो. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जलाभिषेक करने के लिए सारी व्यवस्थाएं पहले से ही दुरुस्त रखी गईं. पहली सोमवारी को लेकर बाबा धाम के वरिष्ठ पंडा लम्बोदर परिहस्त ने बताया कि आज का दिन बहुत खास है. आज चतुर्थी तिथि पड़ी है. इस दिन शिव वास होता है और आज भगवान भोलेनाथ कैलाश पर विराजमान होते हैं. इस दिन पूजा करने से लोगों को हर सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है. इस वर्ष चार सोमवारी का योग बना हुआ है.

झारखंड हाईकोर्ट

नए चीफ जस्टिस होंगे तरलोक सिंह चौहान, जस्टिस राव भेजे गए त्रिपुरा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव को त्रिपुरा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया है. सोमवार को केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने एक्स अकाउंट पर यह जानकारी दी है कि झारखंड समेत देश के कई राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का तबादला हुआ है. उनके ट्रांसफर की अधिसूचना जारी कर दी गई है. हिमाचल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस होंगे. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय हुआ था. जिसपर राष्ट्रपति ने भी मुहर लगा दी है. जस्टिस चौहान हिमाचल हाईकोर्ट में भी दो बार कार्यवाहक चीफ जस्टिस की भूमिका निभा चुके हैं. 9 जनवरी 1964 को शिमला जिला के रोहडू. में उनका जन्म हुआ. उनकी प्रारंभिक शिक्षा शिमला के बीसीएस स्कूल से हुई. डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ से ऑनर्स के साथ स्नातक पंजाब विवि से कानून की डिग्री प्राप्त करने के बाद वर्ष 1989 में वकील बने. उसके बाद इन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता लाला छबीला दास के चैंबर को ज्वाइन किया.

वैवाहिक मामलों पर 'सुप्रीम' टिप्पणी

पति-पत्नी की गुप्त बातचीत बतौर साक्ष्य स्वीकार्य

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वैवाहिक मामलों को लेकर अहम टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में पति-पत्नी की बात की गुप्त रिकॉर्डिंग को बतौर साक्ष्य कोर्ट में स्वीकार्य किया जा सकता है. पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि पति-पत्नी का एक-दूसरे पर नजर रखना इसका सबूत है कि विवाह मजबूत नहीं चल रहा है. इसलिए रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है. पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि पति-पत्नी के बीच गुप्त बातचीत साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के तहत संरक्षित है और इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में नहीं किया जा सकता. पीठ ने निचली अदालत के आदेश को बहाल रखा और कहा कि वैवाहिक कार्यवाही के दौरान रिकॉर्ड की गई बातचीत पर ध्यान दिया जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने पारिवारिक

न्यायालय से रिकॉर्ड की गई बातचीत का न्यायिक संज्ञान लेने के बाद मामले को आगे बढ़ाने को कहा.

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि पति-पत्नी द्वारा एक-दूसरे की बातचीत रिकॉर्ड करना अपने आप में इस बात का सबूत है कि उनका विवाह मजबूत नहीं चल रहा है और इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है. न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि अगर शादी इस मुकाम पर पहुंच गई है कि पति-पत्नी एक-दूसरे पर सक्रिय रूप से नजर रख रहे हैं, तो यह अपने आप में टूटे हुए रिश्ते का लक्षण है और उनके बीच विश्वास की कमी को दर्शाता है.

पारिवारिक अदालत ने रिकॉर्डिंग को माना था सबूत : बठिंडा की एक पारिवारिक अदालत ने अपने फैसले में पति को क्रूरता के दावों के समर्थन में अपनी पत्नी के साथ हुई फोन कॉल की रिकॉर्डिंग वाली एक कॉम्पैक्ट डिस्क का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी. पत्नी ने इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी और तर्क दिया था कि रिकॉर्डिंग उसकी जानकारी या सहमति के बिना की गई थी और यह उसकी निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है.

हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था पारिवारिक अदालत का फैसला : उच्च न्यायालय ने पत्नी की याचिका स्वीकार की और साक्ष्य को अस्वीकार्य करार देते हुए कहा कि गुप्त रिकॉर्डिंग निजता का स्पष्ट उल्लंघन है और कानूनी रूप से अनुचित है. हाईकोर्ट ने कहा था कि कुछ तर्क दिए गए हैं कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द और वैवाहिक संबंध खतरे में पड़ जाएंगे क्योंकि इससे पति-पत्नी पर जासूसी को बढ़ावा मिलेगा. इससे साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के उद्देश्य का उल्लंघन होगा.

जेएसएससी को झटका

हाईकोर्ट ने कहा-दो वर्षीय बी एड वाले भी पात्र उम्मीदवार

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य (कक्षा 6 से 8) नियुक्ति प्रक्रिया में दो वर्षीय बीएड कोर्स करने वाले अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है. न्यायमूर्ति दीपक रौशन की

एकल पीठ ने सोमवार को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को निर्देश दिया कि ऐसे अभ्यर्थियों के भी दस्तावेजों का सत्यापन किया जाए. अदालत ने स्पष्ट किया कि दो वर्षीय बीएड करने वाले उम्मीदवार भी नियुक्ति के लिए पूर्णतः पात्र हैं. यह आदेश उन याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आया है, जिनमें अभ्यर्थियों ने केवल कोर्स की अवधि के आधार पर अपात्र घोषित किए जाने को चुनौती दी थी. अभ्यर्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता अपराजिता भारद्वाज ने पक्ष रखा. सुनवाई में यह तथ्य सामने आया कि आयोग ने अपने विज्ञापन में केवल एक वर्षीय बीएड का उल्लेख किया था, जबकि राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के मानकों के अनुसार दो वर्षीय कोर्स भी मान्य है. हाईकोर्ट के इस फैसले से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को लाभ मिलने की संभावना है.

राजनीति : राज्यसभा में अगले साल तक रिटायर होंगे 75 सांसद

कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की हो पाएगी वापसी?

शुभम संदेश डेस्क

देश में एक बार फिर सियासी पारा हाई होने वाला है. जहां एक ओर बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारी चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर राज्यसभा में बड़ा फेरबदल होगा. नवंबर से अप्रैल 2026 के बीच कई बड़े नेता राज्यसभा से रिटायर होंगे. इससे 70 से अधिक सीटें खाली हो जाएंगी. राज्यसभा से रिटायर होने वाले नेताओं की लिस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, भाजपा नेता हरदीप पुरी, जेडीयू सांसद हरिवंश, सपा सांसद राम गोपाल यादव, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले, प्रियंका चतुर्वेदी और आरएलडी नेता उपेंद्र कुशवाहा जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं. इन सीटों को भरने के लिए राज्यों में चुनाव. राज्यसभा में कुल 75 सीटें खाली होने वाली हैं, जिन्हें भरने के लिए अलग-अलग राज्यों में चुनाव कराए जाएंगे.

24 जुलाई को रिटायर हो जाएंगे दो सदस्य

2026 में इन नेताओं के रिटायर होने से पहले इन साल मॉनसून सत्र के शुरू होने के तीन दिन बाद ही 24 जुलाई को डीएमके के विल्सन और पीएमके के डॉ. अंबुमणि रामदास समेत छह नेता रिटायर होंगे. इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चार सदस्यों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया था. इससे राज्यसभा की संख्या 236 से बढ़कर 240 हो गई है, लेकिन 24 जुलाई को छह सदस्यों के रिटायर होने के बाद यह संख्या फिर से 235 हो जाएगी.

25 जून 2026 को रिटायर होंगे खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 25 जून 2026 को रिटायर होंगे. एचडी देवेगौड़ा और हरिवंश 9 अप्रैल 2026 को रिटायर होंगे. एनसीपी नेता शरद पवार भी अप्रैल में ही रिटायर होंगे. महाराष्ट्र से सात सदस्य रिटायर होंगे, जिनमें प्रियंका चतुर्वेदी और रामदास अठावले शामिल हैं. जेएमएम के शिबू सोरेन और कांग्रेस के शक्तिसिंह गोहिल भी 2026 में रिटायर होंगे. गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और दिग्विजय सिंह जैसे सांसद भी रिटायर हो रहे हैं. कांग्रेस को इन नेताओं को दोबारा चुनकर लाने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि देश की सबसे पुरानी पार्टी के पास कर्नाटक और हिमाचल के साथ-साथ तेलंगाना में ही सरकार है. ऐसे में कुछ सीटों पर दावेदार ज्यादा होंगे. देखना रोचक होगा कि कांग्रेस क्या कदम उठाएगी.

अशीम हरियाणा व गजपति गोवा के राज्यपाल बने

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी अशोक गजपति राजू को सोमवार को गोवा का राज्यपाल व जम्मू-कश्मीर के पूर्व डिप्टी सीएम कविंदर गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया. इसके अलावा प्रो. अशीम घोष हरियाणा के नए राज्यपाल होंगे. नियुक्तियां उनके कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी. राष्ट्रपति की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लद्दाख के उपराज्यपाल पद से बीडी मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है. इसमें आगे कहा गया कि कविंदर गुप्ता को लद्दाख का एलजी, राजू को गोवा का राज्यपाल और प्रो. अशीम घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल नियुक्त करते हुए राष्ट्रपति को काफी खुशी हो रही है. नई नियुक्तियां पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होंगी.

- कविंदर गुप्ता होंगे लद्दाख के एलजी

आंध्रप्रदेश : आम से लदा ट्रक पलटा, 9 मजदूर मरे

एजेंसियां। अमरावती

आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां आम से लदा ट्रक पलटने से नौ मजदूरों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए. हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से बचाव अभियान चलाया, ताकि दबे हुए मजदूरों को बाहर निकाला जा सके. यह हादसा रविवार देर रात को पुलमपेटा मंडल के रेड्डी चेरुवु कट्टा में हुआ, जो कडप्पा शहर से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित है.

पुलिस के मुताबिक, ट्रक में आमों के ऊपर बैठे हुए मजदूर थे, और जब ट्रक झील के किनारे पलट गया, तो मजदूर आमों के नीचे दब गए. ट्रक में लदा आमों का वजन लगभग 30-40 टन था, जिसके नीचे दबकर ये मजदूर गंभीर रूप से कुचले गए. हादसे में पांच महिलाएं भी शामिल थीं. इस दुर्घटना पर परिवहन मंत्री मंदिपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है. उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया और भविष्य में इस तरह के हादसों को रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही. इसके अलावा, जिले के प्रभारी मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी इस दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया. उन्होंने सरकार से घायलों को सर्वोत्तम इलाज देने और पीड़ित परिवारों को मदद करने का आग्रह किया है.

बिहार वोटरलिस्ट प्रपत्र पर देवघर के ढाबे में बिक रही थी जलेबी, खूब हुआ हंगामा

शुभम संदेश। रांची

निर्वाचन आयोग के द्वारा बिहार में वोटरलिस्ट वेरिफिकेशन कराए जाने को लेकर काफी गहमा गहमी बनी हुई है. इसी बीच एक बड़ा मामला जमुई जिले के सोनो प्रखंड से सामने आई है. जहां एक मतदान केंद्र के कुछ मतदाताओं के गणना प्रपत्र पर देवघर के एक दुकानदार द्वारा ग्राहकों को जलेबी परोसने का एक वीडियो और फोटो जम कर वायरल हो रहा है. घटना के बाद लोगों में परेशानी बनी हुई है कि आखिर मामले का सच क्या है. इस मामले को लेकर जमुई जिला प्रशासन ने जांच करायी है. जहां जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी से जांच कराई. जांच में यह मालूम हुआ कि मतदान केंद्र संख्या 20 में कुल 1181 मतदाता हैं, जिसमें 1134 मतदाताओं के गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा एप्प के माध्यम से अपलोड कर दिए गये हैं. वहीं 2 लोगों ने ऑनलाइन गणना प्रपत्र भरा है. बाकी बचे 45 मतदाताओं में से 33 मतदाता मृत, 10 मतदाता दोहरी मतदाता वाले और 12 मतदाताओं का अस्थायी रूप से स्थानांतरण कर दिया गया हैं. और इन्हें बीएलओ ने पंजीकृत पुस्तिका में मार्क कर दिया है. जिसका विवरण बीएलओ के पास उपलब्ध है. और इसलिए इस खबर को पूरी तरह से निराधार बता दिया गया है.

जांच में पता चला कि झारखंड के देवघर में एक दुकानदार ने चकाई विधानसभा क्षेत्र के मतदाता गणना प्रपत्र को लगभग तीन-चार किलो दस्तावेजों को रद्दी के भाव में खरीदा था. और दुकानदार को यह जानकारी नहीं थी कि यह सरकारी दस्तावेज है इसलिए वह रद्दी समझकर ग्राहकों के लिए जलेबी परोस रहा था. मिली जानकरी के अनुसार चकाई प्रखंड का एक व्यक्ति देवघर स्थित वी-मार्ट के समीप दूकान पर जलेबी खाने गया था. जिस कागज पर जलेबी परोसी गई थी वह चकाई क्षेत्र के बीएलओ को दिया गया मतदाता सूची का दस्तावेज था. पूछताछ में ये बात व्यक्ति को पता चली कि दुकानदार को 2 दिन पहले किसी ने यह फॉर्म लाकर दिया था और वह इसे रद्दी समझ कर उपयोग कर रहा था. लेकिन जैसे ही उसे ये बात पता चली वह उस फॉर्म को छुपाने की कोशिश करने लगा.

अब सवाल ये उठाये जा रहे हैं कि सोनो प्रखंड से इतनी दूर देवघर के जलेबी की दूकान तक ये फॉर्म कैसे पहुंचे. वहीं मामला उस क्षेत्र में फैलने के बाद सोनो प्रखंड के लोग भी अचानक आक्रोशित हो गये. वो भी इस बात को लेकर कि कहीं दस्तावेजों के नाम पर ठगा तो नही जा रहा.

भूमि अधिग्रहण मामले में सीएम से हस्तक्षेप की मांग

रांची। माकपा के राज्य सचिवमंडल ने धनबाद जिले के बलियापुर प्रखंड के आसनबनी में सेल की ओर से कृषि योग्य भूमि का जबरन अधिग्रहण करने की घटना पर चिंता प्रकट की है. पार्टी ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि खेती लायक जमीन से रैयतों और किसानों को जबरन बेदखल करने के लिए तसरा परियोजना की संचालक कुख्यात एजेंसी केटीएमपीएल के लोगों ने पुलिस के संरक्षण में रैयतों पर लाठीचार्ज किया. इसमें कई घायल भी हुए हैं. इस दौरान गुंडों ने खेत में लगे धान के बीज और सब्जी को भी नष्ट कर दिया. ग्रामीण काफी आक्रोशित हैं. माकपा के सचिवमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस मामले में हस्तक्षेप किए जाने का अनुरोध किया है. साथ ही पार्टी ने धनबाद जिला प्रशासन से रैयतों के साथ बातचीत कर इस मामले का सर्वमान्य हल निकालने की मांग की है. माकपा के राज्य सचिवमंडल आउटसोर्सिंग कंपनी केटीएमपीएल के चिन्हित कर ऐसे लोगों पर भी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है.

मंत्री योगेंद्र प्रसाद के भाई के श्राद्ध में पहुंचीं कल्पना सोरेन

शोकाकुल परिवार को बंधाया ढांढस

शुभम संदेश। रांची

गांडेय विधायक और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन सोमवार को मंत्री योगेंद्र प्रसाद के भाई भरत कपूर के श्राद्ध कार्यक्रम के अंतिम दिन शोक संतप्त परिवार से मिलने उनके पैतृक गांव पहुंचीं. उन्होंने पूरे परिवार को ढांढस बंधाया और कहा कि दुख की इस घड़ी में वे पूरी तरह से परिवार के साथ खड़ी हैं. कल्पना सोरेन के साथ-साथ कई अन्य लोग भी उपस्थित थे. सभी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और परिवार को इस मुश्किल समय में संबल देने की कोशिश की. बता दें कि भरत कपूर का हाल ही में हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हो गया था. वे लंबे समय से अस्वस्थ थे. उनके असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी भरत कपूर के निधन पर गहरा शोक जताया था और उन्हें विनम्र व्यक्तित्व का धनी बताया था. इसके साथ ही तमाम नेता मंत्रियों ने कहा था कि भरत कपूर जैसे लोग समाज की पूंजी होते हैं और उनका जाना अपूरणीय क्षति है. कल्पना सोरेन की मौजूदगी से शोकाकुल परिवार को भावनात्मक सहारा मिला.

हेमंत की सरकार में आदिवासियों की स्थिति हुई बदतर : बबलू मुंडा

शुभम संदेश। रांची

केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने सोमवार को कहा कि हेमंत की सरकार में आदिवासियों की स्थिति बदतर हुई है. केंद्रीय सरना समिति के नेतृत्व में सोमवार को आईटीआई बजरा से राजभवन मार्च किया गया और पेसा कानून अधिनियम को अविलंब लागू करने को लेकर राज्यपाल को मांग पत्र सौंपा गया.

सोमवार को केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में विभिन्न आदिवासी, धार्मिक सामाजिक संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आईटीआई बजरा पहुंच कर गुमला से पदयात्रा कर रांची पहुंचने वाले सभी आदिवासी नेताओं का स्वागत किया. इसके बाद केंद्रीय सरना समिति के नेतृत्व आईटीआई बजरा से राजभवन मार्च किया गया और पेसा कानून अधिनियम को अविलंब लागू करने को लेकर राज्यपाल को मांग पत्र सौंपा गया.

इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि पेसा कानून अधिनियम से राज्य के विभिन्न जिलों के पाहन, पईनभोरा, कोटवार, महतो, मानकी मुण्डा, बैगा आदि जैसे लोगों को मिलने वाले अधिकार संरक्षित होंगे. उन्होंने कहा कि पेसा कानून अधिनियम पेसा कानून पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार अधिनियम-1996 भारत में अनुसूचित क्षेत्रों पांचवीं अनुसूची में रहने वाले आदिवासी समुदायों को स्वशासन और उनके प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार देने के लिए बनाया गया है. इस कानून का उद्देश्य ग्राम सभाओं को सशक्त बनाना आदिवासियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करना और जल जंगल जमीन जैसे संसाधनों पर उनके नियंत्रण को सुनिश्चित करना है.

विशेष समुदाय को लाभ पहुंचाने में लगी है सरकार

बबलू ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार आदिवासियों की परंपरागत व्यस्था को नष्ट करने में लगी है. सरकार एक विशेष समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए, आदिवासियों की धर्म संस्कृति रीति रिवाज रुढ़िवादी प्रथा को खत्म करना चाहती है. इसलिए हेमंत सोरेन सरकार झारखंड में पेसा कानून अधिनियम 1996 लागू नहीं कर रही है.

ई-ऑफिस लाइट के क्रियान्वयन व उसकी प्रगति की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

पूरे सिस्टम को सौ फीसदी त्रुटिहीन बनाने का दिया निर्देश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार अपना पूरा काम डिजिटल तरीके से करने की ओर कदम बढ़ा रही है. सरकार का आइटी डिपार्टमेंट इसके एक्शन प्लान पर काम शुरू कर चुका है. इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर राज्य सरकार के तमाम विभागों के प्रमुखों संग मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सोमवार को गहन मंथन किया. उन्होंने आइटी डिपार्टमेंट को ई-ऑफिस सिस्टम को सौ फीसदी त्रुटिहीन बनाने का निर्देश दिया. इस व्यवस्था को जनवरी 2026 के पहले पूर्ण करने को कहा. उन्होंने प्रजेंटेशन के माध्यम से इसे लागू करने का तरीका बताने वाले रेलटेल, एनआइसी और जैपआइटी के तकनीकी विशेषज्ञों को निर्देश दिया कि वे टाइमलाइन बनाकर इसे क्रियान्वित करें. उन्होंने कहा कि सरकारी फाइलें काफी संवेदनशील होती हैं, इसलिए सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि फाइलें साइबर फ्रॉड की शिकार नहीं बनें. तकनीकी व्यवस्था सुगम हो, ताकि अनावश्यक देरी नहीं हो. कार्यालय के बाहर दूसरी जगह से भी ई-ऑफिस के जरिये कार्य करने की सहूलियत हो. उन्होंने निर्देश दिया कि इसके लिए सर्वप्रथम सभी पुरानी फाइलों को स्कैन कर उनका पीडीएफ फाइल अपलोड करें. ऐसा नहीं हो कि फिजिकल फाइल पढ़कर डिजिटल निर्णय लेने की नौबत आए. मुख्य सचिव ई-ऑफिस लाइट के क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को उसकी प्रगति की समीक्षा कर रही थीं.

चार विभागों में ई-ऑफिस शुरू

राज्य सरकार के चार विभाग कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा, वित्त विभाग, आईटी एवं ई-गवर्नेंस विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग में ई-ऑफिस सिस्टम की प्रक्रिया शुरू है. इससे जुड़े लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है. अन्य विभाग भी इस व्यवस्था को लागू करने में आगे आ रहे हैं. इन विभागों के लोगों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है. कई विभागों ने अपने अधिकारियों के ई-ऑफिस सिस्टम पर ईमेल बना दिया है. मुख्य सचिव ने बाकी बचे विभागों को भी ई-ऑफिस सिस्टम पर आने के लिए प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया.

ई-ऑफिस सिस्टम के लाभ

ई-ऑफिस सिस्टम लागू होने के बाद एक क्लिक पर फाइलें सामने होंगी. उनका भौतिक रख-रखाव नहीं करना पड़ेगा. सभी फाइलें एक जगह संरक्षित और सुरक्षित रहेंगी. एक फाइल की कई-कई बार फोटोकॉपी आदि से बचाव होगा. आग, बाढ़, कीड़े, चूहों और फंगस से बचाने की जद्दोजहद से मुक्ति मिलेगी. फाइलों पर निर्णय लेने की गति बढ़ेगी. यह पारदर्शी होगा, इस कारण भ्रष्टाचार की गुंजाइश नहीं होगी. फाइलें रेड टैपिंग से मुक्त होंगी. विभागों की कार्यकुशलता बढ़ेगी. पेपरलेस काम होने से यह पर्यावरण हितैषी भी होगा.

एक नजर

स्वर्गीय विष्णु भैया की पत्नी चमेली देवी ने जाना गुरुजी का हाल, सीएम हेमंत सोरेन से की मुलाकात

रांची। झामुमो की नेत्री और जामताड़ा के पूर्व विधायक स्वर्गीय विष्णु भैया की धर्मपत्नी चमेली देवी ने दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में झामुमो के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन का हालचाल लिया. उल्लेखनीय है कि गुरुजी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ हैं और उनका इलाज दिल्ली में चल रहा है. चमेली देवी ने अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों से गुरुजी के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की. इस अवसर पर उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी हुई. दोनों नेताओं के बीच शिबू सोरेन की तबीयत को लेकर चर्चा हुई. मुख्यमंत्री ने बताया कि चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज बेहतर ढंग से चल रहा है. चमेली देवी ने कहा कि गुरुजी झारखंड की राजनीति के मजबूत स्तंभ हैं. पूरे राज्य की जनता उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना कर रही है. उनका मार्गदर्शन झामुमो परिवार के लिए प्रेरणास्रोत है और उनका स्वस्थ रहना झारखंड के सामाजिक और राजनीतिक जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है.

अब पलामू जिले में चतुर्थ वर्गीय पदों पर लिखित परीक्षा से होगी नियुक्ति : राधाकृष्ण किशोर

रांची। पलामू जिले में चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया अब पूरी तरह से लिखित परीक्षा के आधार पर की जाएगी. इसकी आधिकारिक जानकारी राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी. उन्होंने बताया कि यह निर्णय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर लिया गया है और इसके लिए मुख्य सचिव अलका तिवारी ने उपायुक्त पलामू को आवश्यक निर्देश दे दिए हैं. गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पूर्व में पलामू जिले में हुई चतुर्थ वर्गीय नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया था और छह माह के भीतर नई प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था. इसके बाद उपायुक्त की ओर से प्रकाशित नए विज्ञापन में शैक्षणिक अंकों के आधार पर नियुक्ति का प्रावधान किया गया था. लेकिन अभ्यर्थियों ने इसका विरोध करते हुए लिखित परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति की मांग की थी. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि अभ्यर्थियों की इस मांग को उन्होंने कैबिनेट बैठक में उठाया था. मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पहले अस्थायी रूप से नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाई और फिर 11 जुलाई को हुई कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई.

संगठन सृजन बैठक में प्रखंड पर्यवेक्षकों संग जिलाध्यक्ष ने किया मंथन

बीएलए -2 के लिए मंडल पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता के चयन पर सहमति

शुभम संदेश। रांची/जमशेदपुर

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन सृजन बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के अध्यक्षता में आवश्यक बैठक कांग्रेस कार्यालय तिलक पुस्तकालय बिष्टुपुर में आयोजित की गई. बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं चुनाव आयोग के द्वारा बीएलए-2 के फार्म पर बूथवार कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, प्रखंड पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी एवं सक्रिय कार्यकर्ता का चयन करने पर सहमति बनी है. इस कार्य को युद्ध स्तर पर क्रियान्वयन करने के लिए गुरुवार को 11:30 बजे से तिलक पुस्तकालय बिष्टुपुर में होगी. वहीं दूसरी बैठक धालभूमगढ में शनिवार को 11:30 बजे से होगी. बैठक में उपस्थित प्रखंड पर्यवेक्षकों ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए पंचायत कमेटी के गठन के साथ साथ बूथ कमेटी एवं बीएलए-2 का चयन करने का महत्वपूर्ण सुझाव रखा, जिसे सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष ने स्वीकार किया. जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, पर्यवेक्षकों में साकची प्रखड के राकेश कुमार तिवारी, पटमदा के खगेनतंद्र महतो, मानगो के ब्रजेंद्र कुमार तिवारी, जमशेदपुर ग्रामीण के अखिलेश सिंह यादव, चाकुलिया प्रखंड के केके. शुक्ल, घाटशिला प्रखंड के प्रिंस सिंह, डुमरिया प्रखंड के गुलाम सरवर, पोटका के विजय यादव मुख्य रूप से शामिल हुए. बैठक का संचालन एवं प्रबंधन उपाध्यक्ष संजय सिंह आजाद ने किया.

महिला सुरक्षा को लेकर सख्त हुए डीजीपी अनुराग गुप्ता

ईमेल पर सीधे शिकायत की सुविधा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर झारखंड पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. डायल 112, डायल 100 पर किसी भी तरह की शिकायत की जा सकती है. वहीं सभी जिले के एसपी को भी डीजीपी अनुराग गुप्ता ने महिला सुरक्षा को लेकर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है. लेकिन अब उन्होंने अपने ईमेल आईडी पर भी शिकायत किए जाने की जानकारी दी है. डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा है कि बच्चियां, महिलाए उन्हें सीधे तौर पर शिकायत कर सकती है. उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि उनके ईमेल आईडी dgp@jhpolice. gov.in पर शिकायत कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि कोई सरकारी कर्मचारी, टीचर, पंचायत का सेवक या पुलिस कर्मी ही क्यों ना हो, अगर वह किसी बच्ची के साथ बदतमीजी करता है सेक्सुअल हैरेसमेंट करता है तो उसके ऊपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.उन्होंने यह भी कहा कि कभी-कभी महिलाएं इसकी आड़ में अपनी व्यक्तिगत दुश्मनी भी निकालती हैं. इसलिए महिला और बच्चियों की शिकायत सही हो इतना जानना जरूरी है. इसका वेरिफिकेशन होना चाहिए. पुलिस एक बार संतुष्ट हो जाए की शिकायत सही है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 90% मामले सही पाए जाते हैं. लेकिन कुछ मामले में आपसी दुश्मनी को निकालने के लिए गलत तरीके से शिकायत की जाती है. यह नहीं होना चाहिए. डीजीपी ने जमशेदपुर के एक मामले का जिक्र करते हुए उदाहरण भी दिया. उन्होंने बताया कि दो गोतिया की लड़ाई को गलत तरीके से पेश किया गया. व्यक्तिगत दुश्मनी को निकालने के लिए एक पक्ष के द्वारा दूसरे पर छेड़खानी का आरोप लगा दिया गया. ऐसा नहीं होना चाहिए.

एक करोड़ की लेवी मांगने वाला कुख्यात नक्सली योगेंद्र गंझू उर्फ पवन गिरफ्तार

हथियार और नक्सली पर्चा बरामद

शुभम संदेश। रांची

नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सुरक्षाबल के जवानों का लगातार एक्शन सारंडा में जारी है. मानसून के बावजूद सारंडा जंगल से आईईडी बरामद किए जा रहे है. तो वहीं दूसरी ओर रांची पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है. बता दें कि रांची जिले के खलारी और मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में लेवी वसूली की साजिश रच रहे भाकपा (माओवादी) के चार सक्रिय सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. ये सभी माओवादी बक्सी बंगला चट्टी नदी के पास व्यवसायियों और ठेकेदारों से जबरन वसूली के इरादे से एकत्रित हुए थे.

एक लोडेड देसी पिस्तौल बरामद: गिरफ्तार माओवादियों में योगेन्द्र गंझू उर्फ पवन, मुकेश गंझू, मनु गंझू और राजकुमार नायक शामिल हैं. इनके पास से एक लोडेड देसी पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस, नक्सली पर्चे और लेवी वसूली में प्रयुक्त मोबाइल बरामद हुआ है.

योगेंद्र गंझू पर कई थानों में मामला दर्ज

मुख्य आरोपी योगेन्द्र गंझू वर्ष 2006 से माओवादी संगठन से जुड़ा रहा है और कई बार पुलिस मुठभेड़ों में शामिल रह चुका है. वह पहले भी कई बार जेल जा चुका है और हाल ही में 2022 में वो जेल से छूट कर बाहर आया था. उसके खिलाफ लातेहार, बालूमाथ, गारू, पांकी सहित कई थानों में गंभीर मामले दर्ज हैं.

लेवी वसूलने की थी साजिश : पुलिस के अनुसार ये चारों माओवादी ठेकेदारों, ईंट-भट्ठा मालिकों और व्यवसायियों से एक करोड़ रुपये लेवी वसूलने की साजिश रच रहे थे. गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर इन्हें रंगे हाथ पकड़ा गया. पुलिस आगे की जांच कर रही है.

शराब की खुदरा बिक्री व्यवस्था में बदलाव के आने लगे सकारात्मक परिणाम

झारखंड की 600 शराब दुकानों से मिल रहा है 80% एमजीआर

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में शराब की खुदरा बिक्री व्यवस्था में हाल ही में किए गए बदलावों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं. राज्य सरकार द्वारा मैनपावर सप्लाई करने वाली कंपनियों से वापस ली गई शराब दुकानों में से 600 दुकानों से अब 80 प्रतिशत मिनिमम गारंटी रेवेन्यू (एमजीआर) मिल रहा है. यह आंकड़ा राज्य की नई उत्पाद व्यवस्था की सफलता की ओर इशारा करता है.

गौरतलब है कि झारखंड उत्पाद नीति 2022 के तहत राज्य सरकार ने झारखंड बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेबीवीसीएल) के माध्यम से शराब की खुदरा बिक्री का मॉडल अपनाया था. इस दौरान मैनपावर सप्लाई करने वाली निजी कंपनियों की मदद से दुकानों का संचालन किया जा रहा था. लेकिन नीति में आई कई खामियों और शिकायतों के मद्देनजर सरकार ने 2025 की नई उत्पाद नीति के क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाया और इन कंपनियों से खुदरा दुकानों का संचालन वापस ले लिया.

कुल 1453 दुकानों में से 600 दुकानों को पुनः सक्रिय कर कॉरपोरेशन के प्रत्यक्ष संचालन में लाया गया है. इन दुकानों को चलाने के लिए सरकार ने आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं. वर्तमान में इन्हीं निर्देशों के तहत शराब की खुदरा बिक्री की जा रही है, जिससे सरकार को जुलाई महीने के लिए निर्धारित 221.85 करोड़ रुपए के एमजीआर के मुकाबले अब तक 80% राजस्व प्राप्त हो चुका है. यह स्थिति बताती है कि सरकार द्वारा खुदरा बिक्री प्रणाली में किए गए बदलाव सही दिशा में हैं और नई उत्पाद नीति की ओर राज्य धीरे-धीरे स्थिरता और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ रहा है.

सहायक श्रमायुक्त की अध्यक्षता में बस मालिकों और ट्रांसपोर्टरों की बैठक

7 तारीख से पूर्व दें कर्मियों का वेतन : श्रमायुक्त

शुभम संदेश। रांची

सहायक श्रमायुक्त की अध्यक्षता में सोमवार को बस मालिकों और ट्रांसपोर्टरों की बैठक डोरंडा स्थित श्रम भवन में आयोजित की गई. सहायक श्रमायुक्त ने मोटर परिवाहन कर्मकार अधिनियम 1961 के अन्तर्गत स्थापना, प्रतिष्ठान के निबंधन और नवीनीकरण एवं मोटर परिवहन में नियोजित चालक तथा सह चालकों को उक्त अधिनियमों के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी.

बैठक में सहायक श्रमायुक्त ने सभी बस मालिकों और ट्रांसपोर्टरों को निर्देश दिया कि वे अपने अधीन कार्यरत सभी कर्मियों को प्रत्येक माह की सात तारीख तक उनके मजदूरी का भुगतान हर परिस्थिति में करें. ताकि मजदूरों के हित में बनी मजदूरी भुगतान अधिनियम का पालन हो सके. वहीं उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के रिट पर दिये गए निर्देश पर मोटर वाहन अधिनियम साथ ही मोटर परिवहन कर्मचारी अधिनियम के तहत निर्धारित कार्यावधि में सभी बस चालकों, सह चालकों (खलासियों) और अन्य कर्मचारियों के कार्य अवधि को प्रतिदिन अधिकतम आठ घंटे एवं सप्ताहिक 48 घंटे निर्धारित करने की बात कही.

बैंक खाता के माध्यम से दें मजदूरी: इसपर सभी बस चालकों एवं ट्रांसपोर्टरों ने बताया कि उनके यहां नियोजित सभी कर्मियों से आठ घंटे से ज्यादा समय तक कार्य नहीं कराया जाता है. साथ ही कहा गया कि लंबी दूरी के परिवहन के कार्य में एक से ज्यादा कर्मियों को रखा जाता है. ताकि किसी एक व्यक्ति पर कार्य अधिकता का दबाव न हो.

वहीं उपस्थित सभी बस मालिकों और ट्रांसपोर्टरों को अपने सभी कर्मचारियों को बैंक खाता के माध्यम से उनका मजदूरी भुगतान करने निर्देश दिया गया. सहायक श्रमायुक्त ने नाबालिगों को किसी भी तरह के कार्य में अपने यहां नियोजित नहीं करने की हिदायत देते हुए इसके उल्लंघन की स्थिति में संभावित दंड के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

हर हर महादेव और जय श्री राम के उद्घोष से गूंजा धनबाद

राजेंद्र सरोवर पार्क में दिखा भक्ति का अद्भुत नजारा

मुसलाधार बारिश पर भारी पड़ी शिवभक्तों की श्रद्धा

बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर शिव महाआरती

आचार्य रणधीर की टीम ने बनारस घाट की पावन गंगा आरती की तर्ज पर यहां भी आरती की . इस शिव महाआरती ने भक्तों के मन को और अधिक श्रद्धामय व पवित्र बना दिया। दीपों की जगमगाहट, अगरबत्तियों की सुगंध और मंत्रोच्चार के साथ शिव महाआरती का दृश्य ऐसा था मानो धरती पर स्वर्ग उतर आया हो। इस अवसर पर शिव-पार्वती के स्वरूप में प्रस्तुत नृत्य ने सभी के हृदय को आनंद, भक्ति और प्रेम के सागर में डुबो दिया। नृत्य में शिव और शक्ति की लीलामय छवि जीवंत हो उठी, जिसे देखकर हर भक्त का मन भगवान शिव के चरणों में अर्पित हो गया। यह दृश्य इतना मनमोहक और अलौकिक था कि प्रत्येक उपस्थित व्यक्ति स्वयं को भगवान शिव की कृपा का पात्र अनुभव कर रहा था। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भक्तों के बीच एकता, प्रेम और भक्ति का जीवंत संदेश बन गया। ₹हर हर महादेव₹ और ₹जय श्री राम₹ के जयघोषों ने न केवल वातावरण को पवित्र किया, बल्कि समाज में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता का संचार भी किया। यह पावन संध्या प्रत्येक श्रद्धालु के लिए एक ऐसी स्मृति बन गई, जो उनके हृदय में सदा के लिए अंकित हो गई।

जीटा के सदस्यों ने जताया श्रद्धालुओं का आभार

जीटा के अध्यक्ष अमितेश सहाय और महासचिव राजीव शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बारिश के बावजूद आप सभी ने इस आयोजन को भव्य बनाया। यह इस बात का साक्षी है कि अगले वर्ष फिर इसी तरह शिव महाआरती का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में जीटा के सदस्यों के साथ-साथ जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस का विशेष योगदान रहा।

शुभम संदेश। धनबाद

बेकरबांध स्थित राजेंद्र सरोवर पार्क में जीटा की ओर से भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट भक्ति और श्रद्धा से परिपूर्ण एक भव्य शिव महाआरती का आयोजन किया गया, जो शहरवासियों के लिए एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव बन गया. मूसलाधार बारिश के बावजूद भक्तों का उत्साह और भगवान शिव के प्रति प्रेम अडिग रहा. हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर पर एकत्र हुए और पूर्ण तन्मयता, भक्ति व उल्लास के साथ इस अलौकिक आयोजन में सहभागी बने. यह दृश्य ऐसा था मानो स्वयं त्रिलोकीनाथ भोलेनाथ अपने भक्तों के बीच साक्षात् विराजमान होकर उनकी भक्ति को स्वीकार कर रहे हों.

कार्यक्रम की शुरुआत मोहित अग्रवाल की गणेश वंदना से हुई। इसके बाद बजरंगबली की आराधना में ₹कहते हैं जिसे राम का दीवाना, छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना...₹ ने भक्तों को खूब झुमाया। सिमरन कौर ने ₹ॐ नमः शिवाय₹ और ₹हाथी न घोड़ा न कोनो सवारी, पैदल ही आई बी तोहर दुआरी...₹ गाकर माहौल को भक्तिमय बनाया। राजू सिंह अनुरागी ने अपने भजनों ₹हर हर महादेव₹, ₹जय श्री राम₹, ₹बम बम बोल रहा है काशी₹ और ₹हर घर में बस एक नाम गूंजेगा, भारत का बच्चा बच्चा जय श्री राम बोलेगा...₹ से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। भक्त दोनों हाथ ऊपर उठाकर पूरी श्रद्धा के साथ नाचते रहे। इन भजनों ने भक्तों के हृदय में भक्ति की ऐसी ज्योति प्रज्वलित की कि बारिश की फुहारें भी उनके उत्साह को कम न कर सकीं, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य ने आयोजन को और रमणीय बना दिया.वातावरण भक्ति के रंग में पूरी तरह सराबोर था। पूरा धनबाद शहर ₹हर हर महादेव₹ और ₹जय श्री राम₹ के गगनभेदी उद्घोषों से गुंजायमान हो उठा। ये नारे केवल शब्द नहीं थे, बल्कि भक्तों के हृदय से निकला वह पवित्र नाद था, जो शिव की महिमा का गुणगान कर रहा था। यह आयोजन न केवल एक धार्मिक समारोह था, बल्कि एक आध्यात्मिक उत्सव था, जिसने हर भक्त के मन को भगवान शिव और माता पार्वती के चरणों में समर्पित कर दिया।

ब्रीफ खबरें

वज्रपात से दो महिलाओं की मौत, तीन घायल

बोकारो। पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के गोपालपुर गाँव में सोमवार शाम करीब 4 बजे धान की रोपाई कर रही पाँच महिलाओं पर वज्रपात हुआ, जिससे दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं. जानकारी के अनुसार, गाँव के ही चिनिवास मंडल के खेत में मीरा देवी (35), पार्वती देवी (55), मोहिनी कुमारी (18), काजल देवी (40) और नियती देवी (35) धान की रोपनी का काम कर रही थीं. इसी दौरान वज्रपात हुआ, जिसमें मीरा देवी और पार्वती देवी की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई. वहीं, मोहिनी कुमारी, काजल देवी और नियती देवी बुरी तरह घायल हो गईं. घायल महिलाओं को 108 एम्बुलेंस की मदद से बोकारो सदर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है. सीओ दिवाकर दुबे और आपदा पदाधिकारी शक्ति कुमार ने इस घटना की जानकारी दी.

झारखंड सहित देश में 200 जगहों पर आयकर का छापा

रांची। आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने फर्जी तरीके से आयकर रिफंड लेने के मामले में देश भर में 200 स्थानों पर छापा मारा. दिल्ली स्थित मुख्यालय द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में रांची स्थित आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा में चतरा जिले के बचरा कोलियरी के पास रिटर्न दाखिल करने वाले एक व्यक्ति के ठिकाने पर छापा मारा. आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले इस व्यक्ति ने सीसीएल के कर्मचारियों का रिटर्न दाखिल किया था. छापामारी के दौरान मिले दस्तावेज से इस बात की जानकारी मिली है कि इस व्यक्ति ने 2000 से ज्यादा आयकर रिटर्न दाखिल किये थे.

वनभूमि मामले में पुनीत अग्रवाल गिरफ्तार

बोकारो। तेतुलिया वनभूमि फर्जीवाड़ा मामले में सीआईडी ने बहुचर्चित राजवीर कंस्ट्रक्शन के मालिक पुनीत अग्रवाल को गिरफ्तार किया है. राजवीर कंस्ट्रक्शन कंपनी ने तेतुलिया मौजा की इस वनभूमि के लिए उमायुष कंपनी को जमीन के बदले तीन करोड़ चालीस लाख रुपये का भुगतान किया था.

सांसद ढुल्लू महतो मामले में अनुसंधानक का बयान दर्ज

धनबाद। रंगदारी के लिए बीसीसीएल की रेल लाइन बिछाने के काम को बाधित करने मामले की सुनवाई सोमवार को एमपी एमएलए न्यायालय के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अर्पिता नारायण की अदालत में हुई. इस दौरान अभियोजन की ओर से सहायक लोक अभियोजक प्रखर श्रीवास्तव ने मामले के अनुसंधानकर्ता नंदू पाल को बतौर गवाह पेश किया. जिन्होंने कोर्ट को दिए अपने बयान में अनुसंधान के दौरान एकत्रित किए गए साक्ष्य के विषय में बताया.

महान मैराथन धावक फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। मशहूर और प्रेरणादायक मैराथन धावक सरदार फौजा सिंह का आज निधन हो गया। वे 114 वर्ष के थे। बताया जा रहा है कि उन्हें एक वाहन ने टक्कर मार दी, जिसके बाद उन्हें तुरंत जालंधर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। फौजा सिंह को दुनियाभर में उनकी बेमिसाल फिटनेस, दृढ़ संकल्प और उम्र को मात देने वाले जज़्बे के लिए जाना जाता था। वे न सिर्फ भारत में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक प्रेरणा के स्रोत थे।

एक्सक्लूसिव बिराजपुर पंचायत में मनरेगा घोटाला का मामला

डीसी के निर्देश पर डीडीसी ने गठित की 5 सदस्यीय जांच टीम

अमित सिन्हा

धनबाद जिले के गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत बिराजपुर पंचायत में मनरेगा योजनाओं में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की जांच के लिए उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है. यह कार्रवाई झारखंड सरकार के अपर सचिव अरुण कुमार सिंह के पत्र के बाद की गई, जिसमें उन्होंने फर्जी निकासी, मृत व्यक्तियों के नाम पर भुगतान और घूसखोरी जैसे मामलों की विधि-सम्मत जांच का आदेश दिया था. इन मामलों को शुभम संदेश अखबार ने लगातार और प्रमुखता से पाठकों के समक्ष रखा है.

जांच टीम के सदस्य : अध्यक्ष राजेश कुमार अनुमंडल पदाधिकारी साथ में लोकपाल भूपेंद्र श्रीवास्तव, कार्यपालक अभियंता एनआरईपी, एई एवं कनीय अभियंता मनोज मंडल शामिल है.

यह हैं तीन प्रमुख घोटाले

1. छालाटांढ़ में बिरसा सिंचाई कूप घोटाला

बिराजपुर पंचायत के छालाटांढ़ गांव में रोजगार सेवक विश्वजीत चौधरी पर पुराने 19 फुट के कूप को बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना (वर्क कोड : बीएसकेएसवाई-3421003011/ आईएफ/7080902680141) के तहत स्वीकृत कर 1,22,400 रुपये की फर्जी निकासी का आरोप है. ग्रामीणों का दावा है कि यह कूप ईंट बनाने के लिए खोदा गया था, और इसके पास ही 37 फीट की दूरी पर 2015-16 में स्वीकृत एक अन्य कूप (वर्क कोड : 34021003011/ आईएफ/70809001032336) पहले से मौजूद है. शिकायतकर्ता जानकी प्रसाद साव ने 30 नवंबर 2023 को उपायुक्त, मनरेगा आयुक्त, और अन्य अधिकारियों को इसकी शिकायत की थी.

2. मृत व्यक्ति के नाम पर मजदूरी भुगतान

वित्तीय वर्ष 2022-23 में बिराजपुर गांव में स्वीकृत डोभा निर्माण योजना (वर्क कोड : 3421003011/ आईएफ/7080902553743) में स्व. बिनोद कुमार साय (जॉब कार्ड नं : 011-012/50), जिनकी मृत्यु 7 अप्रैल 2023 को हो चुकी थी, को मास्टर रोल में 6 जून 2023 से 27 जून 2023 तक 18 दिनों तक कार्यरत दिखाकर मजदूरी की राशि का गबन किया गया. मृत्यु प्रमाण पत्र और भुगतान विवरण के साथ इस मामले की शिकायत जानकी प्रसाद साव ने की थी.

3. बकरी शेड योजना में घूसखोरी का आरोप

बिराजपुर पंचायत में मनरेगा बकरी शेड योजना (वर्क ऑर्डर नंबर : 3421003011/ आईएफ /7080902022449) में रोजगार सेवक नरेश रवि पर बकाया राशि के भुगतान के लिए 7,000 रुपये की कमीशन मांगने का गंभीर आरोप है. शिकायतकर्ता जानकी प्रसाद साव ने दावा किया कि नरेश रवि ने दबंग रवैया अपनाते हुए शिकायत करने वालों को हरिजन एक्ट में फंसाने की धमकी दी. इसके अलावा, पंचायत में 40 पशु शेडों की अनियमित स्वीकृति की गई, जबकि मनरेगा आयुक्त, झारखंड के पत्र (पत्रांक 154, दिनांक 03.02.2021) के अनुसार प्रति पंचायत अधिकतम 5 पशु शेड स्वीकृत करने का निर्देश था.

अपर सचिव के निर्देश के बाद जिला प्रशासन की कार्रवाई

अपर सचिव अरुण कुमार सिंह ने उपायुक्त-सह-जिला कार्यक्रम समन्वयक और उप विकास आयुक्त-सह-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, धनबाद को पत्र लिखकर इन मामलों की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया था. इसके जवाब में डीडीसी सादात अनवर ने पांच सदस्यीय जांच टीम गठित की है, जो इन तीनों मामलों की विस्तृत जांच करेगी. जांच टीम को सभी साक्ष्यों की पड़ताल कर समयबद्ध तरीके से प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश दिया गया है. अपर सचिव ने विशेष रूप से नरेश रवि के स्थानांतरण पर विचार करने और शिकायतकर्ता की बकाया राशि के भुगतान को सुनिश्चित करने का आदेश दिया है.

बैंक मोड़ शांति भवन की छह बिल्डिंग जांच के घेरे में

शुभम संदेश। धनबाद

- निगम ने सोसाइटी के सचिव को थमाया नोटिस,स्वीकृत नक्शे के अनुसार नहीं बनी हैं ये इमारतें
- नर्मदा, गोदावरी, सरस्वती, यमुना, कृष्णा और कावेरी बिल्डिंग के निर्माण पर उठे सवाल

शहर के पॉश इलाकों में शामिल बैंक मोड़ स्थित शांति भवन की छह बिल्डिंग अब जांच के घेरे में है. नगर निगम की जांच में खुलासा हुआ है कि ये भवन स्वीकृत नक्शा के अनुरूप नहीं बनाया गया है. इस मामले में शांति भवन सोसाइटी के सचिव मुकेश कुमार को निगम ने नोटिस जारी किया है. निगम ने सचिव को निर्देश दिया है कि 25 जुलाई तक स्वीकृत नक्शे की छायाप्रति के साथ अपना पक्ष रखें, तय समय सीमा में जवाब नहीं देने पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 और झारखंड बिल्डिंग बायलॉज के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी. नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने बताया कि जांच में पाया गया कि शांति भवन सोसायटी के बीडी नंबर पर जमाडा द्वारा नर्मदा, गोदावरी, सरस्वती, यमुना, कृष्णा और कावेरी नामक छह ब्लॉकों का नक्शा स्वीकृत किया गया था. लेकिन स्थल निरीक्षण में इनमें निर्माण कार्य स्वीकृत नक्शे से अधिक पाया गया है.

राहुल की गर्लफ्रेंड से बात करने में गई देवज्योति की जान

शुभम संदेश। कुल्टी

- देवज्योति हत्याकांड का मुख्य आरोपी राहुल माझी गिरफ्तार, हत्या की बात कबूल ली

कुल्टी थाना अंतर्गत नियामतपुर फाड़ी क्षेत्र में देवज्योति सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपी राहुल माझी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. कुल्टी थाना में प्रेस वार्ता कर आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी (वेस्ट) संदीप कर्मा ने मामले का खुलासा किया. बताया कि 4 जून को नियामतपुर फाड़ी अंतर्गत बोका बाबा मंदिर मार्ग से नेशनल हाईवे-19 की ओर जाने वाली सड़क पर निंघा निवासी देवज्योति सिंह की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी. उसी रात पुलिस को सड़क किनारे देवज्योति का शव और उसकी मोटरसाइकिल बरामद हुई थी. हत्या के पीछे राहुल की महिला मित्र के साथ रिश्तों को लेकर उपजे विवाद को मुख्य कारण माना जा रहा है. देव और उक्त महिला मित्र एक ही कंपनी में कार्यरत थे और राहुल को यह बात नागवार लगती थी.

(शेष पेज-11 पर)

बेईमान पौधे को बरगद किया, अब उसकी छांव मयस्सर नहीं

पिता हैं तो सब कुछ है, मेले का हर सामान अपना है, दुनिया की हर चीज अपनी है. बस एक इच्छा जाहिर की तो पिता अपनी औलाद की उस इच्छा को पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक देता है. एक छोटे से पौधे को खून-पसीने से सींचकर बरगद का रूप देता है लेकिन जब उसी बरगद से छांव पाने की बारी आती है तो फिर कुछ ऐसे भी पिता हैं जिन्हें ये नसीब नहीं होती. आज हम अपने बीच ऐसे ही दो पिता के दर्द को इस उम्मीद से रखेंगे कि जिस मजबूत कलाई ने आपके जीवन को आकार दिया, उसकी अंगुलियां जब कमजोर हो जाएं तो उन्हें आपकी मजबूत हथेलियों का साथ मिले और उन्हें अंतिम सांस तक थामे रखें.

बेटे ने छीना घर, बारिश में भीग रहा बाप

झरिया (शुभम संदेश)। झरिया के मानबाद इलाके से इंसानियत को झकझोर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. कभी अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए पसीना बहाने वाले मोहन धीवर (60 वर्षीय) की जिंदगी अब सिर्फ़ ठोकरों और आँसुओं का नाम रह गई है. दो-दो बेटों के होते हुए भी सिर पर छत और थाली में दो वक्त की रोटी के लिए मोहताज हो गए हैं. मानसून की बेरहम बारिश हो या चिलचिलाती धूप, यह बूढ़ा बाप झरिया की सड़कों पर कभी किसी पेड़ के नीचे, तो कभी किसी बंद दुकान के सामने निगाहें झुकाकर रातें गुजारता है.

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी का देहांत 22 साल पहले हो गया था. उन्होंने अकेले ही अपने दोनों बेटों को पाला, पढ़ाया-लिखाया और इस लायक बनाया कि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें. लेकिन जब जीवन की संध्या बेला आई, तो उसी बेटे ने धोखे से घर अपने नाम करवा लिया और पिता को बेदखल कर दिया. घर के आंगन में मेरे लिए एक कोना भी नहीं बचा.

इस मार्मिक स्थिति को देखकर समाजसेवी सुनील तुलस्यान और मधुसूदन अग्रवाल ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ़ एक पिता के बेघर होने का नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती संवेदनहीनता का भी है. प्रशासन से मोहन धीवर को आवास, भोजन और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की अपील की है.

बेटों ने घर से निकाला तो पुल से उफनती दामोदर नदी में कूदा पिता

बेरमो (शुभम संदेश)। बोकारो जिला में बेरमो के जारंगडीह से खेतको को जोड़ने वाले उच्च स्तरीय पुल से एक बुजुर्ग खेतको निवासी 70 वर्षीय जीतन साव ने रविवार रात करीब आठ बजे उफनती दामोदर नदी में छलांग लगा दी। पानी का बहाव तेज होने के कारण उसे खोजा नहीं जा सका। लगातार तेज बारिश के कारण पानी का बहाव फिलहाल काफी तेज है। घटना की सूचना मिलते ही बोकारो थर्मल इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव व कथारा ओपी प्रभारी राजेश कुमार प्रजापति खेतको पुल पहुंचे और लोगों से जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि जीतन साव ने घरेलू विवाद के चलते ऐसा कदम उठाया। उनके घर के आस पास रहने वाले लोगों ने बताया कि जीतन साव के तीन पुत्र हैं। तीनों बारी-बारी से उन्हें खाना खिलाते थे।

कमरे में लगा दिया ताला

रविवार को भी घर में एक पुत्र के पास खाना खाने के बाद दूसरे पुत्र के यहां सोने गया तो उसे सोने देने से मना कर दिया गया और कमरे में ताला लगा दिया गया। जिसके बाद वृद्ध आक्रोशित होकर घर से निकल गया और पुल की ओर चला गया। यहां कुछ देर सोचने के बाद ऊपर से दामोदर नदी में छलांग लगा दी। देर रात तक स्वजनों के साथ आस पास के लोग उसे ढूंढने का प्रयास करते रहे।

सावन की पहली सोमवारी पर बाबा भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा कोयलांचल

हाथी न घोड़ा न कोनो सवारी, पैदल ही आईब तोहर दुआरी...

आपणो घर सेवा समिति के सावन महोत्सव में बही भक्ति की बयार

शुभम संदेश। धनबाद

हाथी ना घोड़ा, ना कौनो सवारी, पैदल ही अयबो हो बाबा तोरे द्वारी, ओ भोलेनाथ, ओ भोलेनाथ, महाकाल की गुलामी मेरे काम आ रही है, सारे गांव का दूध मंगा कर बाबा भोले को नहलाओ, बाबा भोले को नहलाओ, बोल बम का नारा है, बाबा एक सहारा है, आदि भजनों से सोमवार को गोविंदपुर खुदिया नदी से लेकर आपणो घर मंदिर तक का माहौल भक्तिमय हो गया. मौका था आपणो घर सेवा समिति द्वारा आयोजित सावन महोत्सव का.पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु खुदिया नदी पहुंचे और जल उठाकर बाबा को अर्पण किया. इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं. रास्ते पर श्रद्धालु नाचते, गाते और झूमते रहे. बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाने के बाद सामूहिक प्रसाद वितरण हुआ. इसमें पूरे कॉलोनी के लोगों ने प्रसाद पाया. इस अवसर पर आपणो घर के निदेशक प्रदीप देवरालिया, साधना देवरालिया, विकास अग्रवाल, नरेश प्रसाद, नंदकिशोर अग्रवाल , अनूप डालमिया, किशोर शाह, राजेश अग्रवाल, बबलू केजरीवाल, बुलबुल केजरीवाल, अनिल भगत, संजय जालूका, मोहित बंसल, प्रदीप पोद्दार, सुरेंद्र कनोडिया, सुनील केजरीवाल, संजय केडिया, संजय शेखर, धीरज देवरालिया, रतन अग्रवाल, राम अवतार बंसल, मोतीलाल बंसल, देवेंद्र पिलानिया, विनोद शर्मा आदि मौजूद थे. आपणो घर में इस वर्ष पूरे सावन माह बाबा भोलेनाथ की सेवा, पूजा अर्चना, कांवर यात्रा, कीर्तन आदि कार्यक्रम होंगे। आपणो घर सेवा समिति ने इस वर्ष सावन भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है. आपणो घर में 20 जुलाई को सुबह 8:00 बजे बाल कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी. मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर शाखा ने कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को चाय जलपान आदि कराया. पावन अवसर पर जल सेवा का आयोजन किया गया. इस सेवा के तहत 250 से अधिक कांवड़ यात्रियों को जलपान कराया गया. मौके पर शाखा अध्यक्ष शैलेश बंसल, सचिव आशीष मित्तल, प्रांतीय उपाध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष बजरंग अग्रवाल, विवेक लोधा, पवन अग्रवाल आदि मौजूद थे.

गोमो रेल नगरी में गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा

हर हर महादेव के जयकारों से गूंजी रेल नगरी

गोमो। सावन के पहला सोमवारी के अवसर पर खेसमी ग्राम पंचायत के ग्रामीणों द्वारा रतनपुर पहाड़ी मंदिर प्रांगण से गाजे-बाजे के साथ भव्य जल शोभा यात्रा निकाली गई. जिसकी अगुवाई जिला परिषद सद्स्य बिजली देवी, भाजपा नेता हीरामन नायक कर रहे थे. जल शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला पुरुष व बच्चे शामिल थे. हर हर महादेव, और बोल बम का जयघोष करते हुए खेसमी,लोको बाजार, स्टेशन चौक,पुरानी बाजार का भ्रमण करते हुए नाचते-गाते हुए शिवभक्त जीतपुर जमुनिया नदी घाट पहुंचे. कलश में जल भरण कर विभिन्न शिवालियों का जलाभिषेक कर भगवान शिव को समर्पित किए.

गोमो-तोपचांची के शिवालयों में भक्तों ने किया जलाभिषेक

गोमो। सावन की पहली सोमवारी को रेल नगरी गोमो के सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. भगवान शिव को धूप-दीप कर जल अर्पण किया गया. प्रातः काल से ही भक्तजन आरपीएफ शिव मंदिर, जीतपुर लोको बाजार, लोको कॉलोनी, रतनपुर पहाड़ी शिव मंदिर, गुनधुसा,खरियो, हरिहरपुर, कोरकोटटा, तोपचांची स्थित शिव मंदिरों में भक्तों ने जलाभिषेक कर भगवान शिव से सुख समृद्धि की कामना की.

शिवालयों में महिला, पुरुष व बच्चों की उमड़ी भारी भीड़

चासनाला। सावन माह के पहली सोमवारी को लेकर क्षेत्र के सुदामडीह, चासनाला के के गेट बाबा प्रेमनाथ शिव मंदिर, मोहनबाजार, नुनुडीह, लोकोबाजार आदि शिवालयों में महिला,पुरुष व बच्चों की काफी भीड़ उमड़ी रही. सैकड़ों की संख्या में शिव भक्तों ने जलाभिषेक करते देखे गए.भक्त अपने मनोकामना की अर्जी बाबा से तो कही नंदी बाबा से लगा रहे थे. हर हर महादेव के नारे से मंदिर गूंज रहे थे. क्षेत्र में चारों ओर भक्तिमय माहौल रहा. वहीं बाबा प्रेम नाथ चासनाला मंदिर के पुजारी शंभू नाथ तिवारी व उनके सहयोगी लालू मिश्र के मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना कराने में जुटे हुए थे. मंदिर पुजारी शंभूनाथ ने बताया कि संध्या बाबा भोले का भव्य श्रृंगार के साथ संध्या आरती के पश्चात् भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण ग्रहण किया.

ब्रीफ खबरें

शराब के साथ पकड़ा गया बाइक सवार

निरसा बाजार। कालूबथान ओपी प्रभारी नितेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में रात्रि गश्ती के दौरान भरी मात्रा में शराब पकड़ा गया. पुलिस ने जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार की सघन जांच की. जांच के क्रम में पता चला कि वह भारी मात्रा में शराब लेकर जा रहा था. पुलिस ने पकड़े गए व्यक्ति का नाम किस्टो साधु बताया जा रहा है. पुलिस शराब के साथ उसे कालूबथान ओपी लाकर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है. अभियान में रामइक़बाल पासवान एएसआई और उसके सहयोगी सक्रिय थे.

होटल संचालक से मारपीट मामले में प्राथमिकी दर्ज

महुदा। महुदा मोड़ स्थित हिंद होटल के संचालक से हुई मारपीट मामले में महुदा पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है. होटल संचालक कामेश्वर सिंह की शिकायत पर अभियुक्त विकास कुमार दास एवं अन्य पर काण्ड सं. 102/2025 धारा 126 (2), 115 (2), 118 (2), 109 (1), 303 (2), 308 (4), 3/5 पर मामला दर्ज किया है. आरोप है कि शनिवार की रात 9 बजे हिंद होटल महुदा मोड़ में विकास कुमार दास द्वारा होटल संचालक द्वारा रंगदारी नहीं देने पर मारपीट कर घायल कर दिया था.

दामोदा में अवैध खनन स्थल की भराई

महुदा/दुगदा । बीसीसीएल के दामोदा कोलियरी के नॉर्थ दामोदा में कोलियरी प्रबंधन द्वारा अवैध उत्खनन स्थलों की भरायी जेसीबी से करायी गयी. दामोदा कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी पीएसके सिन्हा के निर्देश पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की मौजूदगी में दामोदा कोलियरी के सुरक्षा पदाधिकारी कुणाल कुमार और मटुकधारी गोराई के नेतृत्व में कोयला चोरों द्वारा बनाये गए सुरंग में जेसीबी से पत्थर और मिट्टी डाल कर भराई की गई. साथ ही बरोरा एरिया सिविल इंजीनियर अमित कुमार द्वारा सर्वे कर इन गढ़ो को कंक्रीट कर पूरी तरह से बंद करने की तैयारी शुरू कर दिया गया है. जिससे भविष्य में किसी प्रकार का कोयले का अवैध उत्खनन को रोका जा सके.

ब्राह्मण छात्रों को शिक्षा में करेंगे सहयोग : श्याम पांडेय

गोमो। तोपचांची प्रखंड स्थित सीधाबाद में सोमवार को आर्ष परिषद कतरास के द्वारा कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज का सम्मान समारोह का आयोजित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी टुंडी विशाल पाण्डे और 99 बिल्डर ग्रुप का चेयरमैन श्याम पाण्डे उपस्थित थे. समारोह में बडी संख्या में समाज के लोग उपस्थित हुए. कई प्रबुद्ध लोगों को माला पहनाकर और अंग वस्त्र दे भेंट किया गया.

बिराजपुर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में ग्रामीणों का हंगामा

स्कूल के आचार्य के खिलाफ लगाया आरोप कहा, खुद हैं ठीकेदार

खास बातें

- जो काम उन्हें नहीं मिला उन निर्माण कार्यों में मांगते हैं कमीशन
- हंगामे की खबर पाकर पहुंची पुलिस, सुरक्षित कमरे से निकाला बाहर

शुभम संदेश। बरवाअड्डा

बरवाअड्डा थाना अंतर्गत के बिराजपुर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मधुगोड़ा-बिराजपुर के मुख्य गेट के बाहर मनरेगा मजदूरों व लाभुक ग्रामीणों ने स्कूल के आचार्य (शिक्षक) जानकी प्रसाद साव उर्फ रघु के खिलाफ इकट्ठा होकर जमकर हंगामा किया. ग्रामीण और मजदूरों का आरोप है कि जानकी प्रसाद साव उर्फ रघु ठेकेदारी भी करते हैं और जो योजनाएं उन्हें मिलती हैं, उन योजनाओं में जानकी प्रसाद व्यवधान पैदा करते हैं. उन योजनाओं में 5% की कमीशन मांगते हैं, कमीशन नहीं मिलने पर योजनाओं के कार्य पर लिखा पढ़ी कर व्यवधान पैदा कर देते हैं. जिस मजदूरों को मजदूरी मिलने में परेशानी हो जाती है. इससे नाराज मनरेगा मजदूर और लाभुक सोमवार को काफी उम्र होकर जानकी प्रसाद को खोज रहे थे. ग्रामीण शिक्षक का घर घेराव करने जा रहे थे. शिक्षक रघु स्कूल में होने की जानकारी मिलने पर सभी लाठी, डंडे से लैस होकर स्कूल के गेट पर पहुंच गये और स्कूल प्रबंधन से शिक्षक को उनके हवाले करने की मांग करने लगे. मजदूरों के उग्र तेवर को देखते हुए स्कूलों के शिक्षकों ने जानकी प्रसाद साव उर्फ रघु को सुरक्षा की दृष्टिकोण से एक कमरे में बंद कर दिया. स्कूल प्रबंधन की ओर से मकरु महतो ने मजदूरों व लाभुक ग्रामीणों से वार्ता की पर मजदूर बात मानने को तैयार नहीं थे. इस संबंध में बिराजपुर पंचायत के लाभुक ग्रामीण व मजदूरों का कहना है कि हमलोग मनरेगा योजना में काम करते हैं. विगत चार सप्ताह से मजदूरी नहीं मिली है. शिक्षक जानकी प्रसाद साव उर्फ रघु मनरेगा से जुडे.लाभुकों से हर योजना में पांच प्रतिशत कमीशन की मांग करते हैं. अपने एवं अपने परिजनों के नाम कई योजनाओं को पास करा लिया है. इधर योजनाओं में बिना काम किये मुखिया व रोजगार सेवक पर रुपये निकासी करने का दबाव बनाते हैं. फिर मुखिया व रोजगार सेवक द्वारा गलत काम करने से इनकार करने पर रघु महतो पंचायत में योजना का मोबाइल से फोटो लेकर बडे. अधिकारियों के पास भेजकर लिखा पढ़ी करते हैं. रघु हमेशा सभी मजदूरों व लाभुकों को परेशान करते रहते हैं. उनके क्रिया कलाप से सब परेशान हैं. घटना की सूचना बरवाअड्डा पुलिस को मिलने पर बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंच कर शिक्षक जान की प्रसाद को सुरक्षित कमरे से निकाल कर थाना ले आए. वहीं इस संबंध में शिक्षक रघु महतो का कहना है कि बिराजपुर में मनरेगा योजनाओं में हो गड़बड़ी की शिकायत करने से बिचौलिए व प्रखंड के कर्मी व पदाधिकारी मुझसे नाराज हैं. प्रखंड कर्मियों के इशारे पर राहुल चौधरी, सुशील हेंब्रम व अन्य ठेकेदार,बिचौलियों ने मजदूरों को हमारे खिलाफ भड़काया और हमला कराया है. इस संबंध में दोनों पक्षों की ओर से लिखित शिकायत दर्ज करायी गयी है. इस संबंध थाना प्रभारी रजनीकांत ने कहा कि दोनों पक्षों की शिकायत मिली है. मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जायेगी.

हिलटॉप आंदोलन में आजसू के शामिल होने का झूठा प्रचार : गयाली

- कुछ रैयतों से समर्थन के नाम पर जबरन करा लिए गए हैं हस्ताक्षर

शुभम संदेश। धनबाद

खरखरी हिलटॉप प्रकरण एक बार फिर चर्चे में है. एक तरफ ग्रामीणों के साथ गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी खड़े हैं तो दूसरी तरफ धनबाद सांसद ढुल्लू महतो भी. हिलटॉप को लेकर पूर्व में भी बड़ी वारदात हो चुकी है. एक बार फिर यहां के ग्रामीण आंदोलन की तैयारियों में हैं. हालांकि 15 जुलाई को होने वाले आंदोलन से आजसू ने खुद को पूरी से अलग बताया है. आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष राकेश गयाली ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि हिलटॉप कंपनी से नियोजन, पानी, बिजली एवं सड़क जैसी मांगों को लेकर कुछ ग्रामीणों द्वारा दिनांक 15 जुलाई 2025 (मंगलवार) को गोविंदपुर एरिया-3 में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने वाले हैं, इस आंदोलन में आजसू शामिल नहीं है और न ही सांसद चंद्र प्रकाश मौजूद रहेंगे. यह झूठा प्रचार किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि सिर्फ इतना ही नहीं, कुछ रैयतों से जबरन कार्यक्रम में समर्थन देने के नाम पर हस्ताक्षर भी करवा लिए गए हैं, जबकि संबंधित रैयत एवं स्थानीय ग्रामीण उक्त कार्यक्रम में भाग नहीं लेंगे.गयाली ने मीडिया के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया कि आजसू पार्टी का कोई भी पदाधिकारी अथवा कार्यकर्ता इस अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन में भाग नहीं लेगा. यदि उक्त कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना या विवाद उत्पन्न होता है, तो उसकी समस्त जिम्मेदारी कार्यक्रम के आयोजकों एवं प्रतिभागियों की होगी, ना कि आजसू पार्टी की.

मिथिलेश सिंह को श्रद्धांजलि

तेतुलमारी (शुभम संदेश)। भारतीय कोयला खनन श्रमिक यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष कामरेड मिथिलेश सिंह के निधन पर सोमवार को बीसीसीएल कतरास क्षेत्र के एकेडब्ल्यूईएमसी चार नंबर हाजिरी घर के समीप श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. दिवंगत नेता की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए. बीसीकेयू के क्षेत्रीय सचिव सुनील महतो ने कहा कि स्व. मिथिलेश सिंह यूनियन के स्तंभ थे और उनके निधन से यूनियन को अपूरणीय क्षति हुई है.

जागृत मंदिर चीरागोड़ा में रुद्रचंडी महायज्ञ आयोजित

- महारुद्राभिषेक और सुंदरकांड पाठ में उमड़े श्रद्धालु

शुभम संदेश। धनबाद

चीरागोड़ा स्थित जागृत मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव एवं रुद्र चंडी महायज्ञ के दूसरे दिन सावन मास की प्रथम सोमवारी को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला. इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में महारुद्राभिषेक एवं सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन हुआ. प्रातः यज्ञाचार्य सुबोध पांडे के नेतृत्व में आचार्य सुनील पांडे, अखिलेश पांडे, ऋषभ कुमार पांडे, सुमन पांडे समेत अन्य ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ मंडप में पूजन की शुरुआत की गई. सर्वप्रथम सर्वआवाहित देवताओं का वैदिक रीति से आह्वान कर पूजन संपन्न कराया गया. मंदिर में जगत जननी जगदंबा, भगवान शंकर, राम दरबार, राधा-कृष्ण, बजरंगबली, शिवलिंग एवं शीतला माता की प्रतिमाओं का भी विधिवत पूजन किया गया. दोपहर 1 बजे से आरंभ हुआ महारुद्राभिषेक संध्या 5 बजे तक चला. संध्या 6 बजे से 101 महिलाओं ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया. सह सचिव बिल्लू गुप्ता ने बताया कि 15 जुलाई को यज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन्न होगी. 16 जुलाई को दोपहर 2 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है.

न्यूज अपडेट

कोल कर्मी की मौत के बाद पुत्र को मिला प्रोविजनल नियोजन

बरोरा (शुभम संदेश)। बरोरा क्षेत्र के मुराईडीह कोल कर्मी ईपी फीटर के पद पर कार्यरत भीम महतो की सोमवार को डुमरा रिजनल अस्पताल में ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई. जिसके बाद बरोरा क्षेत्रीय कार्यालय में प्रबंधन के साथ यूनियन प्रतिनिधियों की हुई वार्ता में मृतक कर्मी की पत्नी गुलिया देवी के अनुशंसा पर उनके पुत्र नेमचंद महतो को प्रोविजनल नियोजन दिए जाने पर सहमति बनी. मृतक कर्मी के पुत्र को जीएम पीयूष किशोर एवं अन्य अधिकारियों और यूनियन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रोविजनल नियुक्ति पत्र दिया गया. मौके पर यूनियन प्रतिनिधि नर्मदेश्वर पांडेय उर्फ एनडी पाण्डेय, संतोष गोराई, जेके झा, मंगल हेमब्रम, राम स्वरूप मिश्रा, देवानन्द राजभर, मनोज मोदी, अमरेंद्र कुमार इत्यादि उपस्थित थे.

नगरीकला में एआरएसएस कंपनी के खिलाफ नारेबाजी

तेतुलमारी (शुभम संदेश)। नगरीकला के ग्रामीणों ने जर्जर व कीचड़ युक्त सड़क की मरम्मती की मांग को लेकर सोमवार को तेतुलमारी रेलवे स्टेशन के समीप एआरएसएस कंपनी मुख्य द्वार को जाम कर दिया. इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क मरम्मके लिए कन्ट्रक्सन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. ग्रामीणों का कहना है कि तेतुलमारी स्थित एआरएसएस कंपनी के भारी वाहनों के आवागमन से गांव की सड़क काफी खराब हो गई है. स्ते में जलजमाव और कीचड़ हो जाता है, जिससे राहगीरों को ड्यूटी, बाजार व स्कूल जाने वाले बच्चे को काफी परेशानी होती है. ग्रामीणों ने यह भी कहा कि कंपनी भारी वाहन के आवागमन के लिए ग्रामीणों का रास्ता छोड़कर अन्य रास्ता बनाये. आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सपन पंडित ने कहा कि कंपनी अपना काम करे, परन्तु ग्रामीणों का मार्ग को सुरक्षित रहने दें. कुछ घंटे बाद कंपनी के लोग पहुँचे और ग्रामीणों को सकारात्मक आश्वासन दिया. जिसके बाद आंदोलन समाप्त हो गया. आंदोलन में उमा कुमार, पप्पू कुमार, सोनू कुमार, लक्ष्मण कुम्हार, तपन कुमार नीलकंठ कुमार, गौतम कुमार अन्य ग्रामीण शामिल थे.

जर्जर सड़क को लेकर लोगों ने किया आंदोलन

भाजद ने नगर परिषद कार्यपालक को सौंपा मांग पत्र

कुमारधुबी (शुभम संदेश)। भारतीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने चिरकुंडा नगर परिषद कार्यपालक को मांग पत्र सौंपा है.उन्होंने कहा कि नगर परिषद के बहुत सारे कार्य जो जनता को धरातल पर नजर नहीं आ रहा है उन सभी विषयों पर लिखित रूप से नगर को सुचित किया गया. कहा की चिरकुंडा नगर परिषद विकास कार्यों में खर्च को पारदर्शिता लाए. शौचालय, स्वच्छता, पार्क, स्टेडियम, लाइट, भवन, सफाई, सौंदर्यकरण, पर्यावरण, सड़क, तालाब, परिवहन, प्रधानमंत्री आवास, बाढ़ ग्रस्त, सुखाड़, कोरोना काल, कौशल विकास, तथा चिरकुंडा नगर परिषद के विकास में अन्य जो भी खर्च किए गए हैं उन सभी कार्यों में खर्च किए गए राशि की पारदर्शिता जरूरी है. सड़कों, पुलों और नालियों का रखरखाव, पेयजल आपूर्ति और सीवरेज सिस्टम में सुधार, बिजली और प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाना, सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूती, पार्किंग और यातायात व्यवस्था में सुधार, प्रत्येक चौक चौराहों पर कैमरा लगाने की बात कही. वहीं स्वच्छता और कचरा प्रबंधन, स्वास्थ्य और शिक्षा, पार्क और मनोरंजन स्थल, वृद्धाश्रम जैसी सामाजिक सेवा का सुचारू करने की मांग की.डिजीटल मोड में काम को बढ़ावा देने की मांग भी की.

सेल के गुंडों और पुलिस के खिलाफ उठाई जाएगी आवाज : रति लाल

टुंडी (शुभम संदेश)। टुंडी विधानसभा क्षेत्र के झामुमो नेता सह सोनेत संथाल समाज के केन्द्रीय कोषाध्यक्ष रतिलाल टुडू सोमवार को बलियापुर पहुंचे. इस दौरान पिछले दिनों सेल कंपनी के प्रबंधन व पुलिस की मौजूदगी में जबरन जमीन अधिग्रहण व भोले-भाले आदिवासियों के साथ क्रुरता व अमानवीय कृत्य के साथ पिटाई किए जाने को लेकरआक्रोशित पीड़ित परिवारों से मिलकर बैठक की. साथ ही आगे की रणनीति भी तय की गई. झामुमो नेता टुडू ने साफ शब्दों में कहा कि गरीब आदिवासी लोगों के साथ खुलेआम गुंडे व पुलिस ने लोगों ने मारपीट की. जब तक थानेदार व अंचलाधिकारी को निलंबित नहीं किया जाता व जिले से लेकर राज्य तक जोरदार धरना प्रदर्शन कार्यक्रम करेंगे. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि गरीबों को न्याय दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी. प्रशासनिक अधिकारी ये नहीं समझे की ऐसे भोले-भाले के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ कोई आवाज नहीं उठायेगा. इस मौके पर सोनेत संथाल समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष सनातन सोरेन,जिप सदस्य प्रतिनिधि गुरुचरण बास्की,सुरजकांत सोरेन, प्रवीण हांसदा सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

सीओ और थानेदार को निलंबित कराने तक होगा आंदोलन

मानव अधिकार प्रोटेक्शन के प्रदेश अध्यक्ष बने कृष्ण नंदन, दी गई बधाई

पुटकी (शुभम संदेश)। मानव अधिकार प्रोटेक्शन के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत होने पर कृष्ण नन्दन सिंह का संगठन से जुड़ी सदस्यों ने महिला जिलाध्यक्ष गीता सिंह के नेतृत्व में अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर अभिनन्दन किया. रास्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता ने धनबाद के कृष्ण नंदन सिंह को पुनः झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है. मौके पर सुशीला देवी, सुनीता सिंह, सत्या देवी, रीना देवी, सौम्या देवी, गुड़िया देवी, रेखा देवी, पुनम देवी, सोमिया देवी, रीता देवी, गीता देवी, जहरी देवी, बसंती देवी आदि मौजूद थीं.

पूजा बोनस पर एमपीएल कामगार यूनियन की बैठक

निरसा (शुभम संदेश)। सोमवार को एमपीएल कामगार यूनियन की बैठक निरसा गुरुदास भवन पार्टी कार्यालय मे महेश मंडल की अध्यक्षता में हुई. बैठक में यूनियन के अध्यक्ष सह निरसा के विधायक अरूप चटर्जी मुख्य रूप से उपस्थित थे. बैठक में एमपीएल के अधीन कार्यरत कंपनी के कामगार उपस्थित थे. कामगारों ने अपनी समस्या के साथ अपनी बात रखी. यूनियन के सचिव महेश मंडल ने कहा कि पिछले वर्ष एमपीएल प्रबंधन अपने कर्मचारियों को बोनस के रूप में गिफ्ट दिया था लेकिन एमपीएल के अधीन कंपनियों के कामगारों को कुछ भी नहीं दिया गया. जिससे कामगारों में काफी आक्रोश है. उक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि कमेटी द्वारा पांच सूत्री मांग पत्र एमपीएल प्रबंधक को दिया जाएगा. मुख्य मांगों में दुर्गा पूजा बोनस 8.33 %से बढ़ाकर 20% , 21000 रू से अधिक वेतनमान वाले कामगारों का जिनका ईएसआई नहीं है, उसे स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराना,सभी कामगारों को प्रमोशन, ,इंडवेल कंपनी में 15000 बेसिक पर पीएफ फिक्स किया गया है जो नियम अनुसार वर्तमान बेसिक का 12% पीएफ काटा जाय जो नहीं काटा जा रहा है. सभी कामगारों को रात्रि भत्ता दिया जाए, शामिल हैं. 15 दिन के अंदर एमपीएल मांग पत्र पर सकारात्मक पहल नहीं करती है तो एमपीएल कामगार यूनियन अनिश्चितकालीन गेट जाम एवं टूल डाउन करने पर मजबूर होंगे. जिसकी सारी जिम्मेदारी एमपीएल प्रबंधन की होगी. बैठक में बिहार कामगार यूनियन के आगम राम, टुनटुन मुखर्जी, केशव तिवारी,चंदन मंडल, दिगंबर तिवारी,प्रभु सिंह,मनोज मंडल,हराधन बाउरी, शंभू सिंह, शमीम अथर, बंकिम दास,आनंद महतो, विकास सिंह, फिरोज तुलसी तिवारी शंकर लोहार सुब्रत तिवारी ,मुन्ना यादव, रंजीत दे, दीपक मंडल, सिकंदर ठाकुर, मनोज सरकार, संजय दुबे, गौतम बॉस आदि उपस्थित थे.

पहली सोमवारी पर बाबा बासुकिनाथ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह दो बजे मंदिर प्रशासन ने खोला पट

शुभम संदेश। दुमका

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 की पहली सोमवारी को बाबा बासुकिनाथ के दरबार में पूजा-अर्चना के लिए देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. सोमवारी को लेकर बाबा बासुकिनाथ के मंदिर का पट सुबह दो बजे मंदिर प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच खोला गया. गर्भगृह की साफ-सफाई के बाद कांचा जल पूजा संपन्न हुई, जिसके बाद सरकारी पूजा की गई. सरकारी पूजा संपन्न होने के बाद बाबा मंदिर में अरघा स्थापित किया गया. आगंतुक श्रद्धालुओं ने दिन भर अरघा के माध्यम से जलार्पण किया. सावन की पहली सोमवारी पर उमड़ने वाली हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित कर सुलभता से बाबा मंदिर में जलार्पण सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों ने रविवार शाम को ही बैठक कर ली थी. सोमवार को जिला प्रशासन के पदाधिकारी दिन भर भीड़ का जायजा लेते रहे. यह सुनिश्चित किया जा रहा था कि बासुकिनाथ के श्रावणी मेला क्षेत्र में आगंतुक श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो. पूरा मेला क्षेत्र श्रद्धालुओं से पटा हुआ था. कड़ी और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था आगंतुक श्रद्धालुओं को राहत दे रही थी. पदाधिकारीगण घूम-घूम कर जायजा ले रहे थे.

कांवरियों की रही लंबी कतारें

सावन की पहली सोमवारी में संपूर्ण मेला क्षेत्र में हजारों की संख्या में कांवरिया ही नजर आ रहे थे. बाबा बासुकिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए कांवरियों की लंबी कतार दर्शनिया टिकर से शिवगंगा घाट होकर फलाहारी धर्मशाला, संस्कार मंडप के रास्ते मंदिर के पूर्वी प्रवेश द्वार (हाथी द्वार) तक लगी हुई थी. शीघ्र पूजा-अर्चना करने वाले श्रद्धालु मंदिर कार्यालय के सामने स्थित शीघ्र दर्शनम काउंटर से तीन सौ रुपये का कूपन लेकर मंदिर में प्रवेश कर रहे थे. सभी श्रद्धालुओं ने बाबा मंदिर में प्रवेश कर अरघा में ही अपने साथ लाए गंगाजल को डाला, जो सीधा शिवलिंग पर गिर रहा था. बाबा बासुकिनाथ जी का दर्शन पाकर सभी श्रद्धालु अभिभूत हो रहे थे. केसरिया रंगों से रंगे हजारों कांवरिया श्रद्धालु बाबा बासुकिनाथ की जय के जयकारे लगा रहे थे. श्रद्धा, भक्ति और समर्पण का भाव सभी श्रद्धालुओं के चेहरे पर साफ झलक रहा था.

ललमटिया के शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

ललमटिया। पवित्र सावन मास की पहली सोमवारी को लेकर ललमटिया और आसपास के ग्रामीण इलाकों के कई शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. सोमवार सुबह से ही मंदिरों में महिला-पुरुष भक्तों का आना शुरू हो गया था. सावन की पहली सोमवारी पर ललमटिया के त्रिकुटीनाथ धाम, लोहंडिया बाजार, सिमडा, धानाबिडी, लीलातरी सहित अन्य शिवालयों में सुबह से ही महिलाएँ, पुरुष और कन्याएँ स्नान कर स्वच्छ परिधानों में बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए पहुँचे. इस अवसर पर नवविवाहित जोड़ों ने भी शिवलिंग पर फूल-बेलपत्र चढ़ाकर विधि-विधान से पूजा की.

साहिबगंज : भक्तों ने शिवालयों में किया जलार्पण

साहिबगंज। पवित्र श्रावण मास की पहली सोमवारी के अवसर पर अहले सुबह से ही गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. गंगा स्नान के बाद भक्तों ने शिवालयों में भोलेनाथ को जलार्पण कर पूजा-अर्चना की. शहर के मुक्तेश्वरधाम बिजली सीढ़ी गंगा घाट, सकुंतला सहाय घाट, गोपालपुल घाट, चानन कबूतरखोपी घाट, सकरीगली गंगा घाट, महाराजपुर गंगा घाट, राजमहल गंगा घाट सहित विभिन्न गंगा घाटों पर हजारों भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई. इसके बाद भक्तों का सैलाब शिवगादी, मोतीनाथ धाम, मुरली स्थित बाबा धनेश्वर नाथ धाम सहित विभिन्न शिवालयों में उमड़ पड़ा. इन मंदिरों में लाखों भक्तों ने भोलेनाथ को जलाभिषेक किया. इसके अतिरिक्त, बरहेट प्रखंड क्षेत्र के शिवगादी धाम स्थित बाबा गाजेश्वरधाम, तालझारी प्रखंड क्षेत्र के मोती झरना स्थित बाबा मोतिनाथ धाम, बरहरवा बिंधवासनी मंदिर, नगर परिषद क्षेत्र के पुलिस लाइन मंदिर, जैप-9 मंदिर, डाकीनाथ मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर, सब्जी मंडी मंदिर, गंगा घाट स्थित शिवालय, बड़तल्ला स्थित शिवालय, स्टेशन परिसर शिवालय, जीआरपी मंदिर सहित राजमहल के सूर्य देव घाट स्थित शिव मंदिर, गोदारा घाट स्थित शिव मंदिर, नयाबाजार स्थित महामृत्युंजय मंदिर और मटियाल, कासिम बाजार, महाजन टोली, मंडई, कटघर, नौगच्छी, जामनगर, सरकंडा आदि के शिव मंदिरों में भी दिन भर श्रद्धालुओं ने जलार्पण कर पूजा-अर्चना की. जिले के मंडरो, तीनपहाड़, बोरियो सहित विभिन्न शिवालयों में भी भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करके विधि-विधान से पूजन किया.

उपायुक्त ने रुटलाइन का किया निरीक्षण

देवघर। देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में सावन की पहली सोमवारी को लेकर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने सम्पूर्ण मेला क्षेत्र के रुटलाइन का निरीक्षण किया और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी को मेला के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिया. इसके अलावा उपायुक्त लकड़ा ने नेहरू पार्क स्थित आईएमसीआर कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर मेला को लेकर की गई तैयारियों की वस्तुस्थिति का जायजा लिया. साथ ही प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी को मेला के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिया, ताकि मेला के दौरान चौबीसों घंटे कंट्रोल रूम एक्टिव मोड में कार्यरत रहें.

शिव मंदिरों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

बोकारो। सावन माह की पहली सोमवारी को लेकर पूरे शहर में धार्मिक उत्साह का माहौल देखा गया. सुबह से ही बोकारो के शिव मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था. श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ को बेलपत्र, भांग और धतूरा अर्पित कर पूजा-अर्चना में लीन थे. बोकारो सेक्टर-12 स्थित प्राचीन शिव मंदिर में विशेष भीड़ देखी गई, जहाँ महिलाएँ अपने पूरे परिवार के साथ सोलह श्रृंगार कर बाबा की पूजा करने पहुँचीं. भक्तों ने बताया कि सावन का सोमवार भोलेनाथ को समर्पित सबसे पवित्र दिन होता है. ऐसे में इस दिन की गई पूजा मनोकामनाओं की पूर्ति करती है. पुजारी ओमप्रकाश तिवारी ने कहा कि सोमवार के दिन ही समुद्र मंथन हुआ था, इसीलिए यह दिन विशेष फलदायी माना गया है. यह मंदिर वर्षों पुराना है और यहाँ श्रद्धा से माँगी गई हर मुराद भोलेनाथ जरूर पूरी करते हैं. महिलाओं ने बताया कि सावन के महीने में विशेष रूप से सोलह श्रृंगार कर भगवान शिव की आराधना करना अत्यंत शुभ माना जाता है, जिससे वैवाहिक जीवन में सुख और समृद्धि आती है. शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई को लेकर भी प्रशासन की ओर से बेहतर प्रबंध थे, ताकि श्रद्धालु बिना किसी कठिनाई के पूजा कर सकें.

डुमरी के शिव मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

डुमरी (गिरिडीह)। सावन की पहली सोमवारी को लेकर प्रखंड के सभी शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा. भक्तों ने भगवान भोले शंकर पर न सिर्फ जलाभिषेक किया, बल्कि सोमवारी का व्रत उपवास भी रखा और शिव-पार्वती से मनोकामना पूर्ण करने की प्रार्थना की. इसरी स्थित गंगा भगत शिवालय, लाल जी भगत शिवालय, राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी शिवालय, हनुमानगढ़ी शिवालय, डुमरी स्थित काली मंदिर शिवालय, ब्लॉक कॉलोनी शिवालय, फॉरेस्ट कार्यालय शिवालय, कोनार शिवालय, जामतारा शिवालय, वनांचल चौक स्थित शिवालय, खैरागढ़हा शिवालय, डोमाबारा शिवालय, कुलगो शिवालय, पोरदाग शिवालय, निमियाघाट शिवालय, नगरी शिवालय, चैनपुर शिवालय, धावाटांड़ शिवालय, इसरी प्रोफेसर कॉलोनी स्थित शिवालय सहित दर्जनों शिवालयों में श्रद्धालु शिव भक्तों ने जलाभिषेक तथा दुग्धाभिषेक किया. उन्होंने भगवान शिव को जल एवं बेल पत्र चढ़ाए. मान्यताओं के अनुसार, श्रावण मास में सोमवार का विशेष महत्व है, क्योंकि सोमवार को भगवान शिव का स्वरूप माना गया है. श्रावण मास में भगवान आशुतोष (शिव) की पूजा का विशेष महत्व है. जो भक्त प्रतिदिन नियमपूर्वक पूजा नहीं कर सकते हैं, उन्हें श्रावण मास में शिव पूजा एवं व्रत अवश्य रखना चाहिए.

ब्रीफ खबरें

मंदिर से लौट रही महिला से चेन स्नैचिंग

बोकारो। सदर अस्पताल में एचआईवी विभाग की काउंसलर के पद पर कार्यरत, सेक्टर तीन डी निवासी नीरा सिंह दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग का शिकार हो गईं. दो बाइक सवार झपटमारों ने उनकी चेन छीन ली. सिटी थानांतर्गत सोमवार सवेरे घटी इस घटना के बाद मौके पर पहुँची पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है. कांड के खुलासे के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है.

आलोक बने दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष

बोकारो। दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारियों का चुनाव सोमवार को सर्वसम्मति से संपन्न हुआ. इस चुनाव में आलोक कुमार जैन को दिगंबर जैन समाज का अध्यक्ष चुना गया. वहीं, पीयूष जैन को सचिव और अनिमेष जैन को कोषाध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया. अध्यक्ष बनने के बाद आलोक कुमार जैन ने कहा कि वे समाज के हित में सदैव तत्पर रहेंगे और समाज के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे. दिगंबर जैन महिला समिति के लिए सर्वसम्मति से कामिनी जैन को अध्यक्ष और सुनीता जैन को सह-अध्यक्ष मनोनीत किया गया.

सड़क हादसे में मासूम सहित दो की मौत, एनएच किया जाम

शुभम संदेश। गिरिडीह

जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के चतरो गंगापुर में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक मासूम बच्चे सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने गिरिडीह-धनबाद मुख्य मार्ग को जाम कर अपना विरोध जताया.

दुर्घटना और मृतकों की पहचान

यह हादसा गिरिडीह-धनबाद मुख्य मार्ग पर चतरो गंगापुर के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार 28 वर्षीय राजेश तुरी और उनके 9 वर्षीय बेटे गौतम तुरी की घटनास्थल पर ही जान चली गई. दोनों मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भोरनडीहा गाँव के निवासी थे. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राजेश अपने बेटे के साथ गंगापुर की ओर जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे ट्रेलर ने उन्हें टक्कर मार दी.

सड़क जाम और पुलिस कार्रवाई

हादसे की सूचना मिलते ही महतोडीह पुलिस पिकेट के अधिकारी और जवान मौके पर पहुँचे, लेकिन लोगों का आक्रोश इतना ज़्यादा था कि पुलिस को घटनास्थल पर कोई जानकारी जुटाने में परेशानी हुई. गुस्साए ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजे और ट्रेलर चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की. इस दौरान गिरिडीह-धनबाद रोड पर घंटों जाम लगा रहा. पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. फिलहाल, जाम हटाने और स्थिति को सामान्य करने के लिए प्रशासनिक प्रयास जारी है.

अनियंत्रित कार पुलिया से गिरी, 5 घायल

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई. यहां एक अनियंत्रित कार सड़क पर स्थित पुलिया से नीचे जा गिरी, जिसमें कार सवार 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. इनमें से 3 लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है. मिली जानकारी के अनुसार तिसरी के भाजपा नेता उदय साव के पुत्र पिंटू कुमार अपने कुछ रिश्तेदारों के साथ ग्रैंड विटारा कार से अपने ससुराल गुमगी जा रहे थे. इसी दौरान तिसरी-गांवा मुख्य पथ पर मचनियाटांड स्थित एक पुलिया के पास कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरी. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तिसरी पुलिस को दी. पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को आनन-फानन में निजी वाहनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया. घायलों में पिंटू कुमार, मनोज साव, संजू कुमारी, निशु कुमारी और गुड़िया देवी शामिल हैं. गंभीर स्थिति के कारण संजू कुमारी, निशु कुमारी और गुड़िया देवी को रेफर किया गया है.

बलेनो और टेंपो की टक्कर में कई यात्री घायल

बोकारो। तेनुघाट-पेटरवार मार्ग पर पुटकाडीह के पास रविवार को एक बोलेनो और टेंपो की आमने-सामने की टक्कर में टेंपो सवार सभी यात्री घायल हो गए. जानकारी के अनुसार, बलेनो (गाड़ी संख्या जेएच 09एएच-9058) खूंटा बाबा में पूजा कर बोकारो लौट रही थी. इसी दौरान गोमिया से बुढ़ानगोड़ा की ओर जा रही एक टेंपो (गाड़ी संख्या जेएच24पी-8135), जिसमें करीब आठ यात्री सवार थे, से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो में सवार सभी लोग घायल हो गए. बलेनो के ड्राइवर साइड का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और आगे के एयरबैग खुल गया. सूचना मिलते ही अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुवा ने तत्परता दिखाते हुए दूसरे टेंपो की व्यवस्था कर सभी घायलों को पेटरवार अस्पताल भिजवाया. बलेनो में सवार चारों यात्रियों को भी बढ़ती भीड़ को देखते हुए पेटरवार थाना भेजा गया. वहीं, पेटरवार बीडीओ संतोष महतो एवं थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया. ओपी प्रभारी राजू कुमार मुंडा ने बताया कि घायलों में से एक व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए बोकारो सदर अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज पेटरवार अस्पताल में चल रहा है. सभी घायलों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है.

प्रशिक्षण से अनुपस्थित 11 बीएलओ से मांगा स्पष्टीकरण

दुमका (शुभम संदेश)। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर सोमवार को प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद एजाज आलम की अध्यक्षता में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस प्रशिक्षण में कुल 57 बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को शामिल होना था, लेकिन 11 बीएलओ अनुपस्थित रहे. अनुपस्थित सभी 11 बीएलओ से स्पष्टीकरण माँगा गया है. जिन बीएलओ से स्पष्टीकरण पूछा गया है उनमें सुंदरी सोरेन, संतोषनी पावरिया, नबी जन बीबी, बबली किस्कू, रेखा रानी शाहा, नजमुन बीबी, मृणाली टुडू, मेरी हेंब्रम, राजून खातून, विनालता सोरेन एवं अनीता हेंब्रम शामिल हैं. प्रशिक्षक के रूप में रानीश्वर प्रखंड के पंचायत सचिव सूरज कुमार, शिकारीपाड़ा प्रखंड के कंप्यूटर ऑपरेटर चंदन कुमार शाहा, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संजीव कुमार, महिला प्रसार पदाधिकारी तरेसा मुर्मू और विनय कुमार सिंह मौजूद थे.

दिव्यांग ने डीसी से मांगी ई-ट्राईसाइकिल

बोकारो (शुभम संदेश)। चास प्रखंड अंतर्गत पिंड्राजोड़ा गाँव निवासी दिव्यांग सुरेश कुमार महतो ने सोमवार को समाहरणालय परिसर में उपायुक्त अजय नाथ झा से मुलाकात कर ई-ट्राईसाइकिल की मांग की. सुरेश ने बताया कि वह चलने-फिरने में असमर्थ है और उसे दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. उपायुक्त उस समय चंद्रपुरा प्रखंड भ्रमण के लिए निकलने ही वाले थे, तभी सुरेश उनके वाहन के पास पहुँचा और अपनी बात रखने लगा. उपायुक्त ने तत्काल रुककर, स्नेहपूर्वक झुककर उसकी पूरी बात सुनी और मानवीय पहल करते हुए अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया. डीसी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, विशेष रूप से दिव्यांगजन, समाज की मुख्यधारा से वंचित न रहे, यह प्रशासन की प्राथमिकता है. सुरेश जैसे जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध कराना हमारा नैतिक और प्रशासनिक दायित्व है.

कुएं से युवक का शव बरामद

साहिबगंज (शुभम संदेश)। सोमवार की अहले सुबह एक कुएं में युवक का तैरता शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा होने के बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई. मृतक युवक की पहचान जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के श्रीराम चौकी महादेवगंज तुरी टोला निवासी रौशन तुरी के रूप में हुई है. ग्रामीणों द्वारा दी गई सूचना पर जिरवाबाड़ी पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुँची और जाँच में जुट गई. शव को कुएं से निकालने के बाद पुलिस ने उसे अपने कब्जे में ले लिया.

सावन आते ही खेतों में लौटी रौनक

पश्चिमी क्षेत्र में किसानों ने शुरू की धान की रोपाई

राजीव कुमार

पोड़ैयाहाट। सावन का महीना किसानों के लिए सबसे व्यस्त समय होता है. बिचड़ा बुआई का कार्य पहले ही कर लिए जाने के बाद अब किसान अपने खेतों में मेड़बंदी के कार्यों में व्यस्त हैं. कुछ जगहों पर खेतों में धान की रोपाई भी शुरू कर दी गई है. अधिकांश खेतों में किसान कुदाल, फावड़ा, हल-बैल लेकर उतर चुके हैं, जिससे खेतों में रौनक लौट आई है.

बारिश की मार और आगामी फसल की उम्मीद

कम बारिश को देखते हुए अधिकांश किसान देर से धान का बीज बोते हैं. लेकिन इस वर्ष इसके विपरीत हो गया है. लगातार बारिश से किसानों का बिचड़ा खेतों में ही सड़ गया. इससे किसानों को दो हजार से लेकर बीस हजार रुपए तक का नुकसान उठाना पड़ा. किसानों का कहना है कि कुछ इलाकों में रोहिणी नक्षत्र में बिचड़ा डालने वाले किसान धान की रोपनी भी शुरू कर चुके हैं, लेकिन प्रखंड के अधिकांश इलाके में कम बारिश के कारण अभी तक मकई, मूंग, अरहर की रोपाई नहीं हो सकी है. कुछ किसानों का कहना है कि अभी खेतों में पानी है, लेकिन बिचड़ा तैयार नहीं है. इसके कारण सिर्फ खेतों में मेड़बंदी समेत अन्य कार्य हो रहे हैं. जैसे ही बिचड़ा तैयार होगा, वे रोपाई कर देंगे. किसानों को इस बात का डर सता रहा है कि लगातार बारिश से बीज गल रहा है. यदि बीज नहीं गला और आगे अच्छी बारिश हुई, तो उम्मीद है कि इस वर्ष धान की पैदावार अच्छी होगी. इधर, एक-दो दिनों से पोड़ैयाहाट क्षेत्र में जमकर बारिश हुई है. बारिश थमने के बाद किसानों को उम्मीद है कि वे मकई की बुवाई करेंगे, लेकिन लगातार वर्षा होने से एक बार फिर किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है.

बिचड़ा की स्थिति और किसानों की चिंताएं

जिन किसानों ने रोहिणी नक्षत्र में धान का बीज लगाया था, उनका बिचड़ा तैयार हो गया है. जिनका बिचड़ा देर से लगा है, वह अभी तैयार नहीं हो पाया है. ऐसे किसान अब खेतों में धान की रोपाई करने लगे हैं. हालाँकि, जिन किसानों ने रोहिणी नक्षत्र में धान का बीज नहीं लगाया था, उनके बीज ही सड़ गए हैं, जिससे वे मायूस हैं. किसान नरेश यादव, संतलाल हांसदा, प्रकाश ठाकुर और रोहित सेन ने बताया कि मौसम प्रतिकूल रहने के कारण उन्होंने रोहिणी नक्षत्र में धान का बीज नहीं डाला था. उन्नत किस्म के धान का बीज लगभग बीस दिनों में तैयार हो जाता है, लेकिन यदि खेतों में पानी नहीं रहा या समय पर बारिश नहीं हुई, तो धान का बिचड़ा खराब हो जाता है. उन्होंने कहा कि अछरा लगाकर एक बार फिर जोखिम लेना मजबूरी है. देर से ही सही, यदि अछरा के बाद बिचड़ा अच्छा निकला, तो अगस्त में धान की रोपनी की जाएगी.

सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों का राज्य तैराकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

शुभम संदेश। गिरिडीह

झारखंड राज्य तैराकी संघ के तत्वावधान में जिला तैराकी संघ द्वारा 12-13 जुलाई 2025 को जमशेदपुर स्थित जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्विमिंग पूल में आयोजित 15वीं जूनियर एवं सब-जूनियर झारखंड राज्य तैराकी प्रतियोगिता में सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया. इस तैराकी प्रतियोगिता में सलूजा गोल्ड के कुल 9 अभ्यर्थी शामिल हुए और सभी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा. रूपेश कुमार राणा (कक्षा चार) ने 50 मीटर बैक स्ट्रोक और 50 मीटर फ्री स्टाइल में एक-एक रजत पदक जीता. जपजीव सिंह सलूजा (कक्षा सात), अभय रंजन और अश्विनी कुमार ने 200 मीटर फ्री स्टाइल में अपना दबदबा कायम रखते हुए रजत पदक जीतकर विद्यालय का मान बढ़ाया. अभिषेक कुमार शर्मा (कक्षा नौ) ने 400 मीटर फ्री स्टाइल, 200 मीटर फ्री स्टाइल और 100 मीटर फ्री स्टाइल में एक-एक कांस्य पदक अपने नाम किया. विद्यार्थियों के इस प्रदर्शन से पूरा विद्यालय परिवार गौरवान्वित है. गौरतलब है कि तैराकी प्रतियोगिता की तैयारी के लिए विद्यार्थी महीने भर से विद्यालय के स्विमिंग कोच घनश्याम रजक के मार्गदर्शन में पसीना बहा रहे थे और अंततः उनकी मेहनत रंग लाई. विद्यालय की निदेशक रमनप्रीत कौर सलूजा ने विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए उत्साहवर्धन किया और उन्हें निरंतरता बनाए रखने पर ज़ोर दिया. वहीं, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीत पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक जोरावर सिंह सलूजा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी एवं विद्यालय का मान बढ़ाने के लिए उनका धन्यवाद किया.

लीज होल्ड एरिया में बीसीसीएल डंप करे ओवर बर्डन : उपायुक्त

अवैध खनन के आवेदन पर उसी दिन दर्ज करें एफआईआर : एसएसपी

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में सोमवार को न्यू टाउन हॉल में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई. उपायुक्त ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड को भू-अर्जन में नियमों का पालन करने, अपने लीज होल्ड एरिया में ओवर बर्डन डंप करने तथा कोयला खनन के बचे हुए अवैध मुहाने शीघ्र बंद करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि कोयला का अवैध खनन चिंता का विषय है. जिला प्रशासन, पुलिस, बीसीसीएल एवं सीआईएसएफ को साथ मिलकर इसे रोकना है. कहा कि जिला खनन टास्क फोर्स के लिए यहां की जनता के भविष्य को ध्यान रखते हुए पर्यावरण, सतत विकास, कार्य योजना तथा माइनिंग क्लोजर पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए काम करना है. कोयले का अवैध परिवहन रोकने के लिए उपायुक्त ने कोल ट्रेड में पंजीकृत जीएसटी संख्या की सूची लेकर सभी के पास कोल डिपो या प्लाट, है या नहीं, की जांच करने तथा अवैध कोयला लदा वाहन पकड़ते समय तिथि एवं समय का अनिवार्य रूप से उल्लेख करने का निर्देश टास्क फोर्स को दिया. बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने सभी थाना प्रभारी को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, सीआईएसएफ या खनन पदाधिकारी से अवैध खनन से संबंधित प्राप्त आवेदन पर उसी दिन प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया. कहा कि कोयले के अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम के लिए बीसीसीएल को प्रशासन एवं पुलिस का पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा. बैठक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने भूमि अधिग्रहण के नियमों से भारत कोकिंग कोल लिमिटेड को अवगत कराया. जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से जून तक कोयला के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध 58 कांड दर्ज किए हैं, जिसमें 68 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं जबकि 890 टन कोयला तथा 7 हाइवा सहित 17 वाहन जब्त किए हैं. लघु खनिज से संबंधित अवैध खनन के 26 मामले दर्ज किए हैं. इसमें 9 प्राथमिकी दर्ज हुई है. 33 वाहन जब्त किए हैं और लगभग 9.55 लाख रुपए का जुर्माना जेएमएमसी रूल 2004 के तहत वसूला गया है.बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने बताया कि कोयले के अवैध खनन को रोकने के लिए बीसीसीएल के सभी क्षेत्रों में सीआईएसएफ द्वारा ड्रोन सर्विलांस से निगरानी की जा रही है. सभी माइनिंग एरिया में अवैध मुहाने बंद कर उसकी डोजरिंग की गई है. अवैध खनन के हॉटस्पॉट चिन्हित कर लगातार कार्रवाई जारी है. कोयला परिवहन में लगे सभी वाहनों में आरएफआईडी व व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम है एवं माइनिंग क्षेत्र के प्रवेश एवं निकास द्वार पर बूम बैरियर लगाए गए हैं. वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, सिटी एसपी कपिल चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सीआईएसएफ कमांडेंट प्रदीप विश्वकर्मा आशुतोष चौबे, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम, एसडीपीओ बाघमारा पुरुषोत्तम कुमार सिंह, एसडीपीओ निरसा रजत मणिक बाखला, सभी अंचल के अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी मौजूद थे.

रेलवे संपत्ति चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार, दो फरार

शुभम संदेश। धनबाद

रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट धनबाद और सीआईबी धनबाद की संयुक्त टीम ने हरला पुलिस थाना के सहयोग से बोकारो के सेक्टर-09 में स्थित कृष्णा गुप्ता उर्फ अक्लू के कबाड़ी दुकान सह गैरेज की जांच की. वहां पिकअप वाहन (संख्या जेएच 01एबी 0668) सीएसटी-9 प्लेट के टुकड़े उतारते हुए तीन व्यक्तियों को पकड़ा गया. जिनमें गौतम कुमार उर्फ नेपाली, उम्र 33 वर्ष, पिता-वशिष्ट चौधरी, निवास-लोढ़ीया, माधोडीह, थाना-संग्रामपुर, जिला-मुंगेर (बिहार), जयदेव बाउरी, उम्र 30 वर्ष, पिता-विधा बाउरी, निवास-दुबडा, थाना-पाडा, जिला-पुरुलिया (पश्चिम बंगाल), छोटू कुमार (परिवर्तित नाम), उम्र 16 वर्ष, पिता-कृष्णा गुप्ता उर्फ अक्लू, निवास-सेक्टर-9, स्ट्रीट-15, नेपाली बस्ती के पास, थाना-हरला, जिला-बोकारो (झारखंड) शामिल हैं. पूछताछ में उन्होंने बताया कि कृष्णा गुप्ता उर्फ अक्लू (उम्र 45 वर्ष) की सेक्टर-9 और दुग्धा के सिद्धू कान्हु चौक के पास दो कबाड़ी दुकानें हैं. दुग्धा स्थित कबाड़ी गोदाम से अक्लू साव के निर्देश पर गोदाम संचालक लालू साव ने चोरी का रेलवे लोहा पिकअप पर लोड किया, जिसे सेक्टर-9 के गोदाम में उतारा जा रहा था. वहां इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर सामान्य लोहे के साथ मिलाकर बेचा जाता था. मौके से पिकअप वाहन और लगभग 350 किलोग्राम प्लेट के टुकड़े जब्त किए गए, और पकड़े गए व्यक्तियों को आरपीएफ ने हिरासत में लिया. उनकी निशानदेही पर दुग्धा के कबाड़ी गोदाम पर छापेमारी की गई, जहां अक्लू साव और लालू साव फरार पाए गए, और गोदाम बंद मिला. तीन गिरफ्तार और दो फरार अभियुक्तों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. जब्त रेल संपत्ति का अनुमानित मूल्य 14,000/- रुपये आंका गया. सभी पकड़े गए व्यक्तियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां दोनों वयस्क अभियुक्तों को मंडल कारा, धनबाद, और अल्पवयस्क किशोर को बाल सुधार गृह भेजा गया. फरार अभियुक्त कृष्णा गुप्ता उर्फ अक्लू साव के खिलाफ पूर्व में रेललाइन चोरी के मामले में आरपीएफ पोस्ट धनबाद में चोरी का मामला दर्ज था, जिसमें उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है.

धनबाद स्टेशन पर अवैध अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

शुभम संदेश। धनबाद

वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर गठित स्पेशल टास्क टीम ने रविवार देर रात धनबाद रेलवे स्टेशन पर एक युवक को भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया. टीम में प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में उनि पालिक मिंज, सउनि जीवलाल राम, आरक्षी विवेक कुमार, संजीव कुमार, प्रमोद कुमार एवं प्रधान आरक्षी फूलचंद महतो धनबाद शामिल थे. जानकारी के अनुसार रात्रि गश्त और निगरानी के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-02 पर थी. रात 12:05 बजे टीम ने एक संदिग्ध बैगनी रंग के ट्रॉली बैग की तलाशी ली, जिसमें से 24 बोतल रॉयल चैलेंज 375 एमएल और 23 बोतल मेकडोवेल व्हीस्की 375एमएल बरामद हुई. कुल जब्त शराब की मात्रा 17.625 लीटर और बाजार मूल्य लगभग 16,700 रूपये आंका गया है. सभी बोतलों पर फॉर सेल इन झारखंड आन्ली लिखा था. गिरफ्तार युवक की पहचान अजय कुमार शर्मा (उम्र 23 वर्ष), पिता- लाल चंद महतो, निवासी- कतरास मोड़, कुम्हार पट्टी, थाना झरिया, जिला धनबाद के रूप में हुई है. पूछताछ में उसने बताया कि अधिक पैसे कमाने के उद्देश्य से वह झारखंड से शराब ले जाकर पटना (बिहार) में ऊँचे दामों पर बेचता था.

धनबाद में बढ़ रहे नाबालिगों के साथ यौन शोषण के मामले

यौन शोषण से पीड़ित चार बच्चियों को सीडब्ल्यूसी में किया गया प्रस्तुत

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद में पॉक्सो के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है. एक दिन में चार पॉक्सो पीड़िताओं को सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत किया गया. सभी चार बच्चियां झरिया, तिसरा, लोदना और तोपचांची थाना क्षेत्र की रहनेवाली हैं. तोपचांची का मामला दो समुदाय से जुड़ा हुआ है इसलिए पुलिस ने सतर्कता के साथ मामले को हैंडल किया. लोदना पुलिस की माने तो वहां बच्ची के साथ कई वर्षों से शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण किया जा रहा था.बच्ची अब वयस्क भी हो गई है. सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने बताया कि सभी मामलों में आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है. उन्होंने कहा ऐसे मामलों में काउंसलिंग की व्यवस्था की जा रही है. बच्चियां झांसे में आकर बुरी तरह से उलझ जाती हैं. इंस्टाग्राम और फेसबुक के चक्कर में ऐसी घटनाओं में वृद्धि जो रही है.सोमवार को हुई सुनवाई में ममता अरोड़ा, संध्या सिन्हा, सहायक निखिल मंडल, रूपेश कुमार आदि उपस्थित थे.

सीडब्ल्यूसी की पहल रंग लाई

मुर्शिदाबाद की दो बहनों को मिल गए परिजन

धनबाद। लगभग पंद्रह दिन धनबाद स्टेशन में चाइल्ड हेल्प लाइन की टीम ने रेस्क्यू किया था. वासेपुर निवासी एक व्यक्ति ने छोटा अम्बोना में पंद्रह और सात साल की दो बहनों को देखा था. मेडिकल के बाद दोनों बहनों को बालिका गृह में आवासित किया गया था. सामाजिक अन्वेषण में भी कुछ पता नहीं चला था. दोनों बहने विस्तृत पता आदि बता भी नहीं रही थी. सिर्फ़ काकुरिया का उल्लेख आया था. सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने मुर्शिदाबाद जिले के शमसेरगंज थाना से संपर्क किया तो असलियत सामने आई. बच्चियों के ग़ायब होने के संबंध में उक्त थाने में एफआईआर दर्ज हुआ था. बच्चियों के पिता हैदराबाद में रहते हैं. शमसेरगंज थाना के चार सदस्यीय पुलिस दल पिता की मौजूदगी में बच्चियों को यहां से ले गया. सीडब्ल्यूसी ने मुर्शिदाबाद सीडब्ल्यूसी को दोनों बच्चियों के केस को ट्रांसफर कर दिया है. दोनों बच्चियां बोलपुर गई थी. वहां एक व्यक्ति ने दोनों को कोलकाता वाली ट्रेन में चढ़ाया था. पैसे भी दिए थे. एक संदिग्ध व्यक्ति भी साथ था. पुलिस हर बिंदु पर तहकीकात कर रही है. पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे इंसान अली ने बताया धनबाद सीडब्ल्यूसी के प्रयास से एक चर्चित मामले का पटाक्षेप हुआ.

जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने का जारी किया निर्देश

टास्क फोर्स की बैठक में उठा राजा तालाब अतिक्रमण का मुद्दा

शुभम संदेश। धनबाद

खास बातें

- जल स्रोतों तथा सरकारी भूमि का संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय के सभागार में जल स्रोतों के संरक्षण, अतिक्रमण की रोकथाम तथा प्रदूषण मुक्त बनाए जाने को लेकर टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई. इस दौरान उपायुक्त ने अंचलवार सभी तालाबों, नदी व जलस्त्रोत की जानकारी संबंधित अंचलाधिकारी से प्राप्त की. साथ ही अंचलवार तालाबों एवं आस-पास की सरकारी जमीनों का हो रहे अतिक्रमण की जानकारी भी अंचलाधिकारी से ली गई. इस दौरान झरिया अंचल अधिकारी ने बताया कि बीसीसीएल के क्षेत्र में पूर्व में बने तालाब में अतिक्रमण हो रखा है, जिसको लेकर बीसीसीएल को नोटिस भी किया गया है. वहीं राजा तालाब पर हुए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई करनी है. उपायुक्त ने कहा कि तालाब चाहे सरकारी जमीन पर हो या रैयत के जमीन पर उसे अतिक्रमण करना गैर कानूनी है. अगर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण किया जाता है तो उसे पर ठोस कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि जल स्रोतों तथा सरकारी भूमि का संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. इस दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने कहा कि जिस भी तालाब की गहराई काम हो रखी है उसका गहरीकरण करना सुनिश्चित करें. साथ ही जिस तालाब में जीर्णोद्धार की आवश्यकता है, उसकी भी सूची बनाकर जिला को उपलब्ध कराएं. मौके पर नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार समेत विभिन्न अंचल के अंचल अधिकारी, सिटी मैनेजर अमनदीप कुमार मौजूद थे.

आसनसोल

जलसंकट के समाधान के लिए अस्पताल में पानी टंकी निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ

वार्ड 67 में पानी टंकी के लिए मिट्टी और पाइप लाइन कार्य का हुआ सर्वेक्षण

शुभम संदेश। बराकर

बराकर के वार्ड 67 के ऊपरी क्षेत्रों में पानी की समस्या के समुचित निदान के लिए निगम की ओर से हॉस्पिटल कैंपस में एक ओवर हेड पानी टंकी का निर्माण कार्य जल्द होगा प्रारंभ. इस संदर्भ में सोमवार को वार्ड 67 की पार्षद टूपा चौधरी के नेतृत्व में टीम के सदस्यों ने टंकी की जगह का सर्वेक्षण करने पहुंचे. पानी टंकी निर्माण के लिए अस्पताल के कैंपस में मिट्टी का सर्वेक्षण पूरा होने के बाद निगम द्वारा टंकी का प्रपोजल किया जा चुका है. टंकी में बराकर रिजर्वर से एक सेपरेट पाइप लाइन टंकी तक की जाएगी. टेंडर पास होने के बाद सोमवार को सुप्रीत इंटरप्राईजेज दक्षिणेश्वर द्वारा पाइप लाइन के कार्य की सर्वे कर मापी की गई. कंपनी के कांट्रेक्टर ने बताया कि बराकर वॉटर रिजर्वर से टंकी तक कुल 3836 मीटर पाइप बिछाने का कार्य जल्द ही प्रारंभ किया जाएगा. इस पानी टंकी के निर्माण होने से बराकर के ऊपरी क्षेत्र हॉस्पिटल रोड, लखियाबद, स्टेशन रोड के लोगों को पानी की समस्या से निजात मिलेगी. इस दौरान पार्षद के साथ पार्षद पति राजा चौधरी, वार्ड अध्यक्ष अली हुसैन उर्फ मुन्ना, टीएमसी नेता अब्दुल बारीक एवं समीर घोष मुख्य रूप से उपस्थित थे.

सावन की पहली सोमवारी पर बाबा सिद्धेश्वरी नाथ मंदिर में उमड़े शिवभक्त

शुभम संदेश। बराकर

बराकर बैगुनिया स्थित केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीनस्थ प्राचीन सिद्धेश्वरी नाथ मंदिर में सावन माह की प्रथम सोमवारी को हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा सिद्धेश्वरी नाथ को जल अर्पित किया. रविवार रात्रि से ही कुल्टी क्षेत्र के साथ-साथ झारखंड से भी बड़ी संख्या में कांवड़िये बोलबम के जयकारों के साथ मंदिर परिसर पहुंचने लगे थे. हालांकि पिछली वर्षों की तुलना में इस बार सोमवारी को भीड़ कुछ कम देखी गई, लेकिन रात्रि 12 बजे के बाद डिशेरगढ़ नदी से जल भरकर बाबा के दरबार में जल अर्पण के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा. **सेवा में जुटे रहे कई सामाजिक संगठन:** हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मारवाड़ी युवा मंच, वारकर ग्रेटर शाखा की ओर से श्रद्धालुओं के लिए चाय, बिस्कुट और शीतल पेय जल की व्यवस्था की गई. वहीं समाजसेवी व शगुन के प्रोपराइटर चिकी माखरिया के परिवार द्वारा पायस (खीर) वितरित किया गया. समिति के सदस्य स्वयं अपने हाथों से श्रद्धालुओं को सेवा प्रदान करते नजर आए. पिछले 25 वर्षों से लगातार सेवा दे रही बोलबम सेवा समिति द्वारा कांवड़ियों की सुविधा, सुरक्षा और सुव्यवस्थित जलार्पण की व्यवस्था में सक्रिय रूप से लगे रहे.

ब्रीफ खबरें

ओम प्रकाश के घर केंद्रीय आयकर टीम का सर्वे

कुल्टी। कुल्टी थाना के नियामतपुर पुलिस फाड़ी के ठीक पीछे एक बिल्डिंग में केंद्रीय आयकर विभाग की टीम की ओर से सर्वे अभियान चलाया गया. मिली जानकारी के अनुसार ईसीएल के पूर्व कर्मी ओम प्रकाश साव व्यवसाई के घर केंद्रीय आयकर विभाग की टीम सोमवार की दोपहर पहुंची. इस दौरान केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान घर के बाहर तैनात देखे गए. इस कार्रवाई से क्षेत्र में हलचल तेज हो गयी है. व्यवसायी के घर केंद्रीय आयकर विभाग की टीम किस कारण से पहुंची है, इसकी कोई सूचना समाचार लिखे जाने तक नहीं मिल पाई. संध्या चार बजे तक अभियान जारी रहा.

अनियंत्रित कार तालाब में गिरी

पुरुलिया। झालदा थाना क्षेत्र के जारगो गाँव सोमवार को एक चार पहिया वाहन तालाब में जा गिरा. घटन में दो लोग बाल-बाल बच गए. बताया जाता है कि गांव के गंगाधर महतो अपने साथी के साथ अपनी नई स्विफ्ट डिजायर कार से दुअर्शिनी मंदिर जा रहे थे. रास्ते में विपरीत दिशा से आ रहे एक साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में स्विफ्ट अनियंत्रण हो कर जारगो बारो स्थित तालाब में जा गिरी. घटना के उपरांत स्थानीय निवासी मिकू मोदक और अन्य लोग तुरंत बचाव कार्य में जुट गए. गाड़ी सवार लोगों को गाड़ी से निकाल कर दोनों को झालदा प्रखंड स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया. अस्पताल सूत्रों के अनुसार, वे फिलहाल स्वस्थ हैं. कई घंटों की मशक्कत के बाद गाड़ी को भी तालाब से निकाल लिया गया.

शहीद रैली में हुड़ा से जायेंगे 5000 समर्थक

पुरुलिया। 21 जुलाई को धर्मतल्ला में आयोजित तृणमूल की शहीद रैली की सफलता के लिए सोमवार को पुरुलिया जिले के हुड़ा ब्लॉक के लालपुर सामुदायिक भवन में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई. बैठक का आयोजन खोरा ब्लॉक अध्यक्ष प्रोसेनजीत महतो ने किया. पूर्व विधायक स्वपन कुमार बेलथरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष गुरुपद टुडू, पूर्व चेयरमैन हंसेश्वर महतो, सुभाष महतो सह संरक्षक सहदेव महतो आदि उपस्थित थे. हुड़ा प्रखंड से 5000 कार्यकर्ताओं और समर्थकों को ले जाने का संकल्प लिया गया.

सुरजीत मिश्रा बने आईएसपी व डीएसपी के निदेशक प्रभारी

शुभम संदेश। बर्नपुर

सुरजीत मिश्रा को बर्नपुर एवं दुर्गापुर स्टील प्लांट का निदेशक प्रभारी नियुक्त किया गया है. उनकी नियुक्ति 31 जुलाई 2028 उनके सेवानिवृत्त होने तक या अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी. एक अनुभवी इंजीनियरिंग पेशेवर के रूप में सुरजीत मिश्रा ने भुवनेश्वर स्थित ओडिशा यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च से इंजीन्यरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है. उन्होंने जुलाई 1990 में सेल में अपने करियर की शुरुआत विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील लिमिटेड (वीआइएसएल), भद्रावती, कर्नाटक से की, जहाँ उन्होंने इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस, ब्लास्ट फर्नेस संचालन तथा संयंत्र कार्यों में महत्वपूर्ण अनुभव अर्जित किया. नेतृत्व और तकनीकी दक्षता में निरंतर उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हुए, सुरजीत मिश्रा 2020 में वीआईएसएल में मुख्य महाप्रबंधक (संकार्य) के पद तक पहुंचे, साथ ही कार्यपालक निदेशक (संकार्य) के उत्तरदायित्व को भी निभाया. जून 2022 में उन्हें दुर्गापुर स्टील प्लांट स्थानांतरित किया गया, जहाँ उन्होंने मेंटेनेंस विभाग की पूर्ण जिम्मेदारी संभाली . इसके बाद वे इस्को स्टील प्लांट में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (परियोजना) के रूप में स्थानांतरित हुए. जुलाई 2023 में उन्हें कार्यपालक निदेशक (परियोजना) के पद पर पदोन्नत किया गया. उत्पादन और परियोजना प्रबंधन दोनों में मजबूत पृष्ठभूमि के साथ, सुरजीत मिश्रा अब बर्नपुर और दुर्गापुर स्टील प्लांट की कमान संभालेंगे. वे आईएसपी में चल रहे विस्तार परियोजना सहित प्रमुख रणनीतिक पहलों का नेतृत्व करेंगे, जो सेल की संचालन क्षमता और दीर्घकालिक विकास को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा.

सकड़ मरम्मत की मांग पर ग्रामीणों ने किया आंदोलन

शुभम संदेश। पुरुलिया

काशीपुर ब्लॉक के सोनाईजुरी ग्राम पंचायत के कालाझोर गांव की जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग पर सोमवार को स्थानीय निवासियों ने सड़क मरम्मत की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया है. जानकारी के अनुसार यहां की सड़क की लंबे समय से मरम्मत नहीं हुई है. जिससे फिलहाल सड़क की अवस्था बेहाल हो गई है. स्थानीय लोगों का कहना है कि कालाझोर गाँव की सड़क पिछले दो-तीन महीनों से खस्ताहाल है. स्थानीय ब्लॉक प्रशासन और पंचायत को अवगत कराने के बाद भी इस सड़क की मरम्मत नहीं की गई है. जिसके चलते लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं. प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्कूली बच्चे और आम लोग अपनी जान जोखिम में डालकर यात्रा कर रहे हैं. जिले भर में लगातार बारिश से सड़कों की स्थिति खराब हो गई है. कालाझोर गांव में सड़क की मरम्मत की माँग को लेकर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी है. उनका कहना है कि वे नाकाबंदी तभी हटाएँगे जब उन्हें जल्द ही सड़क की मरम्मत का आश्वासन मिलेगा.

होल्डिंग टैक्स , ट्रेड लाइसेंस के दो दिवसीय शिविर का आयोजन

शुभम संदेश। बराकर

आसनसोल नगर निगम की ओर से बराकर बैगुनिया चेंबर ऑफ कॉमर्स की सहयोगिता से दो दिवसीय होल्डिंग टैक्स एवं ट्रेड लाइसेंस शिविर कैंप का आयोजन चेंबर कार्यालय में किया गया. बराकर बैगुनिया चेंबर अध्यक्ष शंकर शर्मा ने बताया की दो दिवसीय होल्डिंग टैक्स एवं ट्रेड लाइसेंस शिविर कुल्टी क्षेत्र के व्यवसाई ओर आम लोगों की सुविधा के लिए लगाया गया है. मेयर ने बताया कि आम लोगों की मांग पर बकाया होल्डिंग टैक्स ओर ट्रेड लाइसेंस को लेकर कैंप लगाया गया है. कैंप में दो वित्तीय वर्ष 24 ओर 25 , 25 ओर 26 होल्डिंग टैक्स पर दस प्रतिशत की छूट दी गई है. वही ट्रेड लाइसेंस एक वर्ष, दो वर्ष और पांच वर्ष के रिन्यूअल को सुविधा की गई. कार्यक्रम से पूर्व बैगुनिया बराकर चेंबर के अध्यक्ष के नेतृत्व में निगम की ओर से आई टीम के अधिकारियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया.

चेंबर सदस्यों में बाबू कौर, चरण सिंग गांधी, कल्याण मखरिया, रामरतन सिंघानिया, बिनोद अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, अजय सिंघानिया, विजय अग्रवाल, अरिंदम रखीत, सहित चेंबर के सभी सदस्य शामिल रहे.

मानसून में रेनकोट की ऐसे करें सफाई

बारिश के मौसम में रेनकोट बड़े काम की चीज होती है। खासकर जब ऑफिस जाना हो या जब बच्चे स्कूल जाते हैं और तेज बारिश होने लगे तो रेनकोट का महत्व बढ़ जाता है। लेकिन बारिश के मौसम में रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद उसका सही से ध्यान नहीं रख जाता है तो रेनकोट खराब भी हो जाता है या रेनकोट के ऊपर फफूंदी के दाग भी लग जाते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप रेनकोट को हमेशा नया बनाकर रख सकते हैं।

ऐसे करें सफाई

रेनकोट की सफाई करना काफी आसान है, लेकिन ध्यान से साफ नहीं किया गया तो रेनकोट खराब भी हो सकता है। इसलिए उसकी सफाई कर आपको ध्यान देने की जरूरत है। रेनकोट को साफ करने के लिए आपको माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए एक लीटर पानी में माइल्ड डिटर्जेंट को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और रेनकोट को डालकर कुछ देर छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट हाथों से साफ कर लें और हवा के नीचे के रख दें।

ऐसे निकाले दाग

अगर रेनकोट पर मिट्टी या फिर फिर किसी अन्य चीज का दाग लग गया है तो आप उसे आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बार नॉर्मल पानी से साफ कर लें। अब दाग वाली जगह पर नींबू के रस को डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट क्लीनिंग ब्रश से दाग को साफ कर लें। साफ करने के बाद हवा के नीचे रख दें।

तेज धूप में न रखें

जी हां, अगर इस्तेमाल करने के बाद रेनकोट को तेज धूप में रखते हैं तो रेनकोट कभी भी खराब हो सकता है। इसलिए रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद तेज धूप में नहीं बल्कि पंखा के नीचे रख दें। जब रेनकोट से पानी पूरी तरीके से निकल जाए तो फिर आप उसे फोल्ड करके रख सकते हैं।

पैक करके रखने से पहले रखें ये ध्यान

ऐसा नहीं कि इस्तेमाल किया और सीधा फोल्ड करके रेनकोट को अंदर रख दिया। इससे रेनकोट कभी भी खराब हो सकता है। ऐसे में एक से दो-दिन सूखने के बाद ही रेनकोट को पैक करके अंदर रखें। रेनकोट पैक करने वक्त आप एक पेपर में नेप्थलीन की गोली लपेट लीजिए और अंदर रख दें। इससे रेनकोट फ्रेश रहेगा।

मानसून के मौसम में घर के अंदर होती है घुटन

तो अपनाएं ये कमाल के वेंटिलेशन डिजाइन

मानसून का मौसम खुशियों और त्योहारों का मौसम होता है, लेकिन साथ ही यह घर में घुटन और उमस का भी मौसम होता है। बंद खिड़किया और दरवाजे, बारिश का पानी, और हवा में नमी घर के अंदर एक भारीपन सा माहौल पैदा कर सकती है। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान वेंटिलेशन डिजाइन अपनाकर आप अपने घर को हवादार और खुशनुमा बना सकते हैं।

वेंटिलेशन डिजाइन क्या है

वेंटिलेशन डिजाइन, घरों में ताजी हवा के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया है। इसमें कमरे से प्रदूषित हवा को बाहर निकालकर बाहर से ताजी हवा दी जाती है।

वेंटिलेशन डिजाइन के कई फायदे हैं

- ठंड के मौसम में हवा की गुणवत्ता बनाए रखना
- गर्म मौसम में तापमान को कंट्रोल करना
- नमी, धुआं, खाना पकाने की गंध, और इनडोर प्रदूषकों से छुटकारा पाना
- अटारी में गर्मी के स्तर को कंट्रोल करना
- क्रॉलस्पेस और बेसमेंट में नमी को कंट्रोल करना
- दीवारों से नमी को दूर रखना
- पानी के इस्तेमाल के कारण नमी के प्रभाव को कंट्रोल करना
- कंप्यूटिंग गैजेट से केमिकल के उत्सर्जन को कंट्रोल करना
- खाना पकाने के कारण दहन को कंट्रोल करना
- घर में गंध को कंट्रोल करना
- घर के अंदर अलग से कार्बन डाइऑक्साइड को कंट्रोल करना

घर में वेंटिलेशन के कई तरह के हो सकते हैं

नेचुरल वेंटिलेशन

खिड़कियों और दरवाजों के जरिए हवा का आना-जाना। यह वेंटिलेशन का सबसे बेहतर तरीका है। इसलिए, जब भी संभव हो, खिड़कियां और दरवाजे खोलकर ताजी हवा को घर के अंदर आने दें। विपरीत दिशाओं में खिड़कियां और दरवाजे खोलकर हवा को घर से गुजरने का रास्ता दें। छत या दीवारों में रोशनदान सेट करें ताकि ऊपर की गर्म हवा बाहर निकल सके। बाथरूम और रसोई में एयर वेंट लगाएं, जहां नमी और गंध जमा होने की संभावना होती है। घर के अंदर कुछ छोटे पौधे लगाएं जो हवा को शुद्ध करने में मदद करते हैं।

मेकैनिकल वेंटिलेशन

इसमें बाहरी पंखे, अटारी पंखे और पूरे घर के पंखे शामिल हैं। नए और मौजूदा दोनों तरह के ऊर्जा-कुशल घरों में इनडोर एयर क्वालिटी बनाए रखने के लिए यांत्रिक वेंटिलेशन की जरूरत होती है। छत के पंखे और टेबल फैन का इस्तेमाल करके हवा को घुमाएं। इसमें हीट रिकवरी वेंटिलेशन या एनर्जी रिकवरी वेंटिलेशन शामिल है। वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे इमारत में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं। इसलिए, वेंटिलेशन सिस्टम चुनते समय आपके घर के लेआउट और

वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे घर में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं।

जरूरतों को ध्यान में रखना जरूरी है। आप इन तरीकों से अपने घर में वेंटिलेशन बढ़ा सकते हैं

- मौजूदा वेंटिलेशन सिस्टम का सही इस्तेमाल करें
- खिड़कियां या जालीदार दरवाजे खोलें
- रसोई में वेंटिलेशन पंखा लगाएं

अपने घर में वेंटिलेशन कैसे बढ़ाएं

घर और खुले स्थानों की ओर हवा लाने के लिए पेड़ लगाएं। पेड़ों को एक-दूसरे के बहुत पास न लगाएं, क्योंकि घने हवा को अंदर नहीं आने देते। तेज हवाओं के दौरान नुकसान से बचने के लिए पेड़ों और घर के बीच दूरी बनाएं। पेड़ से घर की दूरी पेड़ की ऊंचाई से ज्यादा होनी चाहिए। अगर आपके घर में विंडो एयर कंडीशनर है, तो उसे चलाएं जिसमें बाहरी हवा का प्रवेश या वेंट हो। वेंट खुला रहने दें। अगर आपके HVAC सिस्टम में बाहरी हवा का प्रवेश है, तो उसे खोलें। अगर आपने छत का पंखा नहीं लगवाया है, तो खुली खिड़की के पास जितना हो सके, एक स्टैंडअलोन पंखा लगाएं ताकि हवा बाहर की ओर जाए। अच्छे वेंटिलेशन से घर में ताजी हवा आती है, हवा फिल्टर होती है, और हवा का प्रवाह बेहतर होता है। इससे एयरबस के कण कम होते हैं और बीमारियां फैलने से रोका जा सकता है। साथ ही, हवादार घर में धूल के कणों को कंट्रोल रखा जा सकता है।

सावन के मौके पर घर के आंगन से लेकर मंदिर तक में बनाएं जा सकते हैं भगवान शिव से जुड़ी रंगोली के ये डिजाइंस

घर को सजाना हम सभी पसंद करते हैं। वहीं तीज-त्योहार के मौके पर हम घर में साफ-सफाई से लेकर पूजा पाठ तक करते हुए कई चीजों का खासतौर से ध्यान रखते हैं।

सावन का महीना शुरू हो चुका है। हर सोमवार को पत्नियां अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और भगवान शिव की पूजा करती हैं। इस दिन पाठ-पूजा भी की जाती है। इस मौके पर आप घर के मंदिर में भगवान शिव से जुड़ी कई तरह की रंगोली बनाई जा सकती हैं। सावन के खास मौके पर मंदिर में बनाने के लिए रंगोली के कुछ आसान और खास डिजाइंस।

ओम रंगोली डिजाइन

भगवान शिव का चित्र बनाना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसके लिए आप घर के मंदिर के बाहर बड़े साइज की थाली या पूजा घर में ओम नाम: शिवाय लिख सकती हैं या केवल ओम भी रंगों या फूलों से लिख सकती हैं। रंगोली को भरा-भरा बनाने के लिए आप पहले बैकग्राउंड के लिए गोलाई में फ्रेम को तैयार करें।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को उड़ी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को उभार देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को उड़ी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को उभार देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती है तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

मोनोक्रोम आउटफिट में स्टनिंग दिखने के लिए इन टिप्स की लें मदद

मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइलिंग पिछले काफी समय से चलन में है। जिन महिलाओं के लिए कलर ब्लॉकिंग या कलर व्हील को ध्यान में रखकर सही कलर चुनने में परेशानी होती है, उनके लिए मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइल करना अच्छा ऑप्शन है। चूंकि इसमें आपको डिफरेंअ कलर्स सलेक्ट को लेकर बहुत अधिक परेशान नहीं होना पड़ता है और इसे स्टाइलिंग का सेफ ऑप्शन माना जाता है। लेकिन मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करना भी इतना आसान नहीं होता। अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट कैरी करना चाहती है तो यह जरूरी है कि आप इसे स्टाइल करते समय कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखें। अगर इसकी स्टाइलिंग के दौरान आपसे गड़बड़ी हो जाती है तो आपका लुक एकदम डल व बोरिंग नजर आता है। मोनोक्रोम आउटफिट की स्टाइलिंग के दौरान आपको कलर्स सलेक्शन से लेकर प्रिंट्स व पैटर्न आदि पर भी उतना ही ध्यान देना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करने के कुछ बेहतरीन आईडियाज शेयर कर रहे हैं, जिसे जानने के बाद आपको अपने लुक को एन्हॉन्स करना आसान हो जाएगा-

सही हो कलर

मोनोक्रोम आउटफिट में खुद को स्टाइल करते समय जिस बात का सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, वह है कलर। आप किसी भी कलर शेड को सलेक्ट करते समय अपनी स्किन टोन व ऑकेजन का खास ख्याल रखें। मसलन, अगर आप ऑफिस में मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल कर रही हैं तो ऐसे में आप व्हाइट व ब्लैक कलर को प्राथमिकता दे सकती है। वहीं एक पॉप लुक के लिए आप कुछ ब्राइट कलर्स व नियॉन कलर सलेक्ट करें।

लाइट व डार्क शेड

कई बार ऐसा होता है कि हम मोनोक्रोम लुक तो कैरी करना चाहते हैं, लेकिन एक ही कलर में डिफरेंट शेड्सको सलेक्ट करते हैं। इस तरह डिफरेंट शेड्स आपके लुक को खास बनाते हैं। हालांकि, इस दौरान भी आपको शेड्स को सलेक्शन स्मार्टली करना होता है। मसलन, लाइट टिंट आंख को आकर्षित करेगा और उस बॉडी पार्ट को अधिक हाइलाइट करेगा, जबकि एक डार्क शेड ध्यान भटकाएगा। इस तरह आप सही शेड सलेक्शन करें।

एसेसरीज का लें सहारा

मोनोक्रोमेटिक लुक कुछ लड़कियों को काफी बोरिंग लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो आप कुछ एसेसरीज के जरिए अपने लुक को स्पाइस अप कर सकती हैं। मसलन, आप हैट से लेकर सनग्लासेस, कुछ चंकी ज्वैलरीज आदि को अपने आउटफिट के साथ पेयर करें। यह आपके लुक की एकरसता को ब्रेककरेंगे और आपके लुक को अधिक स्टाइलिश बनाएंगे।

यूं एड करें टेक्सचर

अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट को स्मार्टली कैरी करती हैं तो इससे आप अपने लुक में टेक्सचर को भी बेहद खूबसूरती के साथ शामिल कर सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं। मसलन, आप एक स्लीक टॉप के साथ वुलन स्कर्ट को पेयर कर सकती हैं या फिर ब्लिंक निट स्वेटर के साथ स्लिम या शाइनी पैंट्स को स्टाइलकिया जा सकता है और इस तरह आप खुद को स्टाइल कर सकती है।

फुटवियर सलेक्ट

मोनोक्रोमेटिक लुक में आपके फुटवियर भी काफी अहम् होते हैं। इसमें भी आप कलर्स का सलेक्शन इस आधार पर करें कि आप किस तरह का लुक कैरी करना चाहती हैं। मसलन, व्हाइट, ब्लू एंड ब्लैक कलर मोनोक्रोमेटिक लुक में आप मैचिंग फुटवियर कैरीकरके एक एलीगेंट लुक पा सकती हैं। वहीं, अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में प्रिंटेड या फिर ब्राइट व नियॉन कलर को चुन सकती है। यह आपके लुक को एकदम से चेंज कर देगा।

मंथन

जेलों की दुर्दशाः नियमों की अनदेखी, व्यवस्था पर संकट

झारखंड की जेलों की मौजूदा स्थिति प्रशासनिक लापरवाही और संस्थागत कमजोरी की चिंताजनक मिसाल बनती जा रही है. राज्य की 31 जेलों में से अधिकांश का संचालन ऐसे कर्मियों के हाथों में है, जिन्हें जेल संचालन का न तो कानूनी अधिकार है और न ही आवश्यक प्रशिक्षण. यह न केवल झारखंड जेल मैनुअल 2025 के नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जेलों की सुरक्षा, अनुशासन और कैदियों के अधिकारों पर भी सवाल खड़े करता है. जेल मैनुअल के अनुसार जेलर और सहायक जेलर के पदों पर वर्दीधारी, प्रशिक्षित अधिकारी ही नियुक्त किए जाने चाहिए. बावजूद इसके, 20 जेलों में लिपिक, 3 में कंप्यूटर ऑपरेटर और 5 में सहायक कारापाल जैसे गैर-योग्य अधिकारी जेल संचालन का जिम्मा संभाल रहे हैं. यह व्यवस्था न केवल नियमों के प्रतिकूल है, बल्कि इससे जेलों में अनुशासनहीनता, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार हनन जैसी स्थितियों को भी बढ़ावा मिल सकता है. झारखंड जेल मेंस एसोसिएशन द्वारा उठाई गई चिंता बिल्कुल जायज है. जब प्रशिक्षित कक्षपाल, जो स्नातक और तकनीकी योग्यताएं रखते हैं, प्रोन्नति से वंचित हैं और अनुकंपा या दैनिक भुक्तान पर कार्यरत लिपिकों को संचालन का जिम्मा मिल रहा है, तो यह केवल पक्षपात नहीं बल्कि संस्था की नींव को ही कमजोर करने वाली बात है. सरकार को चाहिए कि वह तुरंत जेलों की आंतरिक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर, मैनुअल के अनुसार योग्य अफसरों की नियुक्ति सुनिश्चित करे. क्योंकि जेल केवल बंदियों की निगरानी की जगह नहीं, बल्कि सुधार की प्रयोगशाला होती है-जहां अव्यवस्था नहीं, अनुशासन और पारदर्शिता प्राथमिक होनी चाहिए.

नजरिया

झारखंड में मेट्रोः भविष्य की ओर बढ़ते निर्णायक कदम

झारखंड में मेट्रो रेल परियोजना की पहल राज्य के शहरी विकास की दिशा में बड़ा कदम है. रांची, जमशेदपुर व धनबाद जैसे प्रमुख शहरों में मेट्रो नेटवर्क की योजना न केवल यातायात के बोझ को कम करने वाली है, बल्कि यह राज्य के तेजी से शहरीकरण को सुदृढ़ और संतुलित बनाने की दिशा में भी महत्त्वपूर्ण साबित होगी. राज्य सरकार द्वारा केंद्र को भेजा गया प्रस्ताव इस बात का संकेत है कि झारखंड अब पारंपरिक ढांचागत विकास से आगे बढ़कर टिकाऊ और स्मार्ट शहरी परिवहन की ओर अग्रसर है. खास बात यह है कि इस परियोजना में ट्रांसिट ओरियेंटेड डेवलपमेंट मॉडल को अपनाया जा रहा है, जिससे न केवल परिवहन सुविधाएं सुलभ होंगी, बल्कि बेहतर ज़ोनिंग और हाई-डेंसिटी कॉरिडोर विकसित होकर आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मेट्रो की आवश्यकता को उठाना और फिर शहरी विकास विभाग का प्रस्ताव भेजना दर्शाता है कि सरकार इस परियोजना को लेकर गंभीर और तत्पर है. मेट्रो रेल नीति 2017 के मानकों को अपनाकर राज्य सरकार पीपीपी और वैल्यू कैप्चर फाइनेंसिंग जैसे मॉडल्स के जरिए वित्तीय और तकनीकी स्थिरता सुनिश्चित करना चाहती है. यह परियोजना न केवल झारखंड के शहरों को स्मार्ट सिटी के स्तर पर पहुंचाएगी, बल्कि रोजगार, निवेश और शहरी जीवन की गुणवत्ता को भी एक नई दिशा देगी. उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार इस प्रस्ताव पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी.

झारखंड में पेसा कानून लागू न होना अक्षम्य

विजय शंकर नायक

आदिवासी बहुल झारखंड में पेसा कानून लागू करने में देरी सवाल खड़ा करती है.

आदिवासी बहुल झारखंड राज्य में पेसा कानून को लागू करने में 25 वर्षों से अधिक की देरी ने कई सवाल खड़े किए हैं, जो संविधान के 73वें संशोधन की भावना के खिलाफ है. पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) भारत के आदिवासी समुदायों को स्वशासन, प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार, और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव,संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के नेतृत्व में बनाया गया था. जो एक क्रांतिकारी कानून है. यह कानून 73वें संवैधानिक संशोधन (1992) का हिस्सा था, जिसने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत किया. पेसा कानून 24 दिसंबर 1996 को संसद द्वारा पारित किया गया और इसे पांचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में लागू किया गया. इसका उद्देश्य आदिवासी समुदायों को स्वशासन और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण प्रदान करना था. पेसा को विशेष रूप से अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए बनाया गया था. यह कानून पांचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को सशक्त करता है. झारखंड, जो आदिवासी बाहुल्य राज्य है, में पेसा कानून को लागू करने में 25 वर्षों से अधिक की देरी ने कई सवाल खड़े किए हैं.

1996 में पेसा लागू होने के बाद, झारखंड राज्य का 2000 में गठन के बाद भी नियमावली तैयार नहीं की. 2022 में पहली ड्राफ्ट नियमावली जारी हुई, लेकिन आपत्तियों के कारण इसे लागू नहीं किया गया. 2023 में दूसरा ड्राफ्ट आया, और 29 जुलाई 2024 को झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार को दो महीने में नियमावली अधिसूचित करने का आदेश दिया, जो अब तक पूरा नहीं हुआ. उदाहरणः पंचायती राज विभाग की निदेशक निशा उरांव ने स्वीकार किया कि सुझावों पर विचार चल रहा है, लेकिन प्रक्रिया धीमी है. विभिन्न दलों की सरकारों (भाजपाः 2000-2019, झामुमो-कांग्रेस-आरजेडीः 2019-वर्तमान) ने पेसा को प्राथमिकता नहीं दी. हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि यह संविधान के 73वें संशोधन की भावना के खिलाफ है. खनन माफिया और औद्योगिक समूह पेसा के प्रावधानों से प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि यह ग्राम सभाओं को संसाधनों पर नियंत्रण देता है. उदाहरणः झारखण्ड में खनन क्षेत्रों में बिना ग्राम सभा की सहमति के खनन कार्य अवैध रूप से व्यापक रूप से हुए, जो पेसा लागू होने पर रुक सकते थे. कई आदिवासी समुदायों को पेसा के प्रावधानों की जानकारी नहीं है. उदाहरणः गुमला जिले में 2023 में एक सर्वे में 70% आदिवासियों ने कहा कि उन्हें पेसा के बारे में नहीं पता. विधि विभाग और पंचायती राज विभाग के बीच समन्वय की कमी ने नियमावली को अंतिम रूप देने में देरी की. उदाहरणः 2022 के ड्राफ्ट पर 500 से अधिक आपत्तियां प्राप्त हुईं, जिनका समाधान नहीं हुआ. झारखंड में कोयला, लौह अयस्क, और अन्य खनिजों का बड़े पैमाने पर खनन होता है. पेसा लागू होने से ग्राम सभाओं की सहमति जरूरी होगी, जो खनन कंपनियों के लिए बाधा बन सकता है. उदाहरणः राज्य के पत्थर, आयरन ओर, मैंगनीज, कोयला खनन एवं अन्य खनिजों के लिए ग्राम सभाओं की अनदेखी की गई. भाजपा और झामुमो-कांग्रेस गठबंधन एक-दूसरे पर पेसा लागू न करने का आरोप लगाते हैं. भाजपा जो 15 वर्षों तक झारखंड में सत्तासीन रहीं मग़र उसने कभी भी पेसा कानून को लागू करने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की. पेसा लागू होने से आदिवासियों का सशक्तिकरण होगाः ग्राम सभाएं जल, जंगल, जमीन, और लघु खनिजों (जैसे बालू, पत्थर) पर नियंत्रण प्राप्त करेंगी. उदाहरणः मध्य प्रदेश में पेसा लागू होने के बाद कुछ ग्राम सभाओं ने लघु वन उपज से आय अर्जित की. ग्राम सभाएं विकास योजनाओं, सामाजिक विवादों, और छोटे अपराधों का निपटारा कर सकेंगी. उदाहरणः छत्तीसगढ़ के बस्तर में ग्राम सभाओं ने स्थानीय विवादों को सुलझाने में सफलता पाई. ग्राम सभाओं को बाजार प्रबंधन और छोटे जल निकायों से आय होगी.

झारखंड में पेसा लागू करने के लिए सर्वदलीय सहमति जरूरी है. आदिवासी समुदायों को जागरूक कर व दबाव बना कर इस कानून को लागू करवाया जा सकता है, ताकि झारखंड के शोषित-पीड़ित आदिवासियों को संवैधानिक अधिकार मिल सके.

उदाहरणः महाराष्ट्र में कुछ ग्राम सभाओं ने मछली पालन से आय बढ़ाई. आदिवासी परंपराओं और प्रथागत कानूनों को मान्यता मिलेगी. उदाहरणः राजस्थान में पेसा के तहत आदिवासी रीति-रिवाजों को संरक्षित किया गया.

खनन माफिया और औद्योगिक घरानों, प्रशासनिक अधिकारियों, नेताओ की रहीं है क्योंकि पेसा उनके निजी हितों को नुकसान करेगा क्योंकि पेसा से खनन कंपनियों को ग्राम सभा की सहमति लेनी होगी. उदाहरणः छत्तीसगढ़ में कुछ खनन परियोजनाएं रुकीं, क्योंकि ग्राम सभाओं ने सहमति नहीं दी. ग्राम सभाओं को अधिक शक्तियां देने से स्थानीय प्रशासन के साथ टकराव हो सकता है. उदाहरणः मध्य प्रदेश में पंचायत और गृह विभाग के बीच नियमों को लेकर विवाद रहा है. जबकि पेसा कानून 24 दिसंबर 1996 को लागू हुआ और 10 राज्यों (आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तेलंगाना) पर लागू है.

आज झारखंड में पेसा लागू करने के लिए विभिन्न आदिवासी संगठनो के द्वारा लगातार आंदोलन के माध्यम से दबाव बनाया जा रहा है, मग़र सरकार पेसा को लागू करने के कोई ठोस पहल अभी तक नहीं की है. लगातार आदिवासी संगठनों का आंदोलन चल रहा है. इस कानून को लागू कराने हेतु हाईकोर्ट की निगरानी भी चल रहीं है. समय की मांग है कि सर्वदलीय सहमति बना कर सभी दलों (झामुमो, कांग्रेस, आरजेडी, भाजपा) को एक मंच पर लाकर नियमावली को अंतिम रूप देना चाहिए और केंद्र को भी इस दिशा मे हस्तक्षेप कर राज्य की सरकार को दबाव डालने की विशेष आवश्यकता है नहीं तो स्पष्ट और कड़ी चेतावनी दे कि जबतक पेसा कानून लागू नहीं किए जाते तबतक केंद्र सरकार से आर्थिक प्रोत्साहन और तकनीकी सहायता और झारखंड को अनुदान नहीं दिया जाएगा.

(लेखक आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष हैं)

आज का इतिहास

1611: आमेर के राजा व मुगल सेनापति जय सिंह का जन्म हुआ.
1883: भारतीय व्यवसायी जमशेद जी जीजाभाई का जन्म. वह धनी और दानवीर थे.
1903: भारत रत्न सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता के. कामराज का जन्म.
1910: क्रेपलिन ने एलॉइस अल्जाइमर के नाम पर अल्जाइमर बीमारी का नाम दिया.
1912: भारतीय सेना के उच्च अधिकारी मो. उस्मान का जन्म हुआ था.
1925: अभिनेता, निर्देशक व रंगमंच के हस्ताक्षर बादल सरकार का जन्म हुआ था.
1937: हिंदी के जाने-माने पत्रकार प्रभाष जोशी का जन्म आज ही के दिन हुआ था.
1984: सिखों के अशांत होने के बाद पंजाब को आतंकवाद ग्रस्त घोषित किया गया था.
2002: अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल के हत्यारे उमर शेख को पाकिस्तानी अदालतने मौत की सजा सुनाई.

चिंतन

अपना दीपक और सरकार का दीपक, दोनों अलग हैं

बहुत पुराने समय की बात है, मगध साम्राज्य के सेनापति अपने किसी व्यक्तिगत काम से आचार्य चाणक्य से मिलने पाटलिपुत्र पहुंचे. शाम की वेला ढल चुकी थी, आचार्य चाणक्य पावन गंगा तट पर अपनी पर्ण कुटिया में, मद्धिम दीपक के प्रकाश में कुछ लिख रहे थे.

कुछ देर इंतजार करने के बाद जब सेनापति कुटिया के भीतर दाखिल हुए, तो उनके प्रवेश करते ही आचार्य चाणक्य ने सेवक को जोरदार आवाज़ लगायी और कहा, सेवक, आप कृपया इस दीपक को ले जाइए और दूसरा दीपक जला कर यहां रख दीजिए.

सेवक ने तत्काल आचार्य चाणक्य की आज्ञा का पालन करते हुए ठीक वैसा ही किया.

जब आचार्य चाणक्य से चर्चा समाप्त हो गयी, तब सेनापति ने उत्सुकतावश उनसे सटीक प्रश्न किया- हे महाराज, हे आचार्य जी, मेरी एक बात समझ नही आई! मेरे आगमन पर आपने एक दीपक बुझवा कर रखवा दिया और ठीक वैसा ही दूसरा दीपक जला कर रखने को सेवक को आदेश दे दिया.. जब दोनों दीपकों में कोई खास अंतर नहीं था तो ऐसा करने का क्या औचित्य है?

इस बात पर आचार्य चाणक्य ने मुस्कुराते हुए सेनापति से कहा- सेनापति, भाई पहले जब आप आए, तब मैं अपने राज्य का काम-काज कर रहा था, उसमें राजकोष का ख़रीदा गया तेल डाला गया था, पर जब मैंने आपसे बात की, तो तुरंत अपना दीपक जलाया. क्योंकि आपके साथ हुई बातचीत मेरे लिए व्यक्तिगत थी. मुझे अपने राज्य के धन को व्यक्तिगत कार्य में खर्च करने का कोई अधिकार नही, इसीलिए मैंने ऐसा किया.

आचार्य चाणक्य ने अपनी बात कहनी जारी रखी- स्वदेश से प्रेम का अर्थ है अपने देश की हर वस्तु को अपनी वस्तु समझ कर उसकी रक्षा करना. ऐसा कोई काम मत करो, जिससे देश की महानता को आघात पहुचे, प्रत्येक देश की अपनी संस्कृति और आदर्श होते हैं. उन आदर्शों के अनुरूप काम करने से ही देश के स्वाभिमान की रक्षा होती है.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #सावन_सोमवार
2. #हर_हर_महादेव
3. jikook
4. #SarojaDevi
5. #SmileOnInnocentFaces
6. #BissellPrimeDay
7. भगवान शिव
8. Jago Hindu
9. jungkook
10. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

बहुरंग

‘द फैमिली मैन-3’ की शूटिंग पूरी, इस साल अंत तक होगी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज

काफी वक्त से दर्शक बेसब्री से मनोज बाजपेयी की चर्चित वेब सीरीज़ ‘द फैमिली मैन’ के तीसरे सीजन का इंतज़ार कर रहे हैं. इस बार कहानी और भी दिलचस्प होने जा रही है, क्योंकि सीजन-3 में जयदीप अहलावत और निमरत कौर की एंट्री हो चुकी है, जिससे उत्साह और भी बढ़ गया है. कुछ दिन पहले मेकर्स ने ‘द फैमिली मैन-3’ का पहला वीडियो टीज़र रिलीज़ किया था, जिसमें मनोज बाजपेयी समेत कई प्रमुख किरदारों की झलक देखने को मिली थी. अब खुद मनोज बाजपेयी ने बताया है कि यह सीरीज कब तक दर्शकों के सामने आने वाली है. रिपोर्ट्स के मुताबिक मनोज बाजपेयी ने खुलासा किया है कि ‘द फैमिली मैन-3’ की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह बहुप्रतीक्षित सीरीज़ इस साल अक्टूबर के अंत या नवंबर के पहले हफ्ते में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जा सकती है. मनोज ने कहा, शूटिंग खत्म हो गई है. जब हमने इस सफर की शुरुआत की थी, तब अंदाज़ा नहीं था कि ‘द फैमिली मैन’ को इतना ज़बरदस्त प्यार मिलेगा. क्या यह मेरा सबसे लोकप्रिय काम है? मैं कहूंगा, हां, बिल्कुल. मनोज बाजपेयी ने आगे कहा, “फिलहाल मैं इतना ही कहूंगा कि अगर आपको ‘द फैमिली मैन’ के पहले और दूसरे सीजन पसंद आए हैं, तो तीसरा सीजन आपको बिल्कुल भी निराश नहीं करेगा. इस बार सीरीज की जान जयदीप अहलावत हैं. मैं हमेशा से ऐसे कलाकारों के साथ काम करना चाहता था.” ‘द फैमिली मैन-3’ में एक बार फिर प्रियामणि और शारिब हाशमी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. इस सीरीज़ का निर्माण राज और डीके की मशहूर जोड़ी ने अपने बैनर डी2आर फिल्म्स के तहत किया है, जो इससे पहले भी शो को बड़ी सफलता दिला चुके हैं.

तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर चमकी ‘मालिक’ पसंद आया राजकुमार राव का गैंगस्टर लुक

अभिनेता राजकुमार राव इन दिनों अपनी हालिया रिलीज ‘मालिक’ को लेकर सुर्खियों में हैं. 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म को जहां समीक्षकों ने सराहा, वहीं दर्शकों ने भी राजकुमार के नए गैंगस्टर लुक को काफी पसंद किया. हालांकि फिल्म की ओपनिंग थोड़ी धीमी रही, लेकिन वीकेंड पर इसकी कमाई में अच्छी बढ़त देखने को मिली है. पहली बार इस अंदाज़ में नजर आए राजकुमार राव को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, और फिल्म की रफ्तार अब धीरे-धीरे पकड़ने लगी है. अब फिल्म की तीसरे दिन की कमाई सामने आ गई है. बॉक्स ऑफिस डेटा ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक राजकुमार राव की फिल्म ‘मालिक’ ने रिलीज के तीसरे दिन 5.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया. फिल्म ने पहले दिन 3.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि दूसरे दिन इसमें उछाल आया और इसने 5.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. इसी रफ्तार को बरकरार रखते हुए तीसरे दिन भी फिल्म ने 5.25 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की. इस तरह ‘मालिक’ ने तीन दिनों में कुल 14.25 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है. अब नजरें इस पर टिकी हैं कि फिल्म वीकडेज में कितनी मजबूती के साथ टिक पाती है. ‘मालिक’ में राजकुमार राव पहली बार अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आए हैं, और दोनों की जोड़ी को दर्शकों से खूब सराहना मिल रही है. उनकी केमिस्ट्री फिल्म की खास बातों में से एक बन चुकी है. फिल्म में प्रोसेनजीत चटर्जी, हुमा कुरैशी और सौरभ शुक्ला जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं, जो कहानी को और भी गहराई देते हैं. इस एक्शन-ड्रामा फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है, जबकि इसका निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया है. ‘मालिक’ में राजकुमार राव एक बिल्कुल नए अवतार में दिखाई दे रहे हैं, जहां उनका एक्शन अवतार दर्शकों को खासा प्रभावित कर रहा है.

बॉक्स ऑफिस पर ‘मेट्रो... इन दिनों’ का घरेलू कलेक्शन 41.59 करोड़ रुपये

सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर की फिल्म ‘मेट्रो... इन दिनों’ को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 10 दिन पूरे हो चुके हैं. फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से सराहना मिली, जिसका सीधा असर इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी नजर आया. हालांकि, वीकडेज़ में फिल्म की रफ्तार थोड़ी धीमी रही, लेकिन वीकेंड पर ‘मेट्रो... इन दिनों’ ने बढ़िया कमाई करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया.

अब सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि रिलीज़ के 10वें दिन यानी दूसरे रविवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन किया. बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के अनुसार, ‘मेट्रो... इन दिनों’ ने अपने रिलीज़ के 10वें दिन, यानी दूसरे रविवार को 4.83 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन अब 41.59 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है. करीब 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने अब अपनी लागत निकाल ली है और मुनाफे की ओर बढ़ रही है. इस म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा में सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर के साथ पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे मंझे हुए कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं, जिन्होंने फिल्म की कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है. ‘मेट्रो... इन दिनों’ के निर्देशक ही नहीं, अनुराग बसु इस फिल्म के लेखक भी हैं. उन्होंने निर्माता भूषण कुमार के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट का प्रोडक्शन भी संभाला है.

बॉक्स ऑफिस पर नहीं चला ‘आंखों की गुस्ताखियां’ का जलवा

विक्रांत मैसी की फिल्म ‘आंखों की गुस्ताखियां’ 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. रिलीज से पहले फिल्म को लेकर दर्शकों और निर्माताओं दोनों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा. पहले दिन से ही फिल्म की कमाई लाखों में सिमटी रह गई. हालात ऐसे हैं कि वीकेंड पर भी फिल्म की बॉक्स ऑफिस रफ्तार में कोई खास इजाफा देखने को नहीं मिला. अब सभी की नजर इस पर है कि ‘आंखों की गुस्ताखियां’ ने अब तक कुल कितनी कमाई की है और क्या आने वाले दिनों में यह नुकसान की भरपाई कर पाएगी. बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर ‘आंखों की गुस्ताखियां’ ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को सिर्फ 41 लाख रुपये की कमाई की.

मेरे अंदर अभिनय को लेकर जुनून अब भी पहले जैसा ही है: दीपक तिजोरी

1990 के दशक के लोकप्रिय अभिनेता दीपक तिजोरी ने अपने दमदार अभिनय और स्टाइल से बॉलीवुड में एक खास पहचान बनाई. उन्हें पहली बार महेश भट्ट की सुपरहिट फिल्म ‘आशिकी’ के ज़रिए सिनेमा में पहचान मिली. इसके बाद उन्होंने ‘सड़क’, ‘जो जीता वही सिकंदर’ और कई यादगार फिल्मों में काम किया, जिससे वे दर्शकों के बीच खासे पसंद किए जाने लगे. हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में दीपक तिजोरी ने अपने 35 साल लंबे फिल्मी करियर के उतार-चढ़ावों को साझा किया. उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा, किन चुनौतियों का सामना किया और किस तरह दर्शकों का प्यार उन्हें लगातार मिलता रहा. दीपक ने कहा कि भले ही वक्त

बदला हो, लेकिन उनके अंदर अभिनय को लेकर जुनून अब भी पहले जैसा ही है. दीपक तिजोरी को भले ही फिल्म ‘आशिकी’ से बड़ा ब्रेक मिला हो, लेकिन उस सफलता के पीछे एक अनकही कहानी भी छिपी है. जिसमें संघर्ष और आत्मविश्वास की मिसाल झलकती है. हाल ही में बातचीत में दीपक ने खुलासा किया कि ‘आशिकी’ की रिलीज़ के समय उन्हें उस तरह की पहचान नहीं मिल पाई थी, जिसकी वे हकदार थे. उन्होंने बताया, आशिकी में मैंने काफी मेहनत की थी, लेकिन प्रचार और पोस्टर में सिर्फ मुख्य जोड़ी, राहुल रॉय और अनु अग्रवाल को ही जगह दी गई. मुझे ये बात खल गई, इसलिए मैं महेश भट्ट साहब के पास गया और कहा, ‘भट्ट साहब, मुझे भी पोस्टर में रख लीजिए.’ उन्होंने सहानुभूति दिखाते हुए कहा, ‘बेटा, मैं तुम्हारे साथ हूं.’ लेकिन निर्माता नहीं माने. दीपक आगे बताते हैं कि जब उन्होंने मुकेश भट्ट से बात की, तो उन्हें जवाब मिला, टी-सीरीज़ तुम्हारे लिए पैसे नहीं देता, मैं कुछ नहीं कर सकता.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. सफलता मिलेगी. शुभांक-5-7-9

वृष : विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-1-3-5

मिथुन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें. शुभांक-3-5-6

कर्क : आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. आत्मविश्वास बढ़ेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. कार्य सफल होंगे. दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी. शुभांक-2-5-7

सिंह : व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. सही समय का इंतजार करें. शुभांक-2-4-6

कन्या : मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. शुभ कार्यों में व्यय होगा. शुभांक-1-3-5

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी. शुभांक-4-6-8

वृश्चिक : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. शुभ समाचारों मिलेगें. शुभांक-3-5-6

धनु : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. आत्मचिन्तन करें. शुभांक-4-6-8

मकर : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. होश में रहकर कार्य करें. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे. मनोरथ सिद्धि का योग है. शुभांक-4-6-8

कुंभ : राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. शुभांक-2-4-5

मीन : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, इक्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. आय-व्यय समान रहेगा. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा. शुभांक-1-3-5

पटना के गांधी घाट पर श्रावण की पहली सोमवारी पर गंगा में स्नान करते श्रद्धालु

सावन की पहली सोमवारी पर बिहार के शिवालयों में उमड़े भक्तगण, किया जलाभिषेक

शुभम संदेश। पटना

श्रावण मास की पहली सोमवारी पर बिहार के सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. अहले सुबह से ही शिवालयों में हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं. आज पहली सोमवारी है. धनिष्ठा नक्षत्र, आयुष्मान योग और सौभाग्य योग के साथ संकष्टी गणेश चतुर्थी का उत्तम संयोग बन रहा है. भगवान शिव की पूजा के लिए सुबह से ही शिवालयों में भीड़ देखने को मिल रही है. भक्त ॐ नमः शिवाय, हर हर महादेव, बोलबम के जयकारे लगा रहे हैं. विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से भक्त पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं. समस्तीपुर जिले के विद्यापतिधाम स्थित प्रसिद्ध बालेश्वर स्थान शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. मिथिलांचल का देवघर कहे जाने वाले इस धार्मिक स्थल पर सोमवार तड़के सुबह 4 बजे से ही जलाभिषेक की शुरुआत हो गई. शिव भक्तों ने शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और अन्य पूजन सामग्रियां चढ़ाकर भगवान शिव से मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की. मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंज उठा. भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था. वैशाली में स्थित बाबा हरिहर नाथ मंदिर में सावन की पहली सोमवारी पर भक्त सुबह से ही पूजा के लिए पहुंच रहे हैं. श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी है. इस दौरान भक्त बोल बम और हर-हर महादेव के नारे लगा रहे हैं. भीड़ को देखते सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. शिव भक्त गंगाजल, दूध, दही, शहद व बेलपत्र से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं. भागलपुर का सुल्तानगंज शिवभक्तों के आस्था का केंद्र बन गया है. यहां पहली सोमवारी को गंगा घाटों पर जल भरने के लिए श्रद्धालुओं का विशाल हुजूम उमड़ रहा है. देश के विभिन्न कोनों से आए भक्त यहां उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल भर रहे हैं. यह जल भरकर भक्त करीब 105 किलोमीटर की पैदल कांवड़ यात्रा पर निकल रहे हैं. जिसका गंतव्य देवघर स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर है. पूरा वातावरण "बोल बम" के जयघोष से गुंजायमान है. सुल्तानगंज से शुरू होने वाली यह यात्रा, भक्तों की अटूट श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है.

आयोग को कुछ कहना है, तो वह सामने आए: तेजस्वी यादव

शुभम संदेश। पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने वोटर लिस्ट में विदेशी नागरिकों के नाम होने की खबरों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए चुनाव आयोग और उसके ₹सूत्रों₹ पर जोरदार हमला बोला था. उन्होंने मीडिया में आ रही रिपोर्ट्स को "सुनियोजित साजिश" करार दिया और आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए थे.

तेजस्वी यादव ने बयान देते हुए चुनाव आयोग के सूत्रों को अपमानजनक रूप से ₹मूत्र₹ बताया. उन्होंने कहा, "ये वही सूत्र हैं जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्लामाबाद, लाहौर और कराची पर कब्जा कर चुके थे. इसलिए हम ऐसे सूत्र को मूत्र समझते हैं. मूत्र यानी ऐसा अपशिष्ट पदार्थ जो दुर्गंध फैलाता है. इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बवाल मच गया तेजस्वी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह खुद सामने आने की बजाय "सूत्रों" के जरिए खबरें प्लांट करवा रहा है. उन्होंने दो टूक कहा, "अगर आयोग को कुछ कहना है तो वह आधिकारिक रूप से सामने आए, न कि बेनाम सूत्रों के सहारे खेल रचे. तेजस्वी ने दावा किया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी एक संगठित साजिश का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चुनावी नतीजों को प्रभावित करना है. उन्होंने कहा कि अगर सिर्फ 1% मतदाताओं का नाम भी लिस्ट से हटाया गया, तो करीब 7 लाख 90 हजार वोट प्रभावित होंगे.

यह न केवल लोकतंत्र के साथ धोखा होगा, बल्कि चुनाव परिणामों की दिशा भी बदल सकता है. तेजस्वी ने एक बूथ के गणित के जरिए अपना दावा मजबूत करते हुए बताया, अगर हर बूथ से मात्र दस नाम हटाए गए, तो 3200 मतदाताओं का नाम कट जाएगा.

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के 'मूत्र' बयान पर मचा बवाल

भाजपा ने बताया लोकतंत्र पर हमला

शुभम संदेश। पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा पत्रकारों के लिए 'सूत्र' की जगह 'मूत्र' शब्द के इस्तेमाल से बिहार की सियासत में बड़ा बवाल खड़ा हो गया है. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस बयान को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सीधा अपमान बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है. भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने प्रेस को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव से सार्वजनिक माफी की मांग की है. गुरु प्रकाश ने कहा, "तेजस्वी यादव का यह बयान न केवल पत्रकारिता का अपमान है, बल्कि यह उस सोच को दर्शाता है जो सत्ता में आने पर लोकतंत्र को कुचलने से नहीं हिचकती. पत्रकार सूत्रों के माध्यम से ही जनता तक सच्चाई पहुंचाते हैं, ऐसे में उन्हें 'मूत्र' कहना पूरी मीडिया बिरादरी का अपमान है." उन्होंने तेजस्वी यादव के भाषणों में बार-बार मीडिया को निशाना बनाए जाने पर भी सवाल उठाए. भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जब तेजस्वी मंच से अपने समर्थकों को मीडिया को ₹बेनकाब₹ करने को कहते हैं, तो यह एक तरह की धमकी है. "वे किसे डराना चाहते हैं? क्या पत्रकारों को चुप कराना चाहते हैं?" उन्होंने पूछा.

गुरु प्रकाश ने तेजस्वी के बयान को 'जंगलराज की वापसी' की आहट बताते हुए कहा कि राजद शासनकाल में पत्रकारों पर हुए हमले इसके गवाह हैं. उन्होंने 1991 में गया के पत्रकार अशोक प्रसाद की हत्या, 1994 में सीतामढ़ी के दिनेश दिनकर की हत्या, 1997 में गोपालगंज में अखबार के दफ्तर पर बमबारी, 1999 में सिवान के दूरदर्शन दफ्तर पर हमला और मधुबनी में वरिष्ठ पत्रकार चंद्रिका राय पर जानलेवा हमले का जिक्र करते हुए कहा कि ये घटनाएं लोकतंत्र की आत्मा को झकझोर देने वाली थीं. उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार में पत्रकारों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि हम मानते हैं कि पत्रकार लोकतंत्र की रीढ़ हैं और वे अपने जीवन को जोखिम में डालकर सच्चाई सामने लाते हैं. तेजस्वी यादव के बयान को लेकर भाजपा के इस हमले ने बिहार की सियासत में शब्दों की जंग को नई दिशा दे दी है. अब देखना होगा कि राजद इस विवाद पर क्या रुख अपनाता है और तेजस्वी यादव सफाई देते हैं या माफी मांगते हैं. फिलहाल, यह विवाद राज्य में आगामी चुनावी माहौल को और भी गर्माने वाला साबित हो रहा है.

न्यूज अपडेट

संदिग्ध हालत में युवक की लाश मिलने से सनसनी

सहरसा। जिले के सहरसा-सुपौल मुख्य मार्ग पर स्थित रहूआमनी पुल के पास सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक की लाश संदिग्ध परिस्थिति में बरामद की गई. यह घटना सदर थाना क्षेत्र की है. मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष के आसपास बताई जा रही है. लाश पुल से कुछ अंदर, उत्तर दिशा की ओर झाड़ियों में लावारिस हालत में पड़ी मिली. घटना की सूचना मिलते ही सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की. मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस लैब की टीम और डॉग स्क्वॉड को भी जांच में शामिल किया गया है.

जलाभिषेक करने जा रहे युवक की हादसे में मौत

शिवहर। श्रावण की पहली सोमवारी को भगवान शंकर के जलाभिषेक करने देवकुलीधाम जा रहे एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई. घटना मधुबन राष्ट्रीय उच्च पथ के पहाड़पुर पुल के पास की बताई जा रही है. इस घटना में एक तेज रफ़्तार ट्रक ने बाइक सवार को पूरी तरह से रौंद दिया. मृतक श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के नयागांव लक्षुटोला निवासी धर्मदेव राय के 21 वर्षीय पुत्र जयप्रकाश कुमार हैं. बता दें कि युवक अपने पिता के साथ सुपर स्प्लेंडर बाइक से देवकुलीधाम के मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहा था.

अपराधी ने युवक की चाकू मारकर की हत्या

मधुबनी। बेखौफ अपराधी ने सो रहे युवक की चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी. इस घटना ने पूरे गांव में सनसनी और आक्रोश फैला दिया है. मृतक की शिनाख्त सलमान के तौर पर की गई है. घटना पंडौल थाना क्षेत्र के नाहर भगवतीपुर गांव के मौन टोला से सामने आई है. मिली जानकारी के अनुसार घर में सो रहे सलमान पर आरोपी अशफाक ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. सलमान के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आरोपी अशफाक को मौके पर ही धर दबोचा. इसके बाद ग्रामीणों ने उसे पंडौल थाना पुलिस के हवाले कर दिया.

दिनदहाड़े दो युवकों पर फायरिंग, एक की मौत

बेगूसराय। लोहियानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाघा गुमटी के पास सोमवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े दो युवकों पर गोलियों की बौछार कर दी. इस हमले में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. यह घटना इलाके में दहशत का कारण बन गई है. मृतक की पहचान छोटू महतो के पुत्र 30 वर्षीय अमित कुमार के रूप में की गई है. वहीं, घायल युवक की पहचान प्रिंस कुमार के रूप में हुई है, जिसे पीठ में गोली लगी है. चश्मदीदों के अनुसार, बाइक पर सवार दो अज्ञात हमलावरों ने अचानक दोनों युवकों पर फायरिंग शुरू कर दी और फिर मौके से फरार हो गए.

कारोबार

न्यूज अपडेट

फ्लिपकार्ट ने 'फूड फेस्ट 2025' का भव्य आयोजन किया

नयी दिल्ली। भारत के अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने बेंगलुरु स्थित अपने कैंपस में 'फूड फेस्ट 2025' का भव्य आयोजन किया. इस दौरान 5-10 जुलाई तक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी क्यूरेटेड सेल का आयोजन हुआ. स्वाद, टेक्नोलॉजी और ब्रांड्स को जोड़ते इस फेस्ट में 25 हजार से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया और 10 करोड़ से अधिक ऑनलाइन इम्प्रेशन दर्ज किए गए. कार्यक्रम की खास बात सेलिब्रिटी शेफ रणवीर ब्रार और पूजा ढींगरा के लाइव मास्टरशेफ सेशन रहे. रणवीर ब्रार ने कहा, 'भारतीय रीजनल फ्लेवर्स के साथ प्रयोग कर लोगों तक उसकी खुशबू और स्वाद पहुंचाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा. फ्लिपकार्ट ने ऐसा मंच दिया जहां दर्शकों से सीधा जुड़ाव बना.' पूजा ढींगरा ने कहा, 'होम बेकर्स को मॉडर्न इंडियन डेजर्ट सिखाना बेहद रोमांचक रहा. यहां का जोश और फूड के प्रति लोगों की दीवानगी देखकर दिल खुश हो गया.'

अब 2 लाख तक गोल्ड गिरवी रख आसानी से मिलेगा लोन

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने किसानों और छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत देते हुए गोल्ड लोन से जुड़े नियमों में अहम बदलाव किए हैं. 11 जुलाई को जारी नए सर्कुलर के अनुसार, अब किसान और छोटे कारोबारी 2 लाख रुपये तक के लोन के लिए अपनी मर्जी से सोना या चांदी गिरवी रख सकेंगे. खास बात यह है कि यदि कोई उधारकर्ता गोल्ड गिरवी रख लोन लेना चाहता है, तो बैंक उसे मना नहीं कर सकते. इस बदलाव से सबसे अधिक लाभ ग्रामीण इलाकों के लोगों को होगा, जहां सोना आसानी से उपलब्ध होता है और बुवाई या आपात स्थिति में तुरंत फंड की जरूरत पड़ती है.

6 माह में 1.12 करोड़ सिप बंद, निवेशकों में डर का माहौल

नयी दिल्ली। 2025 म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए झटका देने वाला साबित हो रहा है. साल के पहले छह महीनों में अब तक करीब 1.12 करोड़ सिप (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) बंद हो चुके हैं. यह आंकड़ा चौंकाने वाला है, क्योंकि आमतौर पर हर साल सिप की संख्या में इजाफा देखा जाता है. लेकिन इस बार जनवरी से अप्रैल के बीच चार ऐसे महीने रहे, जब नए सिप शुरू होने से ज्यादा पुराने बंद हो गए.

भारत और सऊदी अरब के बीच हुआ खाद आपूर्ति समझौता

किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के किसानों के लिए एक अच्छी खबर आई है. इंडियन फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड (आईपीएल), कृभको (कृभको) और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने सऊदी अरब की प्रमुख कंपनी मादेन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है. यह समझौता डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) खाद की सप्लाई को लेकर किया गया है, जो भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. समझौते के तहत मादेन कंपनी अगले पांच वर्षों तक हर साल भारत को 3.1 मिलियन टन डीएपी खाद की आपूर्ति करेगी. यह समझौता वित्तीय वर्ष 2025 से ही प्रभावी हो गया है. खास बात यह है कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से इस समझौते को अगले पांच वर्षों के लिए और बढ़ाया जा सकता है.

यह समझौता उस समय हुआ है, जब भारत के रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर हैं. समझौते पर हस्ताक्षर भी उन्हीं की उपस्थिति में किए गए. इस साझेदारी को भारतीय कृषि के लिए रणनीतिक रूप से बहुत अहम माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब भारत में डीएपी खाद की कमी देखी जा रही है.

भारत में डीएपी खाद की मांग यूरिया के बाद सबसे अधिक है. लेकिन हाल ही में चीन ने फॉस्फेट के निर्यात पर रोक लगा दी है, जो डीएपी बनाने के लिए एक आवश्यक कच्चा माल है. इसके कारण भारत में डीएपी का उत्पादन प्रभावित हुआ है. इसके अलावा, चीन ने 26 जून से विशेष खाद (स्पेशल फर्टिलाइज़र) का शिपमेंट भी रोक दिया है, जिसका प्रयोग फल, सब्जियों और अन्य महत्वपूर्ण फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में किया जाता है. इस समझौते से न केवल खाद की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, बल्कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को समय पर खाद मिल पाएगी. डीएपी खाद की बुवाई के तुरंत बाद आवश्यकता होती है, और अगर इस समय कमी हो जाती, तो फसल का उत्पादन प्रभावित हो सकता था. वित्तीय वर्ष 2025 में भारत ने सऊदी अरब से 1.905 मिलियन टन डीएपी आयात किया है, जो कि पिछले वर्ष के 1.629 मिलियन टन के मुकाबले लगभग 17% अधिक है. यह दर्शाता है कि भारत की खाद आयात पर निर्भरता लगातार बढ़ रही है.

जेपी नड्डा ने अपनी यात्रा के दौरान सऊदी अरब के उद्योग और खनिज संसाधन मंत्री बंदर बिन इब्राहिम अल खोरायेफ से मुलाकात की. इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय निवेश को बढ़ावा देने पर चर्चा की. खासतौर पर भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) के लिए सऊदी अरब के उर्वरक क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर भी विचार हुआ. साथ ही, सऊदी अरब की कंपनियों ने भी भारत में निवेश करने में रुचि दिखाई है. दोनों देशों ने यह भी सहमति जताई है कि भविष्य में डीएपी के अलावा यूरिया और अन्य आवश्यक खादों को भी समझौते के दायरे में लाया जाएगा, जिससे भारत की खाद सुरक्षा और भी सुदृढ़ हो सकेगी. जेपी नड्डा ने कहा कि यह समझौता किसानों के लिए बहुत लाभकारी साबित होगा. इससे उन्हें समय पर खाद मिल सकेगी, जिससे फसल की उपज में सुधार होगा और देश की खाद्य सुरक्षा भी मजबूत होगी.

न्यूज अपडेट

थोक महंगाई दर जून में घटकर -0.13% पर आई

नयी दिल्ली। भारत में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर जून 2025 में घटकर (-)0.13 प्रतिशत पर आ गई है. यह इस साल की शुरुआत से पहली बार है जब महंगाई दर नकारात्मक स्तर पर पहुंची है और पिछले 14 महीनों का यह सबसे निचला स्तर है. केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को यह आंकड़े जारी किए. मई 2025 में थोक महंगाई दर 0.39 प्रतिशत थी, जबकि जून में इसमें गिरावट देखने को मिली. मंत्रालय के अनुसार, इस गिरावट का प्रमुख कारण खाद्य उत्पादों की कीमतों में आई कमी है. जून में खाद्य वस्तुओं पर आधारित थोक महंगाई दर -3.75 प्रतिशत रही, जो मई में -1.56 प्रतिशत थी.

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में आई जबरदस्त उछाल

नयी दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने जून 2025 की पहली तिमाही में 428 करोड़ रुपये का नेट लॉस दिखाया, लेकिन इसके बावजूद कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली. सोमवार को बीएसई पर ओला के शेयर 17.2% चढ़कर 46.67 रुपये तक पहुंच गए. यह उछाल ऐसे समय आया है जब भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स करीब 250 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था.

पेज एक का शेष ...

कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, देशज तकनीक और संसाधन से ही संभव

बजटीय विनियोजन शून्य : 16 में वित्त आयोग से सरकार ने प्राथमिक अर्थात कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र सिंचाई वन आदि के लिए आगामी पाच वर्षों हेतु 41388 करोड़ रुपए की विशेष सहायक मांग की है. पर आश्चर्य है कि (खबरों के अनुसार कृषि एवं संबद्ध सेवाओं से संबंधित) बजटीय उपबंध लगभग 4500 करोड़ की राशि से जून महीने तक विनियोजन शून्य है, जबकि बुवाई का सबसे महत्वपूर्ण समय यही है. राज्य के अधिकांश किसान सीमांत और मध्यम हैं और आमतौर पर पानी के असंतुलन के चलते एक फसली उत्पाद की प्रमुखता है, पर इसे भी अपेक्षित समर्थन न मिले तो फिर विकास की बात बेमानी है. कुल क्षेत्रफल का लगभग 30% वन क्षेत्र देशज सर्वल औषधीय एवं कतिपय सहायक खाद्य उत्पादों का आगार है.

तसर उद्योग को बढ़ावा मिले : झारखंड का रेशम (तसर) जैविकता के लिए विश्व विख्यात है. अकेले रेशम ढाई लाख (विशेष कर महिलाओं को) कौशल पूर्ण रोजगार देने में सक्षम है! यदि इसका प्रसंस्करण हो जाए तो क्या कहना? पूर्व में इसके लिए ठोस प्रयास हुआ था, पर परवान नहीं चढ़ा. आज तो रेशम (तसर) का उत्पादन पहले की अपेक्षा एक तिहाई रह गया है. इसी के साथ झारखंड के अन्य वन उत्पाद एवं औषधियां आर्थिक और तकनीकी समर्थन से रोजगार का बड़ा साधन हैं. हमारी नजर केवल खनिज एवं उद्योग की ओर जाती है. झारखंड की समृद्धि के लिए उद्योग खनन की भले महत्ता हो पर हाथों को काम रोजगार ग्रामीण आजीविका गरीबी उन्मूलन के लिए कृषि मत्स्य पालन पशुपालन बागवानी और वानिकी क्या अभूतपूर्व योगदान है और आगे भी रहेगा.

दुनिया की सबसे पुरानी बिटकॉइन पहली बार $121,000 के पार

एजेंसी। नयी दिल्ली

दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने एक नया इतिहास रच दिया है. इसकी कीमत आज पहली बार $121,000 (लगभग 1 करोड़ रुपये) के पार पहुंच गई है. अमेरिकी अर्थव्यवस्था में चल रहे डेफिसिट स्पेंडिंग क्राइसिस को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है. इस साल अब तक बिटकॉइन में 30% की तेजी आ चुकी है और निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है. कई विशेषज्ञ प्राइस मॉडल्स के अनुसार, बिटकॉइन की कीमत भविष्य में $200,000 से लेकर $10 लाख तक पहुंच सकती है. यदि यह $370,000 तक जाता है, तो इसके गुमनाम क्रिएटर सतोशी नाकामोतो दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन सकते हैं. मौजूदा समय में टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क $360 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं. वहीं, नाकामोतो के पास करीब 10 लाख बिटकॉइन माने जाते हैं, जिनकी मौजूदा कीमत करीब $130 अरब है, और इस हिसाब से वे अभी दुनिया के 12वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं. सतोशी नाकामोतो को बिटकॉइन का जनक माना जाता है. हालांकि उनकी पहचान अब तक रहस्य बनी हुई है. अक्टूबर 2008 में उन्होंने बिटकॉइन का वाइटपेपर ओपन सोर्स पब्लिक एमआईटी लाइसेंस के तहत जारी किया था और 3 जनवरी 2009 को बिटकॉइन नेटवर्क का पहला ब्लॉक माइन किया गया.

फीफा क्लब वर्ल्ड कप फाइनल:पीएसजी पूरी तरह फेल, नेवेस को लाल कार्ड

चेल्सी ने जीता फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब

एजेंसी। ईस्ट रदरफोर्ड

कोल पामर के दो गोल और एक शानदार असिस्ट की बदौलत चेल्सी ने सोमवार (भारतीय समयानुसार) फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हराकर नया इतिहास रच दिया. यह पहली बार है जब 32 टीमों के इस नए प्रारूप में क्लब वर्ल्ड कप खेला गया और चेल्सी इसका पहला विजेता बना.

यूईएफए चैंपियंस लीग जीतने के बाद अमेरिका पहुंची पीएसजी इस मुकाबले की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी, खासकर सेमीफाइनल में रियल मैड्रिड को 4-0 से हराने के बाद. लेकिन फाइनल में चेल्सी ने पहले हाफ में ही 3-0 की बढ़त बना ली, जिससे मैच पूरी तरह एकतरफा हो गया.

मैच के 22वें मिनट में मॉलो गुस्टो की सहायता से कोल पामर ने पहला गोल किया. 30वें मिनट में पामर ने एक बार फिर गेंद को गोल में डालकर स्कोर 2-0 कर दिया. फिर 43वें मिनट में पामर ने शानदार पास देकर जोआओ पेड्रो को गोल कराया और स्कोर 3-0 कर दिया.

जोआओ पेड्रो, जिन्हें टूर्नामेंट के दौरान ब्राइटन से साइन किया गया था, सेमीफाइनल में भी फ्लुमिनेंस के खिलाफ दो गोल कर चुके थे. फाइनल में उन्होंने भी अपनी चमक बिखेरी.

पीएसजी की टीम, जो इससे पहले अपने पिछले आठ मैचों में सिर्फ एक गोल खा चुकी थी, चेल्सी के सामने पूरी तरह बिखर गई. मैच के अंत में जोआओ नेवेस को मार्क कुकुरेला के बाल खींचने पर वीएआर रिव्यू के बाद लाल कार्ड दिखाया गया.

125 मिलियन डॉलर की इनामी राशि : यह जीत चेल्सी के लिए बेहद खास रही, क्योंकि इस सीजन में उसने यूईएफए कांफ्रेंस लीग भी जीती और प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर रही. क्लब को इस जीत के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी मिलेगी.

ट्रम्प की मौजूदगी और सुपर बाउल जैसा माहौल : 81,118 दर्शकों की मौजूदगी में खेले गए इस मुकाबले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद रहे. फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो का आयोजन किया गया, जिसने मुकाबले को सुपर बाउल जैसा अनुभव दिया.

पीएसजी के लिए निराशा, अब सुपर कप पर निगाहें : भले ही पीएसजी इस खिताब को नहीं जीत पाई, लेकिन चैंपियंस लीग और फ्रेंच लीग-कप डबल जीतना उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही. अब लुइस एनरिक की टीम एक महीने के विश्राम के बाद यूईएफए सुपर कप में टोटनहम हॉटस्पर के खिलाफ भिड़ेगी.

फिडे महिला वर्ल्ड कप

दिव्या देशमुख व हम्पी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने क्रोएशिया की तियोदोरा इंजैक को हराकर चल रहे फिडे महिला वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है.रविवार को हुए मुकाबले में दिव्या ने पहले गेम में काले मोहरों से खेलते हुए इंजैक को पराजित किया. इसके बाद दूसरा गेम ड्रॉ रहा, जिससे उन्हें तीसरे राउंड में जीत हासिल हुई और अगले दौर का टिकट मिला.दिव्या के बाद सीनियर भारतीय खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने भी प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली. उन्होंने पोलैंड की क्लाउडिया कुलॉन को हराया. हम्पी का पहला गेम ड्रॉ रहा, लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने काले मोहरों से बाजी मार ली.वहीं, भारत की तीन अन्य प्रतिभागी वंतिका अग्रवाल, आर. वैषाली, और हरिका द्रोणावल्ली भी तीसरे राउंड में मुकाबले खेल चुकी हैं, लेकिन उनके सभी गेम ड्रॉ रहे हैं.अब सबकी निगाहें अगले दौर पर टिकी हैं, जहां भारतीय शतरंज खिलाड़ी एक और मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद करेंगी.

दो बार के चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर जीता पहला विंबलडन खिताब

विंबलडन : 2025 के नए बादशाह बने जैनिक सिनर

एजेंसी। लंदन

इटली के जैनिक सिनर ने रविवार को विंबलडन फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बार के गत विजेता कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अपने करियर का पहला विंबलडन खिताब जीत लिया है. यह सिनर का कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है.इस जीत के साथ सिनर ने न केवल पांच सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन फाइनल में अल्काराज से मिली हार का बदला लिया, बल्कि स्पेनिश खिलाड़ी की ग्रैंड स्लैम फाइनल्स में अजेय रहने की लय को भी तोड़ दिया.विश्व नंबर-1 सिनर को मैच के पहले सेट में हार मिली थी. इसके बाद उसने शानदार वापसी करते हुए आगे के सारे सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया. अल्काराज ने पहले सेट में बढ़त ली थी, लेकिन इसके बाद सिनर ने लगातार तीन सेटों में एक जैसी स्कोरलाइन (6-4, 6-4, 6-4) से जीत हासिल की.23 वर्षीय जैनिक सिनर ने फाइनल जीतने के

बाद कहा, "यह पल मेरे लिए बेहद खास है. विंबलडन जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है, और आज वह सपना सच हुआ.अल्काराज की जीत की लय टूटी विंबलडन में यह हार कार्लोस अल्काराज की 20 मैचों की अपराजित लय का अंत भी है. इससे पहले उन्होंने 2023 और 2024 में नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता था. साथ ही, सेंटर कोर्ट पर वह 24 मैचों से अजेय थे.गौरतलब है कि विंबलडन में अल्काराज को इससे पहले आखिरी बार 2022 में जैनिक सिनर ने ही हराया था, जब दोनों चौथे दौर में आमने-सामने हुए थे.

सिनर ने अल्कारेज को कड़े संघर्ष में हराया : 23 साल के सिनर ने गत चैंपियन 22 वर्षीय स्पैनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्कारेज को चार सेटों तक चले कड़े संघर्ष में 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया. पहला सेट हारने के बाद सिनर ने धैर्य नहीं खोया. उन्होंने अल्कारेज को अगले तीनों सेट में वापसी का कोई मौका नहीं दिया. सिनर का ये चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है.

फ्रेंच ओपन में पांच घंटे से अधिक समय की टक्कर : बता दें कि दोनों युवा खिलाड़ियों के बीच फ्रेंच ओपन फाइनल में बीते 8 जून को पांच सेटों का मुकाबला हुआ था. लाल बजरी पर लगभग साढ़े पांच घंटे तक चले इस मैच में अल्कारेज ने सिनर को दो सेट में पिछड़ने के बावजूद जबदस्त पटखनी दी थी. विंबलडन फाइनल से पहले सेंटर कोर्ट पर अल्कारेज का रिकॉर्ड शानदार रहा था. यहां खेले गए अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैचों में वे अपराजित रहे. हालांकि, सिनर की चुनौती बीस साहित हुई.

वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन ने ट्रॉफी सौंपी: सिनर को विंबलडन फाइनल जीतने के बाद ब्रिटेन के शाही परिवार की सदस्या और वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन ने ट्रॉफी सौंपी.

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट में भारत को 22 रन से हराया, सीरीज़ में 2-1 की बढ़त

एजेंसी। लॉर्ड्स

इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट टीम को 22 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज़ में 2-1 की बढ़त बना ली है। जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की दूसरी पारी 170 रनों पर सिमट गई। रविंद्र जडेजा ने नाबाद 61 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

लॉर्ड्स टेस्ट में हार के बावजूद भारतीय टीम के कई खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन इंग्लैंड की सधी हुई रणनीति और जो रूट के नेतृत्व में संतुलित प्रदर्शन ने उन्हें बढ़त दिला दी। सीरीज के अगले मुकाबले में भारत को वापसी के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

मैच का लेखा-जोखा

इंग्लैंड की पहली पारी: 387 रन (जो रूट - 104)
भारत की पहली पारी: 387 रन (केएल राहुल - 100, जडेजा - 72)
इंग्लैंड की दूसरी पारी: 192 रन
भारत की दूसरी पारी: 170 रन (जडेजा - 61*, राहुल - 39)
परिणाम: इंग्लैंड ने मैच 22 रन से जीता

जसप्रीत बुमराह: विदेशी धरती पर बने सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज

पहली पारी में 5/74 और दूसरी में 2/38
टेस्ट करियर का 15वां और इंग्लैंड के खिलाफ 5वां 5 विकेट हॉल
विदेशी धरती पर 13वां 5 विकेट हॉल – कपिल देव (12) को पीछे छोड़ा

केएल राहुल: लॉर्ड्स में दूसरा शतक

पहली पारी में 100, दूसरी में 39 रन
टेस्ट करियर का 10वां शतक
लॉर्ड्स में 2 शतक लगाने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज
इंग्लैंड में कुल 4 शतक, बतौर सलामी बल्लेबाज सर्वाधिक

रविंद्र जडेजा: लगातार चौथा अर्धशतक

पहली पारी में 72 (131 गेंद), दूसरी में नाबाद 61
मौजूदा सीरीज में लगातार 4 अर्धशतक
इंग्लैंड में लगातार 50+ रन बनाने वाले तीसरे भारतीय (पंत और गांगुली के बाद)

वॉशिंगटन सुंदर: लॉर्ड्स में 4 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय स्पिनर

इंग्लैंड की दूसरी पारी में 4 विकेट
लॉर्ड्स पर 51 साल बाद किसी भारतीय स्पिनर का 4 विकेट हॉल
इससे पहले 1971 में वेंकटराघवन और 1974 में बिशन सिंह बेदी ने किया था यह कारनामा

जो रूट: शतकों के मामले में टॉप 5 में शामिल

पहली पारी में 104 और दूसरी में 40 रन बनाए
टेस्ट करियर का 37वां शतक और भारत के खिलाफ 11वां
192 गेंदों में पूरा किया शतक

स्टीव स्मिथ (36) को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले 5वें खिलाड़ी बने

इंग्लैंड में 7,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज
भारत के खिलाफ टेस्ट में 3,000 और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4,000 रन पूरे

साइना नेहवाल व पी कश्यप का रिश्ता टूटा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी साइना नेहवाल और उनके पति पारुपल्ली कश्यप ने 7 साल की शादी के बाद एक-दूसरे से अलग होने का फैसला लिया है. साइना ने रविवार रात इंस्टाग्राम स्टोरी के माध्यम से अपने फैसले की जानकारी साझा की. उन्होंने लिखा, ₹काफी सोचने और विचार करने के बाद, हमने अलग होने का निर्णय लिया है. जीवन कभी-कभी हमें अलग रास्तों पर ले जाता है, और अब हम एक-दूसरे के लिए शांति और प्रगति का रास्ता चुन रहे हैं.₹ उन्होंने आगे कहा कि वह इस रिश्ते से जुड़ी यादों के लिए आभारी हैं और कश्यप के भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हैं. साथ ही, साइना ने लोगों से उनकी निजता का सम्मान करने की अपील भी की.साइना और कश्यप की प्रेम कहानी 2007 से शुरू हुई थी, जब दोनों ने हैदराबाद के गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में एक साथ ट्रेनिंग शुरू की थी. दोनों एक-दूसरे को 2005 से जानते थे, लेकिन रिश्ते की शुरुआत 2007 में हुई. दिसंबर 2018 में उन्होंने निजी समारोह में शादी रचाई थी और हैदराबाद के नोवोटेल होटल में शानदार रिसेप्शन पार्टी दी थी, जिसमें खेल और फिल्म जगत की तमाम हस्तियों ने शिरकत की थी.साइना नेहवाल बैडमिंटन में भारत की सबसे सफल खिलाड़ियों में गिनी जाती हैं. वह ओलिंपिक में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी हैं. लंदन ओलिंपिक 2012 में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता था .

वेरोनिका व एलिस ने महिला युगल खिताब जीता

एजेंसी। लंदन

8वीं वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेनस ने विंबलडन 2025 के महिला युगल का खिताब जीत लिया. इस जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त सीह सु-वेई और जेलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-2, 6-4 से हराया.

पहला सेट हारने के बाद, कुदेरमेतोवा और मर्टेन्स ने दृढ़ता दिखाई और दूसरे सेट में हसीह की सर्विस दो बार तोड़कर मैच बराबरी पर ले आईं. कुदेरमेतोवा के नेट प्ले और मर्टेन्स की बेसलाइन पर लगातार स्थिरता ने मैच का रुख उनके पक्ष में मोड़ना शुरू कर दिया.तीसरे सेट में एक और मोड़ आया जब हसीह और ओस्टापेंको ने 4-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने वापसी की. कुदेरमेतोवा ने चैंपियनशिप पॉइंट पर वॉली विनर के साथ जीत पक्की की और अंततः डब्ल्यूटीए के अनुसार अपना पहला ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीता.यह जीत कुदेरमेतोवा के लिए विशेष महत्व रखती है, जो 2021 के विंबलडन फाइनल में बुरी तरह से हार गई थीं. इस बीच, उनकी जोड़ीदार मर्टेन्स ने अपना पांचवां प्रमुख युगल खिताब और विंबलडन में अपना दूसरा खिताब हासिल किया.मर्टेन्स ने पिछला विंबलडन खिताब 2021 में जीता था, जब उन्होंने हसीह के साथ मिलकर कुदेरमेतोवा और एलेना वेस्नीना को हराया था. मैड्रिड और रोम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के बाद विंबलडन का खिताब जीतकर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया. ओस्टापेंको के लिए, यह हार विशेष रूप से निराशाजनक थी क्योंकि जीत उन्हें डब्ल्यूटीए डबल्स की नई विश्व नंबर 1 खिलाड़ी बना देती.

भारतीय धाविका याराजी की हुई एसीएल सर्जरी

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स की स्टार और 100 मीटर हर्डल्स की एशियाई चैम्पियन ज्योति याराजी ने अपने दाएं घुटने में एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट के चलते सर्जरी करवाई है. इस बात की पुष्टि खुद याराजी ने रविवार को इंस्टाग्राम के जरिए की.याराजी को यह चोट एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान लगी थी. उन्होंने इंस्टाग्राम पर जानकारी साझा करते हुए कहा, ₹मैं यह बताते हुए खुश हूं कि शुक्रवार को मैंने डॉ. दिनशॉ परडीवाला के साथ सफलतापूर्वक अपने दाएं घुटने की एसीएल सर्जरी करवाई.उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए काफी मुश्किल रहे हैं, क्योंकि यह चोट मुझे उस चीज़ से दूर कर रही है जिसे मैं सबसे ज़्यादा पसंद करती हूं.गौरतलब है कि याराजी ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 12.96 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था.

गेंदबाज सिराज पर आईसीसी ने ठोका तगड़ा फाइन

एनई दिल्ली। लंदन के लॉर्ड्स में इंडिया और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है, लेकिन आखिरी दिन के खेल से कुछ घंटे पहले इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर तगड़ा फाइन ठोका है. मोहम्मद सिराज ने एक हरकत इंग्लैंड के बल्लेबाज को आउट करने के बाद की थी.इसके लिए आईसीसी ने उन पर जुर्माना ठोका है.मोहम्मद सिराज की 15 फीसदी मैच फीस काटी जाएगी.इसके अलावा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की गई है. आईसीसी ने जानकारी दी है कि मोहम्मद सिराज को रविवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच के चौथे दिन आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है.इस वजह से उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है.

कंगारुओं ने दूसरी पारी में 99 रन पर गंवाए छह विकेट

किंग्सटन। कैमरन ग्रीन की नाबाद पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को वेस्टइंडीज की आक्रामक तेज गेंदबाजी के सामने 99 रन पर छह विकेट गंवाने के बावजूद कुल 181 रन की बढ़त हासिल कर ली. दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ग्रीन 42 रन बनाकर खेल रहे थे. उनके साथ दूसरे छोर पर कप्तान पैट कमिंस पांच रन बनाकर खेल रहे हैं.तीनों सत्र में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा और दोनों टीमों के 15 विकेट गिरे. ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने इस दिन रात्रि टेस्ट मैच में इससे पहले वेस्टइंडीज को पहली पारी में 143 रन पर आउट करके अपनी टीम को 82 रन की बढ़त दिला दी थी. ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 225 रन बनाए थे. ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही.

200वां मोटोजीपी रेस — भाई एलेक्स पर चैंपियनशिप बढ़त को किया और मजबूत

डुकाटी राइडर मार्क मार्केज़ ने जीता जर्मन मोटोजीपी

एजेंसी। सैक्सनरिंग

डुकाटी राइडर मार्क मार्केज़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें 'किंग ऑफ सैक्सनरिंग' क्यों कहा जाता है. अपने 200वें मोटोजीपी रेस में हिस्सा लेते हुए मार्केज़ ने रविवार को जर्मन ग्रां प्री का खिताब जीत लिया.

यह एक ऐसी रेस थी, जो अंत तक सिर्फ 10 राइडर्स के पूरा कर पाने के चलते ₹सर्वाइवल टेस्ट₹ बन गई.यह सैक्सनरिंग पर मार्क की नौवीं मोटोजीपी जीत थी, जिसके साथ ही उन्होंने अपने भाई एलेक्स मार्केज़ पर चैंपियनशिप की बढ़त को 83 अंकों तक पहुंचा दिया. एलेक्स ने दूसरी पोजिशन हासिल की, जबकि मार्क के डुकाटी टीममेट फ्रांसेस्को बगनैया

तीसरे स्थान पर रहे और अब वह चैंपियनशिप में 147 अंक पीछे हैं.एलेक्स ने इस रेस में पांचवीं ग्रिड पोजिशन से शुरुआत की थी और यह उनका 100वां मोटोजीपी रेस था. खास बात यह रही कि वह अभी भी डच ग्रां प्री में हाथ में आई फ्रैक्चर और सर्जरी से उबर ही रहे हैं, इसके बावजूद उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया.रेस के दौरान कई राइडर्स पहले मोड़ (टर्न-1) पर क्रैश हुए, जिनमें वीआर46 रेसिंग के फाबियो डी जियानन्तोनियो और एप्रिलिया के मार्को बेज़ेकी जैसे दावेदार शामिल थे, जो उस समय दूसरे स्थान पर चल रहे थे.हालांकि दिन पूरी तरह मार्क मार्केज़ के नाम रहा. उन्होंने अपने चहेते ट्रैक पर जीत का जश्न कुछ खास अंदाज में मनाया बाइक पर खड़े होकर, डांस करते हुए उन्होंने चेकर फ्लैग पार किया. यह लगातार चौथा वीकेंड रहा जब उन्होंने स्प्रिंट और मुख्य रेस दोनों जीते.मार्क ने कहा, ₹सैक्सनरिंग पर एक और जीत हासिल करना बेहद खास है. शुरुआत से ही मुझे आत्मविश्वास था, क्योंकि हम लगातार तीन जीत के साथ यहां आए थे. अब हम कह सकते हैं कि आधा सीजन पूरा हो चुका है, लेकिन अगले हिस्से में भी हमें पूरी तरह फोकस रहना होगा.शनिवार को उन्होंने सीजन की सातवीं पोल पोजिशन हासिल की थी और भीगी हुई ट्रैक पर स्प्रिंट रेस भी जीती थी, हालांकि पहले मोड़ पर गलती हुई थी. लेकिन मुख्य रेस में उन्होंने बेहतरीन शुरुआत की और टर्न-1 में लीड पकड़ ली, पीछे थे बेज़ेकी और डी जियानन्तोनियो.जैसे-जैसे रेस आगे बढ़ती गई, मार्क ने अपना अंतर बनाना शुरू कर दिया. वहीं पीछे बेज़ेकी और जियानन्तोनियो आपस में जगह बदलते रहे और एलेक्स व पेड्रो अकॉस्टा चौथे स्थान के लिए संघर्ष करते रहे.लेकिन अंततः बाज़ी मार्क मार्केज़ के नाम रही, जो इस समय मोटोजीपी के सीजन में जबरदस्त लय में नजर आ रहे हैं.

Before:- Sri
Notary Public, Koderma

AFFIDAVIT

I, **Priyanka Ojha** W/o Sri Navneet Ojha, aged about 41 years, by faith- Hindu, by profession-Business, Nationality-Indian, resident of Gumo, Bhadodih, Bishunpur, P.O.-Jhumri Telaiya, P.S.-Telaiya, District- Koderma, State-Jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That I am permanent resident of the aforesaid address.
2. That my **Aadhaar No. is 4313 5965 7071.**
3. That Navneet Ojha is my husband.
4. That in my educational certificate my name is mentioned as **Priyanka Pandey** but in Aadhaar Card my name is mentioned as **Priyanka Ojha.**
5. That before marriage I was commonly known as **Priyanka Pandey** but after marriage I am commonly known as **Priyanka Ojha.**
6. That **Priyanka Pandey @ Priyanka Ojha** is my name and I am known by both the names in my locality.
7. That above both the names belongs to me is one and same person.
8. That all the contents made in this affidavit are true and correct. If found false I shall be liable.

Affidavit No.: 23, Date 03.07.25

Before.....
Executive Magistrate, Koderma.

AFFIDAVIT

I, **Kunti Devi, W/o-Sri Ramji Mahto**, aged about 53 years old, by faith- Hindu, Vocation-Housewife, Nationality-Indian, State- Jharkhand, residence of village - Tolkhar, Post- Nawadih, P.S-Nawalshahi, Dist- Koderma, Jharkhand, 825318, do hereby solemnly affirm and declare hereas under: -

1. That I am permanent resident of above mentioned place.
2. That I have a **UIDAI No. 9549 4646 0682** and Election Commission of India **Identity Card KFR1897131** in which my name is laid down as **Kunti Devi** which is correct.
3. That I have Saving **Account No is 481710100007224** Domchanch Branch my name laid down **Kunwa Devi.**
4. That above Bank is misspelt in my name.
5. That I known by two names **Kunwa Devi** and **Kunti Devi** both name is mine and same person that is me.
6. That I want to correct my name in Bank **Kunti Devi.**
7. That my husband's known by two names **Ramji Mahto** and **Ramji Yadav** both name is husband's and same person that is my husband.
8. That from 1 to 6 are correct and if any contents false, I shall be self responsible for this.

Affidavit No.: 1264, Date 05.07.25

पंचायत समिति की बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी

■ कल्याणकारी योजनाओं की हुई समीक्षा

शुभम संदेश। नावाडीह

प्रखंड सभागार में सोमवार को प्रमुख पूनम देवी की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी, मनरेगा, आपूर्ति, आवास योजना, बिजली, नल-जल योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा और उन पर चर्चा हुई.

जनप्रतिनिधियों की समस्याएं और सुझाव : प्रमुख पूनम देवी ने कहा कि पंचायत समिति सदस्यों और मुखियागण द्वारा दिए गए सुझावों तथा उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए, अन्यथा समिति की बैठक होने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा. उन्होंने विश्वास दिलाया कि सदस्यों के सुझावों को संबंधित उच्चाधिकारियों तक पहुँचाया जाएगा. बैठक में जिप सदस्य कुमारी खुशबू ने बताया कि गोनियाटो स्कूल में कक्षा नौवीं एवं दसवीं के लिए एक भी शिक्षक नहीं है, जिसके कारण पढ़ाई सही ढंग से नहीं हो पा रही है. वहीं, मूंगो रंगामाटी का विद्यालय एक शिक्षक के भरोसे चल रहा है. उन्होंने यह भी बताया कि गोनियाटो पंचायत अंतर्गत अनिल मरांडी का घर पिछले साल बरसात में गिर गया था, लेकिन उन्हें अभी तक न तो आवास मिला है और न ही कोई मुआवजा, जिसे संबंधित विभाग को संज्ञान में लेना चाहिए. पोटसो के पंसस पति महतो ने बताया कि पोटसो में बने स्वास्थ्य उपकेंद्र का उद्घाटन भी नहीं हुआ है और अभी से ही वहाँ पानी चू रहा है. चिरूडीह पंचायत समिति ने आईटीआई कॉलेज के लिए रास्ते की व्यवस्था को लेकर चर्चा की. भेंडरा पंसस गोपाल यादव ने बताया कि पंचायत स्थित नव प्राथमिक विद्यालय राजाटांड में एक ही शिक्षक के भरोसे चल रहा है.

सड़क से सटे विद्यालय परिसर में न तो चारदीवारी है और न ही जाली, जिससे बच्चों के लिए हमेशा खतरा बना रहता है. बरई पंचायत समिति ने बरसात के कारण लोगों को हो रही बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक कैंप लगाने की बात कही. वहीं, बरई मुखिया विजय कुमार रवि ने कहा कि नावाडीह अंचल कार्यालय में जमीन संबंधी किसी भी समस्या का समाधान जल्दी नहीं होता है, जिससे ग्रामीण ही नहीं बल्कि प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के मुखिया और पंचायत समिति सदस्यगण भी परेशान रहते हैं. पेंक, चिरूडीह सहित कई पंचायतों के पंसस ने बताया कि उनके पंचायतों में बिजली के जर्जर पोल और तार की समस्याएँ हैं, जिनको लेकर बैठक में कई बार चर्चा की जा चुकी है और संबंधित अधिकारियों से बात करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है.

कार्रवाई की मांग की

वहीं, बैठक में बिजली, वन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई एवं आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की.

सभी विभाग से 15 दिनों में लिया जायेगा फीडबैक : बीडीओ

बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने कहा कि बैठक में जो भी त्रुटियाँ हैं, उनका निराकरण किया जाएगा. साथ ही, सभी विभाग से प्रत्येक 15 दिन में फीडबैक लिया जाएगा. मौके पर उप प्रमुख हरिलाल महतो, जिप सदस्य कुमारी खुशबू, सांसद प्रतिनिधि सुरेश कुमार महतो, विधायक प्रतिनिधि खगेंद्र महतो, प्रखंड समन्वयक अहमद रजा खान, जेएसएस मो. फिरोज, सीडीपीओ राजकिशोरी खालको, बीटीएम सुरेश रजक, एटीएम संतोष कुमार, पंसस निर्मल महतो, दिलेश्वर महतो, पति महतो, गीता देवी, ममता भट्टाचार्य, गोपाल यादव आदि उपस्थित थे.

अभियंता ने बनाई गई सड़क को उखड़वाया

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड में चौड़ा के निकट कैरा झरना से हिसीम होते हुए केदला पहाड़ तक निर्माणाधीन सड़क के निर्माण कार्य में अनियमितता और आधी रात को काम कराए जाने का मामला सामने आने के बाद सोमवार को विभागीय सहायक अभियंता निहार रंजन एवं कनीय अभियंता समीर कुमार दास ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की. जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा गया था. अभियंताओं को बिना सूचना दिए संवेदक द्वारा अपनी मर्जी से देर रात को काम कराया जा रहा था. जांच में यह भी देखने को मिला कि सड़क निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं था।

ब्रीफ खबरें

स्कूल की प्रबंध समिति का पुनर्गठन

बोकारो। सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल की नई प्रबंध समिति/कार्यकारिणी समिति का गठन परिषद की एजुकेशनल सोसायटी के नए सदस्यों की बैठक में सर्वसम्मति से कर लिया गया. जिसमें संरक्षक अविनाश कुमार झा, अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष बटोही कुमार एवं विजय कुमार झा, सचिव दिलीप कुमार झा, संयुक्त सचिव सुनील मोहन ठाकुर, मनोज कुमार झा, शिक्षा सदस्य डॉ. यू. सी. झा, वित्त सदस्य प्रदीप झा, निर्माण सदस्य बहुरन झा और अविनाश कुमार झा 'अवि' को बनाया गया.

मंत्री ने अपने छोटे भाई को दी श्रद्धांजलि

गोमिया। झारखंड के पेयजल, स्वच्छता एवं उत्पाद मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अपने छोटे भाई, स्वर्गीय भरत कपूर को भावभीनी श्रद्धांजलि दी. यह श्रद्धांजलि उनके ब्राह्मण भोज के दौरान दिवंगत की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए दी गई. इस अवसर पर मंत्री भावुक भी हो गए. इस दौरान पूर्व विधायक बबीता देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों ने एकजुट होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धापूर्वक प्रार्थना की और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने दिखाए वैज्ञानिक मॉडल

दुमका। राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय शिकारीपाड़ा के प्रांगण में सोमवार को विद्यालय के आर्यभट्ट विज्ञान क्लब द्वारा एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में शिकारीपाड़ा प्रखंड के अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर उपस्थित रहे. निर्णायक मंडली में सेवानिवृत्त विज्ञान शिक्षक वैद्यनाथ सिंह और बसंत साहा शामिल थे. विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रवीण कुमार, आर्यभट्ट विज्ञान क्लब के संरक्षक शिवाकांत त्रिपाठी, विज्ञान क्लब के अध्यक्ष जुलकर अंसारी एवं विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद थे. मुख्य अतिथि अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से लोगों में वैज्ञानिक सोच का विकास होता है. इस प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पर मरियम मुर्मू एवं समूह (विषय - वर्षा जल संरक्षण एवं कृषि) का चयन किया गया. द्वितीय स्थान पर चिंकी कुमारी एवं समूह (विषय - रक्त परिसंचरण) रहे. तृतीय स्थान पर नेहा कुमारी एवं समूह (विषय - सीमित जल से जलीय ऊर्जा का उत्पादन) ने बाजी मारी.

लुगुबुरु महोत्सव के पूर्व सभी निर्माण कार्य करें पूरा : उपायुक्त

शुभम संदेश। बोकारो

इस वर्ष राजकीय लुगुबुरु महोत्सव को राष्ट्रीय स्वरूप देने का लक्ष्य रखा गया है. यह महोत्सव ललपनिया पंचायत, पेटरवार प्रखंड और बोकारो में आयोजित किया जाएगा, जिसमें आदिवासी संस्कृति, परंपरा, साहित्य, चित्रकला, फिल्म और जीवनशैली की झलक देखने को मिलेगी. इसके लिए एक बड़े आयोजन समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें जिला एवं अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी, स्थानीय मुखिया/प्रधान और पूर्व से आयोजित कर रहे आयोजन समिति के सदस्य शामिल रहेंगे. यह बात उपायुक्त अजय नाथ झा ने सोमवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा बैठक के दौरान कही. उपायुक्त ने बैठक के दौरान लुगुबुरु में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को महोत्सव से पूर्व हर हाल में पूर्ण करने का निर्देश दिया. उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी को भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता से समन्वय स्थापित कर प्रगति कार्य की जानकारी लेने को भी कहा. उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) को सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (सीएफआरआर) में परिवर्तित कर उसे ईको टूरिज्म मॉडल के रूप में विकसित किया जाए. इससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि के साथ-साथ क्षेत्र के सतत विकास को भी बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत लाभुकों की सूची तैयार करने और उनका रिकॉर्ड ऑफ राइट्स (आरओआर) जारी करने का भी निर्देश दिया, जिसे स्टेट पोर्टल से लिंक किया जाना है. उपायुक्त ने इस प्रक्रिया को माह के अंत तक पूर्ण करने को कहा.

शिक्षा संस्थानों के लिए नए दिशा-निर्देश

उपायुक्त ने बैठक में जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में छात्रवृत्ति मंत्री बनाने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति मंत्री का दायित्व होगा कि उनके विद्यालय में अध्ययनरत सभी पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिले और सभी का आवेदन ससमय हो जाए. विद्यालय परिसर में छात्रवृत्ति मंत्री का पोस्टर भी लगाया जाएगा. बैठक में उपायुक्त ने एलडीएम को निर्देशित किया कि छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों के बैंक खातों में आधार नंबर सीडिंग कार्य को तत्काल पूरा करें. उन्होंने संबंधित बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ बैठक कर इसमें तेजी लाने और इसे प्राथमिकता देने को कहा. छात्रवृत्ति से जुड़ी किसी भी शिकायत के निष्पादन के लिए शिकायत निवारण कोषांग गठित करने का निर्देश जिला कल्याण पदाधिकारी को दिया गया, ताकि छात्र एवं उनके अभिभावक त्वरित समाधान प्राप्त कर सकें. उपायुक्त ने प्रधानमंत्री जन-जन मन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी लाइन विभागों के साथ समन्वयात्मक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया. आदिवासी परंपराओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आदिवासी अखाड़ा का जीर्णोद्धार किया जाएगा. इसका पौराणिक महत्व बनाए रखते हुए इसे स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनाया जाएगा. ऐसे अखाड़ा स्थलों की सूची तैयार कर कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया गया. आदिवासी समाज की आजीविका को सशक्त/बढ़ाने के लिए एक विशेष आय-वृद्धि योजना शुरू की जाएगी. इसके अंतर्गत आदिवासी युवाओं को प्रशिक्षण, संसाधन, सामग्री निर्माण तथा मार्केटिंग लिंकेज की समुचित व्यवस्था की जाएगी.

लंबित एफआरए आवेदन और साइकिल वितरण

बैठक में उपायुक्त ने आदिवासी महोत्सव से पूर्व ग्राम स्तर पर लंबित सभी एफआरए (वन अधिकार अधिनियम) आवेदनों के निष्पादन का निर्देश दिया. उन्होंने ग्राम एवं अनुमंडल स्तर पर लंबित आवेदनों की जानकारी भी प्राप्त की. वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री साइकिल योजना के अंतर्गत सभी छात्र-छात्राओं को आगामी 15 अगस्त 2025 तक साइकिल वितरण की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया गया. इसके लिए क्लस्टर स्तर पर वितरण कार्यक्रम आयोजित करने और स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों व जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने को कहा गया.

छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा और नए निर्देश

उपायुक्त ने बैठक में जिले की प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा की. उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के प्रगति कार्य की जानकारी ली. इस क्रम में, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आवश्यक आवंटन की मांग राज्य मुख्यालय से करने के लिए पत्राचार करने का निर्देश दिया. वहीं, वर्ष 2025-26 के प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए छात्रों का पंजीकरण तत्काल शुरू करने और इस कार्य को दस दिनों में पूर्ण करने को कहा गया. साथ ही, सभी आवेदनों के छात्रों का सत्यापन कार्य 07 दिनों में करने का निर्देश दिया गया. उन्होंने छात्रों के सत्यापन के लिए प्रखंड स्तर पर टीम गठित करने को कहा, जिसके संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अध्यक्ष होंगे. उन्होंने जिले से बाहर अध्ययनरत छात्रों का सत्यापन बैठक में उपस्थित पिरामल फाउंडेशन और पीएमयू के सदस्यों को करने की बात कही. सत्यापन के क्रम में आय एवं आवासीय प्रमाण पत्र में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर संबंधित छात्रों को ई-मेल के माध्यम से सूचना भेजने का निर्देश दिया, ताकि वे समय रहते दस्तावेज सुधार सकें.

दो अलग-अलग मामलों के फरार दो अभियुक्त गिरफ्तार

बेंगाबाद (गिरिडीह)(शुभम संदेश)। बेंगाबाद थाना क्षेत्र में रविवार रात पुलिस ने सघन छापेमारी अभियान चलाकर दो अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. दोनों आरोपी लंबे समय से फरार थे और उनके खिलाफ न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था.

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान : गिरफ्तार आरोपियों में मंडारडीह निवासी अहमद अंसारी शामिल है, जो एसटी संख्या 373/2022 मामले का आरोपी है. वहीं, दूसरे आरोपी की पहचान मोतीलेदा पंचायत के केंदुआगढ़ा निवासी शेखलाल वर्मा उर्फ शेखलाल प्रसाद वर्मा के रूप में हुई है, जो फॉरेस्ट केस संख्या 166/2016 का वांछित अभियुक्त था.

पुलिस की कार्रवाई और भविष्य की योजना : पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी. आखिरकार रविवार की रात विशेष छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया गया. गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर आमजन का विश्वास बढ़ा है. थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि फरार आरोपियों की धरपकड़ का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा.

सेंट जेवियर में फ्रैंक एंटनी जोनल वाद-विवाद प्रतियोगिता संपन्न

शुभम संदेश। बोकारो

सेक्टर वन स्थित सेंट जेवियर्स विद्यालय में फ्रैंक एंटनी जोनल वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया. इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय एआई एक उपकरण हो सकता है, लेकिन शिक्षा का माध्यम नहीं था. इस प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज, एस.जे. के स्वागत भाषण से हुआ. फादर मिंज ने निर्णायक मंडली में सुब्रत गुप्ता, सदफ़ नूरी एवं कैंडिडा तबोडा का एक-एक पौधा भेंट कर अभिनंदन किया.

तत्पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन हुआ. प्रतियोगिता की अध्यक्षता कर रहीं चंद्रिमा रे ने सभी प्रतिभागियों को नियमावली की जानकारी दी, जिसमें प्रतिभागियों को चार मिनट का वक्तव्य और दो मिनट का प्रतिवाद (खंडन) समय दिया गया.

देश के विभिन्न विद्यालयों से आए 14 प्रतिभागियों को सात समूहों में बांटकर मंच पर बुलाया गया. वक्ताओं ने ठोस तर्क, प्रामाणिक उदाहरण और आंकड़ों के सहारे अपनी बात को बड़े ही प्रखर एवं सशक्त ढंग से रखा. प्रतियोगिता के पश्चात निर्णायकों ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की और उनके आत्मविश्वास की भूरी-भूरी प्रशंसा की. सदफ़ नूरी ने सभी प्रतिभागियों और दर्शकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे अवसर व्यक्तित्व निखारने का सबसे सशक्त साधन होते हैं. इस आयोजन में डी. एन.एस. भूली विजेता टीम रही और डी.एन.एस.एफ.आर.आई. विद्यालय उपविजेता टीम बनी.

बीएलओ को मिला विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण

शुभम संदेश। कसमार (बोकारो)

कसमार प्रखंड मुख्यालय के सभागार में सोमवार को मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 को लेकर बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) एवं बीएलओ सुपरवाइजर का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह कसमार अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार ने की. इस दौरान बोकारो जिला निर्वाचन कार्यालय के प्रशिक्षक किशोर कांत एवं कसमार प्रखंड के प्रशिक्षक कफील अहमद, सहायक शिक्षक रिजवान अहमद, विमल कुमार राय एवं निर्वाचन शाखा के कंप्यूटर ऑपरेटर टिंकू कुमार ने मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 की विस्तृत जानकारी दी. प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रशिक्षण के पहले दिन सोमवार को कसमार प्रखंड के बूथ संख्या 260 से 299 तक के बीएलओ को इस कार्यक्रम की जानकारी दी गई. वहीं, मंगलवार को बूथ संख्या 300 से 341 तक के बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा. इस प्रशिक्षण में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत निर्वाचक नियमावली की शुद्धता, व्यापकता एवं अद्यतनता सुनिश्चित करने हेतु बीएलओ व पर्यवेक्षकों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानक प्रस्तुतीकरण की जानकारी दी गई. मौके पर बीएलओ अजमेरी खातून, नर्मदा देवी, राजकुमारी देवी, निगार प्रवीण, प्रेमलता देवी, हिना देवी, दुलाली देवी, गीता देवी, सुनीता देवी, चपला देवी व अन्य बीएलओ मौजूद थीं.

सिविल सर्जन ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

शुभम संदेश। साहिबगंज

सोमवार को सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने बीती रात सदर अस्पताल साहिबगंज का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर, विभिन्न वार्डों और विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर से पुराने आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्रियों को तत्काल हटाया जाए. ड्रेसिंग रूम एवं आईपीडी (इनपेशेंट डिपार्टमेंट) वार्ड की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए. अस्पताल के पीछे (बैकयार्ड) में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था (लाइट) की व्यवस्था करने को भी कहा गया. एसएनसीयू में ट्रांसपोर्ट इनक्यूबेटर मशीन की स्थिति

के बारे में स्टाफ से जानकारी ली गई. सिविल सर्जन ने एसएनसीयू में चल रही गतिविधियों की गहन समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिया कि मुस्कान प्रमाणन हेतु निर्धारित सभी मापदंडों की पूर्णता तत्काल सुनिश्चित की जाए. उन्होंने कहा कि नवजात शिशुओं की देखभाल सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी चिन्हित कमियों को शीघ्र दूर किया जाए. इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्टेपडाउन वार्ड का भी निरीक्षण किया. सिविल सर्जन ने वार्ड की स्वच्छता, बेड की स्थिति, माताओं एवं नवजातों को दी जा रही सुविधाओं की जाँच की. उन्होंने प्रभारी डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ को निर्देशित किया कि संक्रमण नियंत्रण के सभी मानकों का पालन हो, रिकॉर्ड संधारण व्यवस्थित हो और देखभाल की गुणवत्ता में कोई कमी न हो. डॉ. पासवान ने दोहराया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार जिला स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है.

आठवीं कक्षा के 4794 एससी एसटी वर्ग को मिलेगी साइकिल

धनबाद(शुभम संदेश।)। उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में साइकिल वितरण योजना के तहत आठवीं वर्ग में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ी जाति के छात्र, छात्राओं के बीच निःशुल्क साईकिल वितरण के लिए जिला स्तरीय साइकिल वितरण अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में की गई. जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा कुल 4794 आठवीं वर्ग में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ीं जाति के छात्र, छात्राओं के बीच निःशुल्क साईकिल वितरण को लेकर अनुमोदन के लिए समिति के समक्ष प्रस्ताव रखा गया. जिसे उपायुक्त की अध्यक्षता में अनुमोदन की स्वीकृति प्रदान की गई.

पेज-3 का शेष

राहुल की गर्लफ्रेंड से बात करने में गई....

कई बार उसने महिला मित्र को देवज्योति से दूरी बनाए रखने को कहा था. घटना वाले दिन जब देवज्योति अपने कार्यालय से निकला, तब राहुल और उसके साथी बाइक से उसका पीछा कर रहे थे. बोका बाबा मंदिर से बाईपास मार्ग पर उन्होंने देवज्योति को रोका, धक्का-मुक्की की, और फिर धारदार हथियार से गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी. मौके पर ही देवज्योति की मौत हो गई और आरोपी भाग निकले. गिरफ्तार पम्मी शर्मा नामजद आरोपी थी. राहुल माझी के दो अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी है. मौके पर एसीपी कुल्टी जावेद हुसैन, कुल्टी थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णेन्दु दत्ता, नियामतपुर फाड़ी प्रभारी अखिल मुखर्जी, और अनुसंधान अधिकारी उप निरीक्षक विनय दास भी उपस्थित थे.

इस तरह आगे बढ़ी जांच : देवज्योति के पिता दिलीप सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी. जांच के दौरान 10 जून को उसकी महिला मित्र पम्मी शर्मा को संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया और पुलिस रिमांड में लिया गया. लगातार जांच के बाद पुलिस ने घटना के 36 दिन बाद सलानपुर थाना क्षेत्र के रूपनारायणपुर निवासी राहुल माझी को गिरफ्तार किया. 12 जुलाई को उसे कोर्ट में पेश कर 7 दिनों की रिमांड पर लिया गया. जहां पूछताछ के दौरान राहुल माझी ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है. उसने बताया कि तेज धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई. राहुल के साथ उसके दो अन्य साथी भी घटना में शामिल थे.

रोटरी की किशोरी स्वास्थ्य योजना पर जागरुकता कार्यक्रम

शुभम संदेश। बोकारो

रोटरी क्लब चास ने सोमवार को उत्क्रमित उच्च विद्यालय सोनाबाद में छात्राओं के लिए किशोरी स्वास्थ्य योजना के तहत एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया. रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष डिंपल कौर ने कहा कि किशोरियों को स्कूलों-कॉलेजों में स्वास्थ्य शिक्षा देकर उन्हें अपने शरीर, हार्मोनल बदलावों और आत्म-सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जा रहा है.

इस अवसर पर डॉ. अनुपमा वर्मा ने किशोरियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ किशोरी ही स्वस्थ महिला बनती है. डॉ. वर्मा ने छात्राओं को माहवारी के समय विशेष रूप से स्वच्छता बरतने को कहा. उन्होंने जोर दिया कि किशोरियों का स्वास्थ्य केवल उनका व्यक्तिगत मुद्दा नहीं, बल्कि समाज और देश के विकास से भी जुड़ा हुआ है. डॉ. अनुपमा वर्मा ने यह भी कहा कि किशोरावस्था जीवन का महत्वपूर्ण चरण है. शैल रस्तोगी ने कहा कि छात्राओं को दी गई यह शिक्षा उनके लिए जीवन में बेहद उपयोगी रहेगी. रोटरी क्लब चास की सचिव श्वेता रस्तोगी ने कहा कि किशोरियों के पोषण, शिक्षा और सुरक्षा हम सबका सामाजिक दायित्व है. श्वेता ने बताया कि अपने सामाजिक दायित्व के तहत स्कूल की 250 किशोरियों को सैनिटरी पैड निःशुल्कउपलब्ध कराए गए हैं. इस अवसर पर स्कूल की शिक्षिकाएं, पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, सूमी कौर, संजय बैद, मुकेश अग्रवाल, गौरव रस्तोगी, बिनोद चोपड़ा, कुमार अमरदीप, सिद्धार्थ पारख, हरबंस सिंह, शैल रस्तोगी आदि उपस्थित रहे.

न्यूज अपडेट

आर्थिक साझेदारी समझौता से बढ़ेगा भारत-यूएई व्यापार: डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दुबई में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान यूएई के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयूदी के साथ भारत-यूएई समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत आर्थिक और औद्योगिक सहयोग को विस्तार देने पर गहन चर्चा की. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत-यूएई सीईपीए एक मजबूत आर्थिक आधार प्रदान करता है. कहा कि मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, उन्नत बुनियादी ढांचे और बेहतर उद्योग नीति समर्थन ने इसे लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में एक उभरते निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किया है.

नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद चौधरी का मंत्री पद से इस्तीफा

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार से समर्थन वापस लेने वाली नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद अरुण कुमार चौधरी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया. उनका त्यागपत्र अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है. नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने एक हफ्ते पहले ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था. साथ पार्टी की तरफ से सरकार में सहभागी नागरिक उड्डयन व पर्यटन राज्यमंत्री अरुण कुमार चौधरी ने भी अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था. चौधरी ने कहा है कि उन्होंने पांच दिन पहले इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था. प्रधानमंत्री ने इस्तीफा मंजूर नहीं किया है. उन्होंने सरकारी गाड़ी और सुरक्षा गार्ड भी वापस कर दिए हैं. नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के पास चार सांसद हैं. पांच सांसदों वाले जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने भी समर्थन वापस ले लिया है.

नेपाल के गृह मंत्री ने दिए मानव तस्करी मामले की जांच के आदेश

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए स्पेन यात्रा के नाम पर नेपाल से मानव तस्करी का खुलासा होने के बाद गृह मंत्री रमेश लेखक ने जांच के आदेश दिए हैं. इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भी स्पेन गया था. दरअसल, प्रधानमंत्री ओली ने 28 जून को स्पेन का दौरा किया था. प्रधानमंत्री ने जिस विमान से काठमांडू से कतर होते हुए स्पेन की यात्रा की थी, उसी विमान पर सवार होकर 43 अन्य लोग भी स्पेन गए थे, लेकिन इनमें से कोई भी अभी तक नेपाल वापस नहीं आया. कई स्थानीय मीडिया ने इस खबर को प्रकाशित किया था. 53 ऐसे लोगों की सूची भी सार्वजनिक की गई थी.

झूठी जानकारी वाले वीडियो के प्रसारण पर यूट्यूबर के खिलाफ केस

मेंगलुरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल गांव में मृत शरीरों के निपटान से जुड़ी झूठी जानकारी के साथ वीडियो प्रसारित करने के आरोप में यूट्यूबर समीर एम.डी. के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के. ने इसकी जानकारी दी है. दक्षिण कन्नड़ पुलिस के अनुसार यूट्यूबर समीर एम.डी. के खिलाफ धर्मस्थल पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है. धर्मस्थल में कई मृत शरीर दफनाए जाने के आरोपों के बाद, यूट्यूबर ने इस विषय से संबंधित एक वीडियो अपलोड किया था, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सहायता से तैयार की गई काल्पनिक और भ्रामक जानकारी शामिल थी.

छत्तीसगढ़ में एसईसीएल ओपन कास्ट के मैनेजर के यहां आईटी रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार सुबह बिलासपुर, मनेंद्रगढ़ और चिरमिरी समेत कई इलाकों में एक साथ दबिश दी है. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये छापेमारी टैक्स चोरी की शिकायतों के आधार पर की गई है, और पूरा मामला साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) से जुड़ा बताया जा रहा है. विभागीय सूत्रों के अनुसार सोमवार सुबह करीब 8 बजे चिरमिरी के पोड़ी नवापारा स्थित एसईसीएल ओपन कास्ट के मैनेजर रविशंकर चक्रधारी और एसी मनीष गुप्ता के घर इनकम टैक्स की टीमें पहुंचीं. चार गाड़ियों में आई टीम ने दोनों घरों को चारों ओर से घेर लिया और घर के अंदर दस्तावेजों की गहन जांच शुरू कर दी.

ढाका : तत्कालीन पुलिस आयुक्त समेत आठ के खिलाफ आरोप तय

ढाका। बांग्लादेश का अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) इन दिनों जुलाई विद्रोह के दौरान हुए 'मानवता के खिलाफ अपराध' के सिलसिले में दर्ज मामलों की सुनवाई तेजी से कर रहा है. आईसीटी-1 ने पिछले वर्ष जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान चंखरपूल में छह लोगों की हत्या के मामले में आज पूर्व ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त हबीबुर रहमान सहित पुलिस बल के आठ सदस्यों के खिलाफ आरोप तय किए. द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार न्यायमूर्ति गोलाम मोर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने इसके बाद अभियोजन पक्ष के प्रारंभिक बयान के लिए 10 अगस्त और गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए 11 अगस्त की तारीख तय की.

शिवालयों में कांवड़ियों शिवभक्तों का उमड़ा सैलाब

वाराणसी। सावन माह के पहले सोमवार को बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी, राजधानी लखनऊ सहित पूरा प्रदेश महादेव की आराधना में लीन रहा. प्रदेश के प्रमुख शिव मंदिरों में कांवड़ियों और शिवभक्तों का रेला दर्शन पूजन के लिए दिनभर उमड़ता देखा गया. इस दौरान हर हर महादेव और बोल बम के उद्घोष से फिजाएं गुंजायमान हैं. धर्म नगरी काशी नगरी में चहुंओर कंकर-कंकर शंकर का नजारा दिख रहा है. सावन के पहले सोमवार को देखते हुए पूरे मंदिर परिक्षेत्र में सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया. चप्पे-चप्पे पर चौकसी बरती जा रही है. श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एटीएस के कमांडो तैनात किए गए हैं. भक्तों की सुविधा के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह से पूजन-अर्चन का सजीव प्रसारण हो रहा. दरबार में मंगला आरती के बाद भोर से ही कतारबद्ध शिवभक्त मंदिर के स्वर्णमंडित गर्भगृह के बाहर लगे पात्र से ज्योर्तिलिंग का जलाभिषेक कर रहे हैं. मंदिर में बाबा का झांकी दर्शन और धाम का नव्य, भव्य और विस्तारित स्वरूप देख शिवभक्त और कावंड़िये आह्लादित होकर हर-हर महादेव का परम्परागत कालजयी उद्घोष कर रहे हैं. हर-हर, बम-बम के बोल संग गूंजती कांवड़ियों की बोली के साथ आस्थावानों की कतार गोदौलिया से लगातार दरबार में दर्शन-पूजन के लिए आगे बढ़ रही है. इसके पूर्व आज भोर में 3:30 बजे बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग की विधि विधान से वैदिक मंत्रोंच्चार के बीच भव्य श्रृंगार कर मंगला आरती हुई. इसके बाद मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धा की अटूट कतार स्वर्णिम दरबार के दरस-परस के लिए उमड़ पड़ी.

पीड़ित युवतियों ने छांगुर बाबा पर लगाए गंभीर आरोप

भारत को इस्लामिक देश बनाना चाहता था

एजेंसी। लखनऊ

हजारों हिंदू लड़कियों को फंसाकर धर्मांतरण कराने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को लेकर रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं. अब कुछ पीड़ित युवतियों ने आरोप लगाया है कि छांगुर बाबा और उनके सहयोगी भारत को इस्लामिक देश बनाने का षडयंत्र रच रहे थे. पीड़ित युवतियों का कहना है कि उनकी घर वापसी के बाद उन्हें धमकियां मिल रही हैं. उन्हें सरकार सुरक्षा उपलब्ध कराये. सोमवार को लखनऊ में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के जिलाध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में कुछ पीड़ित युवतियों ने पत्रकार वार्ता के दौरान आपबीती बयां की. पीड़ित युवतियों ने छांगुर और उसके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उन्हें धमका, प्रेमजाल में फंसाकर, पैसों का प्रलोभन देकर उनका धर्मांतरण कराया गया.

पीड़ित युवती ने पीड़ित ने मीडिया को छांगुर की काली करतूतों को बयां करते हुए बताया कि वह औरैया जिले की रहने वाली है. पिछले वर्ष की बात है, जब अपने पिता की शराब लत को छुड़ाने के परेशान थी. इसी दौरान मेराज नाम के युवक ने अपना रूद्र शर्मा बताते कहा कि वह उसके पिता की शराब छुड़वा देगा. युवती ने बताया कि मेराज उर्फ रूद्र ने उसके परिवार को छांगुर बाबा से लखनऊ में मिलवाया. छांगुर ने उसे ताबीज देकर दुआ पढ़ी थी. इसके कुछ दिन बाद मेराज उर्फ रुद्र शर्मा उनके घर आया और कानपुर में आए झांगुर बाबा से मिलाने के लिए उसे अपने साथ ले गया. युवक उसे कानपुर न ले जाकर फतेहपुर बिन्दकी की एक मस्जिद में ले गया, जहां उसका जबरन निकाह कराया गया. तब उसे पता चला कि युवक का असली नाम रुद्र नहीं मेराज है. उसने उसे इस्लाम कबूल करवाते हुए उसका जैनब नाम रखा. उसे तीन महीने अपनी कैद में रखा और उसके साथ जबरदस्ती की. इसके बाद वह किसी तरह वह वापस अपने घर आई तो मेराज आ गया. युवती का आरोप है कि मेराज ने उससे जुड़ी फोटो और वीडियो दिखाई और कहा कि उसकी छोटी बेटी की भी शादी करवा दो. इसी बहस में लड़की के पिता ने मेराज के सिर में लोहे की रॉड मार दी, जिससे मेराज की मौत हो गई. इसके बाद उसके मां-बाप को जेल भेज दिया गया.

युवती ने बताया कि अपने साथ हुई घटना को लेकर पीड़ित मेराज के खिलाफ केस दर्ज कराने गई तो औरैया पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया. क्योंकि उसके पिता रियाज सपा से बिन्दकी नगरपालिका क्षेत्र में सभासद का चुनाव लड़ चुका है. उसने बताया कि जब छांगुर गैंग का खुलासा हुआ तब उसने हिंदू संगठन की मदद से अपनी बात कहने के लिए लखनऊ पहुंची. मीडिया से युवती ने बताया कि आज भी उसे धमकियां मिल रही है. माता-पिता के जेल जाने के बाद उसके भाई-बहन कई दिक्कतों का सामना कर रहे हैं. वह कोर्ट केस भी लड़ रही है. पत्रकार वार्ता में अन्य पीड़ित युवतियों ने बताया कि छांगुर बाबा के गिरोह में शामिल लड़के पहले तो अपनी बातों या प्रेमजाल में फंसाकर उनसे शादी का प्रस्ताव रखते हैं. जब लड़किया राजी हो जाती हैं, तो उन्हें मस्जिद में ले जाकर उनका धर्मांतरण कराते हैं. यदि कोई लड़की नहीं राजी होती है तो गंदी वीडियो व फोटो को वायरल करने की धमकी देकर उनका धर्मांतरण कराते हैं. उनका शारीरिक शोषण किया जाता है.

पीड़ित युवतियों ने आरोप लगाया कि हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने के लिए वहां रेट लेस्ट बनी थी. पीड़ितों का कहना है कि एजेंटों को हिन्दू धर्म के ब्राह्मण, सरदार अथवा क्षत्रिय की लड़की को इस्लाम स्वीकार कराने पर पन्द्रह से सोलह लाख रुपये मिलते थे. पिछड़ी जाति की लड़की के लिये दस से बारह लाख और अन्य जाति की लड़कियों को आठ से दस लाख रुपये मिलते थे. घर वापसी करने के बाद पीड़ित लड़कियों का कहना है कि उनको धमकियां मिल रही हैं. वे सरकार से मांग करती है कि उन्हें व उनके परिवार को सुरक्षा मुहैया करायी जाए.

न्यूज अपडेट

संसद में एआई आधारित डिजीटलीकरण का अगला चरण लागू होगा

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में लोकसभा के कामकाज में आर्टिफीशियल इन्टेलीजेंस (एआई) आधारित डिजीटलीकरण का अगला चरण लागू किया जाएगा, जिसमें दो नई भाषाओं में अनुवाद की सेवा और सांसदों की उपस्थिति डिजीटली दर्ज करना शामिल है. अधिकारियों ने बताया कि इस सत्र से लोकसभा में सांसदों को हाजिरी लगाने के लिए रजिस्टर में हस्ताक्षर करने के अलावा में सदन में उनके लिए आवंटित सीट पर मल्टीमीडिया माध्यम से बायोमेट्रिक ढंग से अथवा पिन नंबर दर्ज करके हाजिरी लगाने की सुविधा उपलब्ध होगी. आने वाले समय में रजिस्टर पर हस्ताक्षर की परंपरा को बंद करके केवल डिजीटल माध्यम से हाजिरी लगाने का प्रक्रिया अपनायी जाएगी.

बुलेटघनसोली-शिलफाटा के बीच अंडरसी टनल का पहला सेक्शन तैयार

नयी दिल्ली। भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना ने आज एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है. महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे की सुरंग का पहला हिस्सा अब उपयोग के लिए तैयार है. यह टनल मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से ठाणे तक फैली हुई है और इस हाई-स्पीड प्रोजेक्ट का एक अहम हिस्सा है. रेल मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना में अब तक 310 किलोमीटर वायाडक्ट का निर्माण पूरा हो चुका है. साथ ही 15 नदी पुलों का निर्माण भी हो चुका है, जबकि 4 अन्य पुल लगभग तैयार हैं. 12 प्रस्तावित स्टेशनों में से 5 का काम पूरा हो गया है और 3 अन्य स्टेशनों पर तेजी से काम चल रहा है.

चीफ इमाम ने गाय को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने की मांग की

नूंह। नल्हड़ेश्वर मंदिर में जलाभिषेक यात्रा के दौरान ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम उमर अहमद इलियासी भी नूंह पहुंचे हैं. सोमवार को ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम डा. उमर अहमद इलियासी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की. जलाभिषेक यात्रा को देखते हुए जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर इलाके में इंटरनेट बंद कर रखा है. सावन माह के पहले सोमवार को ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा हर-हर महादेव के जयकारों के साथ शुरू हुई. जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. यह ब्रजमंडल यात्रा फिरोजपुर झिरका महादेव मंदिर से होते हुए शिंकार गांव के श्रंगेश्वर महादेव मंदिर पर संपन्न होगी.

प्रतिबंधित संगठन उल्फा (स्व.) के चार मददगार गिरफ्तार किए गए

चराइदेव। असम में प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) स्वाधीन (स्व.) के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है. सोमवार को सोनारी पुलिस ने संगठन के चार और मददगारों को गिरफ्तार किया है. यह गिरफ्तारी हाल ही में एक अन्य मददगार की पूछताछ और स्वीकारोक्ति के आधार पर हुई है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए मददगारों में गुवाहाटी के जालुकबारी के आसिम अधिकारी, दरंग जिले के सिपाझार शहर के धर्मेंद्र डेका, उदालगुरी के ध्रुवज्योति वैश्य और बलेन डेका शामिल हैं. सभी आरोपियों से सोनारी पुलिस थाने में पूछताछ की जा रही है ताकि संगठन के अन्य सदस्यों और उनके गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल की जा सके.

लाहौर से कराची जानेवाले यात्री को विमान से भेज दिया गया जेद्दा

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान के हवाई यात्रा के इतिहास में ग्राउंड स्टाफ की गंभीर गलती का खामियाजा एक यात्री को भुगतना पड़ा. लाहौर से कराची जाने वाले इस यात्री को एयरसियाल की उड़ान से जेद्दा भेज दिया. इस विमान यात्री को इस वजह से लगभग 15 घंटे तक परेशान होना पड़ा. पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार कोरंगी निवासी इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मलिक शाहजैन सात जुलाई की रात बच्चे की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर कराची जाने के लिए लाहौर हवाई अड्डा पहुंचे. शाहजैन का कहना है कि वह रात करीब नौ बजे कराची जाने वाली उड़ान के लिए बोर्डिंग पास लेकर एयरलाइन स्टाफ के पास पहुंचे. टर्मिनल पर एयरसियाल के दो विमान खड़े थे. इनमें एक को कराची और दूसरे को जेद्दा जाना था. दोनों को रात 10 बजे उड़ान भरनी थी. उन्होंने कहा कि मैंने अपना बोर्डिंग पास एयरलाइन स्टाफ सौंप दिया. इसके बाद मुझे अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान द्वार की ओर निर्देशित किया गया. मुझे बिना बताए खिड़की वाली सीट 17 एफ पर बैठा दिया गया. उड़ान के दो घंटे बाद मैंने फ्लाइट अटेंडेंट से पूछा कि विमान कराची कब पहुंचेगा. अटेंडेंट से यह जानकर आश्चर्य हुआ कि विमान जेद्दा के रास्ते में है. शाहजैन के अनुसार गलती का अहसास होने पर चालक दल में अफरा-तफरी मच गई. उन्होंने कैप्टन को स्थिति की जानकारी दी. सऊदी अरब पहुंचने पर एयरलाइन कर्मचारियों ने मामले को संभालने की कोशिश की, लेकिन वह विफल रहे. सऊदी सीमा शुल्क और सुरक्षा अधिकारी उन्हें पूछताछ के लिए अपने साथ ले गए.

बाबा रामदेव: भ्रामक विज्ञापन के दर्ज मामलों पर लगी रोक

एरानाकुलम। केरल उच्च न्यायालय ने योग गुरु रामदेव, पतंजलि के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण और दिव्य फार्मेसी के खिलाफ दर्ज सात आपराधिक मामलों में आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है. औषधि एवं चमत्कारिक उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम के तहत दर्ज शिकायतों में भ्रामक चिकित्सा विज्ञापनों के प्रसार का आरोप लगाया गया है. न्यायमूर्ति वीजी अरुण ने अभियुक्तों द्वारा दायर सात आपराधिक विविध याचिकाओं पर विचार करते हुए एक नया अंतरिम स्थगन जारी किया. न्यायालय ने पाया कि उठाए गए मुद्दे विस्तृत न्यायिक परीक्षण के योग्य हैं. इसमें शामिल जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए, न्यायालय ने लोक अभियोजक को मामले में आगे कोई भी कदम उठाने से पहले आवश्यक निर्देश प्राप्त करने का निर्देश दिया है.

ट्रंप राजकीय यात्रा पर सितंबर में ब्रिटेन आएंगे: बकिंघम पैलेस

एजेंसी। लंदन

बकिंघम पैलेस ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस साल सितंबर (17-19 तक) में ब्रिटेन आएंगे. उनकी यह यात्रा हाउस ऑफ कॉमन्स के वार्षिक पार्टी सम्मेलनों के पारंपरिक अवकाश के तुरंत बाद होगी. बकिंघम पैलेस ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने महाराज चार्ल्स (तृतीय) और रानी कैमिला के निमंत्रण को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है. द गार्डियन अखबार की खबर के अनुसार ब्रिटेन के महाराजा ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया की विंडसर कैसल में मेजबानी करेंगे. बकिंघम पैलेस ने अपनी घोषणा में इसके अलावा कोई अन्य विवरण नहीं दिया है. यह यात्रा व्हाइट हाउस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है. वह इसलिए कि ट्रंप आधुनिक इतिहास में दो बार राजकीय यात्रा करने वाले पहले निर्वाचित राजनेता बन जाएंगे. उन्हें फरवरी में व्हाइट हाउस में कीर स्टारमर ने राजा के पत्र के माध्यम से ब्रिटेन आने का निमंत्रण दिया था. खबर के अनुसार यात्रा की तारीखों के हिसाब से अमेरिकी राष्ट्रपति के संसद को संबोधित करने की संभावना नहीं है. इससे पहले बिल क्लिंटन और बराक ओबामा सहित अन्य राष्ट्रपतियों ने संसद के दोनों सदनों में भाषण दिए हैं. फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने पहली राजकीय यात्रा के दौरान दोनों सदनों को संबोधित किया है.

उपलब्धि शुभांशु शुक्ला का एक्स-4 क्रू आज अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से होगा अलग

18 घंटे बिताने के बाद पृथ्वी पर वापसी के लिए तैयार हैं शुभांशु

एजेंसी। ह्यूस्टन

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और उनके साथी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर लगभग 18 घंटे बिताने के बाद पृथ्वी पर वापसी के लिए तैयार हैं. शुभांशु एक्सिओम-4 मिशन (एक्स-4) क्रू के साथ आईएसएस जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं. वो आज अपराह्न अंतरराष्टीय अंतरिक्ष स्टेशन से अनडॉक होंगे. संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) की विज्ञप्ति के अनुसार, प्रस्थान प्रक्रिया सोमवार सुबह 4:30 पूर्वाह्न पूर्वी मानक समय आईएसटी से शुरू होगी. क्रू सुबह लगभग 7:05 बजे पृथ्वी के लिए रवाना होगा. नासा की विज्ञप्ति के अनुसार, इस पूरी प्रक्रिया का प्रसारण नासा अपने नासा प्लस पर करेगा. एक्सिओम स्पेस और स्पेस एक्स की वेबसाइट पर ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने और 15 जुलाई को लगभग दोपहर तीन बजे प्रशांत महासागर के कैलिफोर्निया तट पर स्पलैशडाउन तक जारी रहेगा. एक्सिओम स्पेस के अनुसार, चालक दल की पृथ्वी पर वापसी यात्रा में लगभग 22.5 घंटे लगेंगे. इससे पहले रविवार को ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से भावपूर्ण विदाई भाषण दिया. ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही. यह एक जादू की तरह महसूस हुई. अंतरिक्ष से आज का भारत महत्वाकांक्षी, निडर, आत्मविश्वासी और गर्व से भरा हुआ दिखता है. उन्होंने 1984 में राकेश शर्मा के कालजयी शब्दों को दोहराते हुए कहा कि अंतरिक्ष से भारत आज भी 'सारे जहां से अच्छा' दिखता है. शुक्ला ने कहा कि आज का भारत अंतरिक्ष से महत्वकांशी दिखता है. ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने इस यात्रा को संभव बनाने के लिए इसरो, नासा, अंतरराष्ट्रीय साझेदारों, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स का आभार व्यक्त किया है. एक्स-4 चालक दल में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की कमांडर पैगी व्हिटसन, पायलट शुभांशु शुक्ला, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के पोलैंड के प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री स्लावोज सुवे उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगेरियन टू ऑर्बिट के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कापू शामिल हैं. नासा के अनुसार, ड्रैगन अंतरिक्ष यान 580 पाउंड से अधिक कार्गो के साथ पृथ्वी पर लौटेगा. इसमें नासा हार्डवेयर और मिशन के दौरान किए गए 60 से अधिक प्रयोगों का डेटा शामिल है. एक्सिओम मिशन-4 को 25 जून को स्पेसएक्स फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39-ए से प्रक्षेपित किया गया था. ड्रैगन अंतरिक्ष यान 26 जून को निर्धारित समय से पहले शाम 4:05 बजे आईएसएस से सफलतापूर्वक जुड़ गया था.

पूर्व सीजेआई संजीव एचपीएनएलयू शिमला के प्रोफेसर रहेंगे

शिमला। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचपीएनएलयू) शिमला में विशिष्ट प्रोफेसर बनने के विश्वविद्यालय के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है. यह विश्वविद्यालय के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है, जो न केवल संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि कानून की शिक्षा और अनुसंधान में एक नया युग भी आरंभ करेगा. न्यायमूर्ति खन्ना का एचपीएनएलयू से पुराना और गहरा संबंध रहा है. वे पूर्व में विवि के कुलाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं और विधिक शिक्षा एवं संस्थागत विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सर्वविदित है.

यूक्रेन को अमेरिका पैट्रियट वायु रक्षा हथियार देगा

वाशिंगटन। यूक्रेन और रूस युद्ध को रुकवा पाने से निराश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका अब चुप नहीं बैठेगा. वह यूक्रेन को पैट्रियट वायु रक्षा हथियार भेजेगा. यहां यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप युद्ध रोकने के संबंध में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कई बार चर्चा कर चुके हैं. अमेरिका की समाचार वेबसाइट द हिल्स की खबर के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन पहुंचे पर ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से कहा, मैं यह नहीं बता पाऊंगा कि यूक्रेन को आपूर्ति की जाने वाले पैट्रियट वायु रक्षा हथियारों की कितनी संख्या होगी. यूक्रेन को ऐसे हथियारों की इस समय जरूरत है.इसका पूरा खर्च यूरोपीय संघ उठाएगा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, मैसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए के.जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित. संपादक **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक **संजय सिंह***. फोन नंबर 0651-2961734 आरएनआई नंबर **JHAHIN/2023/84487**(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)